kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स
सिर्फ सच

वर्ष-13 | अंक-289 | मंगलवार, 19 नवम्बर 2024 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12

भारत की दुर्दशा का कारण जानने के लिए स्वामी दयानंद को पढ़ना चाहिए। एक समय में कुरीतियों और पाखंड का जाल इस हद तक बढ़ गया था कि हम ने अपना मूल ज्ञान भुला दिया, जिसका नतीजा पराजय और गुलामी के रूप में लंबे समय तक भुगतना पड़ा।

आरिफ मोहम्मद खान

इसरो के जीसैट-एन2 के लिये उल्टी गिनती शुरू 11

चारधाम यात्रा की कम अवधि में भी रिकॉर्ड संख्या में पहुंचे श्रद्धालु 12

संक्षेप

बेरोजगारी की दर घटकर 6.4 प्रतिशत पर

नयी दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की जुलाई–सितंबर 2024 की तिमाही में बेरोजगारी की दर घटकर 6.4 प्रतिशत रही है। केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने सोमवार को यहां जारी पाक्षिक श्रम बल सर्वेक्षण – जुलाई–सितंबर 2024 में बताया कि आलोच्य अवधि में देश में बेरोजगारी की दर 6.4 प्रतिशत दर्ज की गयी है। आंकड़ों के अनुसार जुलाई से सितंबर 2023 की तिमाही में बेरोजगारी की दर 6.6 प्रतिशत रही है। इसके अलावा अप्रैल से जून, 2024 की अवधि में बेरोजगारी की दर 6.6 प्रतिशत ही दर्ज की गयी थी। सर्वेक्षण में 15 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को शामिल किया जाता है। आंकड़ों के अनुसार जुलाई से सितंबर 2024 में पुरुषों में बेरोजगारी की दर 5.7 प्रतिशत और महिलाओं में बेरोजगारी की दर 8.4 प्रतिशत रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना–दो में हर जरूरतमंदों को मिलेगा मकान

लखनऊ। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी–दो में हर जरूरतमंदों को मकान दिया जाएगा। खासकर कामकाजी महिलाओं और औद्योगिक श्रमिकों को किराये पर आवास उपलब्ध कराने के लिए बहुमंजिला भवन बनाने को बढ़ावा दिया जाएगा। नई दिल्ली में सोमवार को इसके लिए उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार के अधिकारियों के बीच करार हुआ। केंद्र सरकार के संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक हाउसिंग फॉर ऑल कुलदीप नारायण ने योजना के बारे में बताया कि पीएमएवाई–2 में देश भर में एक करोड़ पक्के मकान बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना में राज्यों द्वारा मांग के आधार पर मकान बनाने के लिए पैसे केंद्र सरकार द्वारा दिया जाएगा। पीएमएवाई–एक के तहत अब तक लगभग 90 लाख मकान बनाए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना से झुग्गीवासियों, महिलाओं, अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यकों, विधवाओं और दिव्यांगजन सहित विविध समूहों की आवासीय जरूरतों को पूरा किया जाएगा। इस मौके पर उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात, नगरीय विकास अभिकरण (सूडा) निदेशक डा. अनिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

शेखावत ने परिवार संग देखी 'द साबरमती रिपोर्ट'

नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' गोधरा कांड के सच को सामने लाने की एक सराहनीय कोशिश हैं।

श्री शेखावत ने रविवार रात यहां परिवार के साथ यह फिल्म देखने के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि अपनी कपटपूर्ण मानसिकता के प्रभाव में देश को बदनाम करने वालों का एक पूरा समूह इस फिल्म के माध्यम से आईना देख सकता है।

प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट बोला-12वीं तक स्कूल बंद करो

स्टेज 4 के प्रतिबंध लगाओ, हमसे पूछे बिना मत हटाना

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एनसीआर के सभी शहरों में ग्रैप-4 लागू होंगे। जस्टिस एएस ओका की अध्यक्षता वाली बेंच ने ग्रैप-4 के प्रावधान सख्ती से लागू करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि फिलहाल हमारी इजाजत के बिना ग्रैप-4 को हटाया नहीं जाएगा, भले ही एक्यूआई 450 से नीचे आ जाए। ग्रैप-4 आज सुबह से लागू किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में 12वीं तक सभी कक्षाओं को बंद करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया है कि वो भी हाइवे, पुल जैसे निर्माण रोकने पर विचार करे। कोर्ट ने स्थिर सैटेलाइट से पराली जलाने की घटनाओं की निगरानी करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दिल्ली सरकार से पूछा कि ग्रैप-4 पहले लागू क्यों नहीं किया गया। ग्रैप-4 लागू करने में देरी क्यों की गई। जब

सुप्रीम कोर्ट का राज्य सरकारों को निर्देश

1. दिल्ली, हरियाणा और यूपी राज्य सरकारें स्टेज 4 के प्रतिबंध तुरंत लगाएं और इनका सख्ती से पालन किया जाए।
2. ये राज्य एक टीम बनाई जाए जो स्टेज 4 के लागू होने पर नजर रखे।
3. अगर किसी प्रतिबंध का उल्लंघन किया जाता है, तो ऐसे केस सुलझाने के लिए मैकेनिज्म बनाया जाए।
4. 10वीं और 12वीं की क्लास अभी भी लग रही है, एनसीआर में शामिल राज्य सरकारें तुरंत स्कूल बंद करने पर फैसला लें।

एक्यूआई 13 नवंबर को 400 के पार कर गया था तो तीन दिनों के बाद ग्रैप-3 क्यों लागू किया गया। आपने प्रदूषण कम करने को लेकर क्या कार्रवाई की है। तब दिल्ली सरकार ने कहा कि हमने ग्रैप-4 लागू कर दिया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से पूछा कि आपने तीन दिन तक का इतंजार क्यों किया। जब एक्यूआई 300 से 400 तक पहुंच गया तब जाकर आपने ग्रैप-3 लागू किया। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वकील गोपाल शंकर नारायण ने कहा कि दिल्ली के स्कूलों में नौवीं तक के बच्चों को स्कूल आने से रोका गया है। उनकी ऑनलाइन पढ़ाई चल रही है। ग्रैप-4 में भी बहुत सारी बातें सरकार पर निर्भर करती हैं। जैसे स्कूलों को बंद किया जाए या नहीं। हालाकि यह गंभीर मसला है। इसे सरकार के विवेक पर नहीं छोड़ा जा सकता।

कोर्ट ने पूछा कि ट्रकों का दिल्ली में प्रवेश कौन रोकेगा और कैसे पता चलेगा कि जो ट्रक आ रहे हैं वे आवश्यक सामान ले जा रहे हैं या नहीं। तब कोर्ट को बताया गया कि इसकी जांच ट्रैफिक पुलिस करती है और उसके पास जरूरी वस्तुओं की लिस्ट होती है। कोर्ट ने पूछा कि निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसकी निगरानी कौन कर रहा है। क्या कोई साइट पर जाकर जांच कर रहा है। इस पर गोपाल शंकर नारायण ने कोर्ट को बताया कि अभी भी सुप्रीम कोर्ट के अंदर ही निर्माण कार्य चल रहा है। पत्थर तोड़े जा रहे हैं और हवा में ● शेष पेज 11 पर

राजोआना की दया याचिका राष्ट्रपति के समक्ष पेश करें : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के सचिव को सोमवार को निर्देश दिया कि वह 1995 में पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में मृत्युदंड की सजा पाए बलवंत सिंह राजोआना से संबंधित दया याचिका दो सप्ताह के भीतर फैसला करने के अनुरोध के साथ उनके (राष्ट्रपति) समक्ष पेश करें। न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने राजोआना की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। पीठ ने कहा, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि याचिकाकर्ता मृत्युदंड की सजा काट रहा है, हम भारत के राष्ट्रपति के सचिव को निर्देश देते हैं कि वे मामले को उनके (राष्ट्रपति) समक्ष पेश करें और दो सप्ताह के भीतर इस पर विचार करने का उनसे अनुरोध करें। पीठ के समक्ष याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि केंद्र सरकार ने अभी तक अपना जवाब दाखिल नहीं किया है। उन्होंने कहा कि अन्य मामलों पर निर्णय हो चुका है, लेकिन याचिकाकर्ता के मामले में सरकार ने कहा कि निर्णय लेने का यह सही समय नहीं है। उन्होंने आश्चर्य जताते हुए कहा, जब उसका जीवन समाप्त हो जाएगा, तो इस पर निर्णय कब होगा। इसके बाद पीठ ने केंद्र सरकार के अधिवक्ता के पेश न होने पर नाराजगी व्यक्त की। राजोआना की दया याचिका पर फैसला करने में 12 साल की अत्यधिक देरी पर सवाल उठाया गया था। पंजाब सरकार ने कहा कि केंद्र सरकार ने पहले दावा किया था कि अगर उसे रिहा किया गया तो यह राष्ट्रीय खतरा होगा। शीर्ष अदालत ने 4 नवंबर को राजोआना को अंतरिम राहत देने पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसने अपनी दया याचिका पर निर्णय लेने में अत्यधिक देरी के कारण अपनी सजा कम करने की गुहार लगाई थी। राजोआना की ओर से पेश श्री रोहतगी ने कहा था कि यह एक चौंकाने वाला मामला है क्योंकि याचिकाकर्ता 29 वर्षों से हिरासत में है और ● शेष पेज 11 पर

सरकार बनने पर घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे : योगी

एजेंसी

- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने चुनाव प्रचार के आखिरी दिन झारखंड में की तीन रैली
- झामुमो मंत्री व कांग्रेस सांसद के घर मिलते हैं विकास के लिए आए करोड़ों रुपये
- गरीब एक ट्रॉली बालू के लिए तरसता है और यह लोग अवैध माइनिंग कराते हैं: योगी
- बोले- अटल जी ने झारखंड के विकास का देखा था सपना, कांग्रेस, झामुमो व राजद ने उस पर फ़ेर दिया पानी
- झारखंड को खोखला बना रहे हैं माफिया, लूटने वालों से होगा पाई-पाई का हिसाब

साहिबगंज/जामताड़ा/देवघर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनाव प्रचार के आखिरी दिन झारखंड में रहे। कांग्रेस, झामुमो व राजद पर हमलावर मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के विकास का जो सपना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने देखा था, इन पार्टियों ने उस पर पानी फ़ेर दिया। प्राकृतिक रूप से धनी झारखंड भौतिक विकास में पिछड़ गया। झारखंड की जनता गरीब ही रह गई, लेकिन इन पार्टियों के नेता के घरों में नोटों के पहाड़ मिल रहे हैं। कांग्रेस सांसद व झामुमो मंत्री आलमगीर-उसके नौकरों के घर करोड़ों रुपये मिले, जिसने गिनते-गिनते मशीन गर्म हो गई। एक-दो नहीं, बल्कि 70 मशीनें मंगाई गई। यह पैसा कांग्रेस, झामुमो व राजद का नहीं, बल्कि पीएम मोदी द्वारा झारखंड के विकास के लिए भेजा गया था। इन्होंने जितना लूटा है. 23 नवंबर के बाद एक-एक पाई का हिसाब होगा। यह पैसा झारखंडवासियों के घर आएगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास दिलाया कि एनडीए सरकार बनने के बाद घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राजमहल, साहबगंज व आसपास के क्षेत्र को बांग्लादेशी घुसपैठियों व रोहिंग्या मुसलमानों का अवैध गढ़ बनाने का काम हो रहा है, लेकिन जिन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व की डबल इंजन सरकार है, वहां घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है। वहां दंगा, कर्फ्यू और गुंडागर्दी नहीं, बल्कि समृद्धि व सुशासन है। यूपी में डबल इंजन सरकार होने के कारण वहां कोई घुसपैठ, गोहत्या, बेटी की इज्जत से खिलवाड़ नहीं कर सकता, किसी ने ऐसा किया तो यमराज के घर का टिकट पक्का है। यह कार्य केवल भाजपा गठबंधन कर सकती, झामुमो व कांग्रेस नहीं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहले चरण का मतदान बता रहा है कि भाजपा नेतृत्व की एनडीए सरकार दो तिहाई से अधिक सीटों पर विजयी होकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने जा रही है। मुख्यमंत्री ने 'मोदी की गारंटी' गिनाते हुए कहा कि 23 नवंबर को झारखंड में भाजपा सरकार आने के बाद 21 लाख परिवारों को पीएम आवास देंगे। डेढ़ लाख सरकारी नौकरी का विज्ञापन भी जारी करेंगे। उन्होंने अपील की कि घुसपैठियों को सेंधमारी का अवसर नहीं देना है। भाजपा सरकार बनने के बाद इन घुसपैठियों को लात मारकर बाहर करेंगे। इनके रहनुमाओं से हिसाब होगा। मुख्यमंत्री ने चेताया कि जब-जब बटे थे तो कटे थे। अब बंटना नहीं है। जाति के नाम पर बांटने वाले नेता समाज व देश के दुश्मन हैं, इनसे सजग रहना है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दुश्मन 2014 के पहले घुसपैठ करते थे, लेकिन आज वे भारत में घुसने का दुस्साहस नहीं कर सकते। यह लोग अवैध माइनिंग कराते हैं, लेकिन गरीब एक ट्रॉली बालू के लिए तरसता है। खनन-बालू माफिया झारखंड ● शेष पेज 11 पर

मुख्यमंत्री योगी ने 13 दिन में की 37 रैली, दो रोड शो

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

चुनावी समर

- उत्तर प्रदेश के चुनावी समर में पांच दिन उतरे मुख्यमंत्री
- पांच नवंबर को झारखंड से ही किया था आगाज, आखिरी दिन भी झारखंड में प्रचार करने उतरे योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश उपचुनाव, झारखंड व महाराष्ट्र आमचुनाव-2024 के प्रचार में 13 दिन उतरे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान धुआंधार 37 जनसभा व दो रोड शो किया। वहीं मुख्यमंत्री योगी उत्तर प्रदेश के चुनावी समर में पांच दिन उतरे। फूलपुर, मझवा, खैर व कटेहरी में की दो-दो रैली हुई।

मुख्यमंत्री ने गाजियाबाद व सीसामऊ में एक-एक रैली व एक-एक रोड शो किया। कुंदरकी, करहल व मीरापुर में एक-एक रैली कर एनडीए प्रत्याशियों के लिए वोट मांगा। वहीं झारखंड में मुख्यमंत्री योगी ने चार दिन में 13 व महाराष्ट्र में 11 रैली की। मुख्यमंत्री ने पांच नवंबर को झारखंड से ही चुनाव प्रचार का आगाज किया था और 18 नवंबर को यहीं से चुनावी रैली का समापन भी किया।

उत्तर प्रदेश में 9 सीटों पर 20 नवंबर को उपचुनाव है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री ने पांच दिन में 15 चुनावी कार्यक्रम किए। इस दौरान मुख्यमंत्री की 13 रैली व दो रोड शो निकाला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 8 नवंबर को मीरापुर में रालोद प्रत्याशी मिथिलेश पाल, कुंदरकी से भाजपा उम्मीदवार रामवीर सिंह ठाकुर व गाजियाबाद में संजीव शर्मा के लिए रैली की। 9 नवंबर को मुख्यमंत्री खैर, सीसामऊ व करहल पहुंचे। खैर से सुरेंद्र दिलेर, सीसामऊ से सुरेश अवस्थी और करहल से अनुजेश यादव को भाजपा ने टिकट दिया है। 10 नवंबर को सीएम ने कटेहरी, मझवां व फूलपुर में चुनावी ● शेष पेज 11 पर

झांसी हादसा : एक और शिशु ने तोड़ा दम, मृतकों की संख्या हुई 12

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के नवजात गहन चिकित्सा केंद्र (एनआईसीयू) में हुए भीषण अग्निकांड में एक और शिशु की मौत के साथ कुल मृतक नवजातों की संख्या बढ़कर 12 हो गयी है। मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एन एस सेंगर ने सोमवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि मुस्कान नामक महिला के बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गयी है। इसकी डिलीवरी जालौन में हुई थी और वहां से झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था। इसकी मृत्यु बीमारी के चलते रविवार रात इलाज के दौरान हो ● शेष पेज 11 पर

प्राथमिकी में त्रुटि को जांच के दौरान ठीक नहीं किया जा सकता: हाईकोर्ट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड में स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाली त्रुटि, जैसे कि प्राथमिकी में दर्ज तिथि और समय का उल्लेख न होना, विवेचना के दौरान ठीक नहीं की जा सकती। जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मिर्ज़ापुर द्वारा दाखिल चार्जशीट का संज्ञान लेने के कार्य को, जबकि एफआईआर में तिथि, समय और गवाह जैसे महत्वपूर्ण विवरण नहीं थे, इसे 'बेहद चौंकाने वाला' बताया है। न्यायालय ने कहा कि सीजेएम ने एफआईआर में महत्वपूर्ण विवरण न होने के तथ्यों की अनदेखी करते हुए फिर से संज्ञान लिया। जबकि पुनर्विचार न्यायालय ने मामले को नए सिरे से तय करने के लिए मजिस्ट्रेट को भेज दिया था। मामले के अनुसार याचिकाकर्ता जगत सिंह द्वारा मजिस्ट्रेट के पिछले आदेश 1 अक्टूबर, 2018 को चुनौती देते हुए आपराधिक पुनर्विचार दायर करने के बाद कोर्ट ने मामले को सम्बंधित मजिस्ट्रेट को वापस भेज दिया था। ● शेष पेज 11 पर

शाह ने मणिपुर की सुरक्षा स्थिति पर की उच्चस्तरीय बैठक

50 केंद्रीय बल की टुकड़ियां की जाएंगी तैनात

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में हिंसा की बढ़ती घटनाओं के बीच सोमवार को यहां लगातार दूसरे दिन वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक में सुरक्षा व्यस्था की स्थिति की समीक्षा की और सुरक्षा बलों तथा राज्य एजेन्सियों से राज्य में शांति व्यवस्था कायम करने के कदम उठाने को कहा।

केंद्र में सुरक्षा तंत्र से जुड़े सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री ने रविवार के बाद सोमवार को भी यहां लंबी बैठक में वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ स्थिति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने केन्द्रीय पुलिस बलों तथा राज्य पुलिस से राज्य में शांति व्यवस्था कायम करने और शांति बहाली के कदम उठाने को कहा। इस बीच केन्द्र सरकार मणिपुर में कानून व्यवस्था

की स्थिति बनाये रखने के लिए केन्द्रीय पुलिस बलों की तैनाती भी बढा रही है और वहां केन्द्रीय पुलिस बलों की 50 अतिरिक्त कंपनियां भेजी जा रही हैं। इससे पहले भी केन्द्र ने वहां 20 कंपनियां तैनात की थी। मणिपुर में हिंसा की ताजा घटनाओं के कारण बढते तनाव के मद्देनजर श्री शाह ने रविवार को महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के कार्यक्रम को अधूरा छोड़कर नॉर्थ ब्लॉक में वरिष्ठ सुरक्षा ● शेष पेज 11 पर

महाराष्ट्र, झारखंड में प्रचार अभियान थमा, बुधवार को मतदान

एजेंसी

नयी दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की कुल 288 और झारखंड विधानसभा के लिए दूसरे चरण की 38 सीटों पर चुनाव के लिए सोमवार शाम पांच बजे सार्वजनिक प्रचार अभियान थम गया।

दोनों राज्यों में मतदान सुबह सात बजे शुरू होगा और अधिकांश सीटों पर शाम छह बजे तक वोट डाले जायेंगे। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कंग्रेस जैसे प्रमुख राष्ट्रीय दलों और राष्ट्रवादी कंग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों गुटों, शिव सेना और शिव सेना (उद्धव बाल ठाकरे) के अलावा समाजवादी पार्टी और ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मस्लमीन (एआईएमआईएम) के स्टार प्रचारकों और अन्य क्षेत्रीय नेताओं ने धुंआधार रैलियां निकाली एवं प्रचार किया। भाजपा की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार किया। भाजपा के साथ महायुति गठबंधन के प्रचार में शिव सेना के नेता एवं मुख्यमंत्री

एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और राकांपा के नेता एवं उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने दिन-रात एक किया। कांग्रेस के ओर से पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के अलावा प्रदेश पार्टी अध्यक्ष नाना पटोले और अन्य नेताओं ने बड़ी रैलियां की और एमवीए के दिग्गज प्रचारकों में पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मोर्चा संभाले रखा। कांग्रेस और भाजपा के नेताओं ने प्रचार के दौरान एक-दूसरे पर विभाजनकारी राजनीति करने और संविधान का तिरस्कार करने का आरोप लगाया तथा तल्खियां इतनी बढ़ गयी की दोनों पार्टियां एक दूसरे के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंच गयी। सार्वजनिक चुनाव प्रचार का दौर समाप्त होने के बाद उम्मीदवार और उनके समर्थक निजी संपर्क के माध्यम से समर्थन जुटाने में लग गये हैं। प्रचार के आखिरी दिन कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मुंबई में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और महायुति और महाविकास आघाड़ी दोनों ही गठबंधन के नेताओं की ● शेष पेज 11 पर

1000 करोड़ रुपये की नकदी, शराब, सामग्री जब्त: आयोग

नयी दिल्ली। चुनावों में मतदाताओं को प्रलोभन देने के हथकंडों पर रोक के लिए चुनाव आयोग की सख्ती के बीच प्रवर्तन एजेंसियों ने महाराष्ट्र और झारखंड दोनों विधान सभा चुनावों के साथ–साथ उपचुनावों के प्रचार अभियान के दौरान 1082 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी, शराब और अन्य सामग्री जब्त की हैं। आयोग ने सोमावार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि इस बार महाराष्ट्र और झारखंड में कुल जब्ती 2019 की तुलना में सात गुना अधिक हुई है। दोनों राज्यों में प्रचार अभियान आज शाम पांच बजे थम गया। इस समय 14 राज्यों में उपचुनाव भी चल रहे हैं। आयोग की विज्ञप्ति में कहा गया है, चुनाव आयोग के तहत प्रवर्तन एजेंसियों ने महाराष्ट्र, झारखंड विधानसभा चुनावों और उपचुनावों में 1082.2 करोड़ रुपये की नकदी, शराब, ड्रग्स, मुफ्त उपहार और अन्य प्रलोभन की वस्तुओं को जब्त किया है। महाराष्ट्र और झारखंड राज्यों में कुल मिलाकर 858 करोड़ रुपये की जब्ती की गयी है जो इन राज्यों में 2019 के विधानसभा चुनावों के दौरान की गई जब्ती से सात गुना अधिक है। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनावों में, महाराष्ट्र में 103.61 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की गयी थी, जबकि झारखंड में जब्त राशि 18.76 करोड़ रुपये थी। जो इस बार जब्त नकदी क्रमश: 153.48 करोड़ रुपये और 14.84 करोड़ रुपये बतायी गयी है। आयोग की विज्ञप्ति के अनुसार महाराष्ट्र में इस बार 71.13 करोड़ रुपये की शराब, 72.14 करोड़ रुपये की नशीली दवाएं,282.49 की महंगी धातुएं तथा 80.94 करोड़ रुपये के प्रलोभन के सामान जब्त किए गए। झारखंड में इस बार 7.84 करोड़ रुपये की शराब, 14.84 करोड़ रुपये की मादक पदार्थ, 8.38 की महंगी धातुएं तथा 152.22 करोड़ रुपये के प्रलोभन के सामान जब्त किए गए। इस दौरान 14 राज्यों में उपचुनाव के प्रचार अभियान 13.65 करोड़ रुपये की नकदी 40.86 करोड़ रुपये की शराब 36.59 करोड़ रुपये की नशीली दवाएं 11.21 की महंगी धातुएं 121.60 करोड़ रुपये के प्रलोभन के सामान सहित कुल 223.91 करोड़ रुपये की नकदी, शराब और सामान जब्त किए गए। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू ने प्रवर्तन एजेंसियों, केंद्रीय ● शेष पेज 11 पर

विद्या वह है, जो हमें बंधनों से मुक्त करे : आनंदीबेन पटेल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को 149 पदक दिये गये। इसमें 61 स्वर्ण पदक दिये गये। इसमें छात्राओं ने जहां कुल 95 पदक प्राप्त किये वहीं छात्रों की संख्या 54 रही। स्वर्ण पदक भी छात्राओं को 39 मिले, जबकि छात्रों को 22 मिले। दीक्षा कार्यक्रम के पश्चात माननीया राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सभी की डिग्रियां को डिजी लॉकर पर अपलोड करने का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने लड़कियों द्वारा सर्वाधिक मेडल प्राप्त करने पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विद्या वह है जो हमें बंधनों से मुक्त करे। उन्होंने कहा कि परिश्रम करना हमारा कर्तव्य एवं अवॉर्ड से अधिक महत्वपूर्ण ज्ञान होता है, जो सदैव उपयोगी होता है। इसी वजह से आप पढ़ते रहिए। साथ ही लाइब्रेरी में उपलब्ध पुस्तकों का भी लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने इतिहास पर प्रकाश डालते हुए इस कहा कि विदेश से लोग आए और हमारी तकनीक को अध्ययन कर कई अविष्कार कर अपने नाम कर लिया ।

उन्होंने विश्वविद्यालय से कहा कि अलग अलग भाषाओं में लिखी गई पुस्तकों का अनुवाद होना चाहिए, जिससे हमारे युवा वर्ग को हमारे समृद्ध ज्ञान एवं कौशल से अवगत कराया जा सके।

साथ ही पाठ्यक्रमों में भी इस बारे में उल्लेख होना चाहिए कि विद्वानों ने किस तरह ये सब लिखा है। उन्होंने अपने वक्तव्य में ये भी कहा कि उपाधि प्राप्तकर्ताओं के साथ साथ ये प्रदेश एवं देश की भी उपलब्धि हैं, क्योंकि किसी भी देश के विकास कि परिभाषा वहाँ के नागरिकों के शिक्षा के स्तर से आंकी जाती है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि दीक्षांत समारोह का अवसर आपके लिए अपनी उपलब्धियों पर गौरवान्वित होने के साथ साथ आप द्वारा भविष्य के लिए निर्धारित किए गए लक्ष्यों पर अग्रसर होने का भी अवसर है। वहीं उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थियों को अपने ज्ञान का अर्जन समाज के हित में लगाना चाहिए। मुख्य अतिथि सीपेट के महानिदेशक शिशिर सिन्हा (एघ्क्ठ) को डी. लिट की मानद उपाधि एवं मान पत्र राज्यपाल एवं कुलाधिपति द्वारा प्रदान किया गया। शिशिर सिन्हा ने कहा कि विश्वविद्यालय के नवम् दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग करना उनके लिए अत्यंत गौरव का विषय है। उन्होंने अपने अभिभाषण में विश्वविद्यालय, शिक्षकों एवं अभिभावक गणों की सराहना करते हुए उन्हें विद्यार्थियों के साथ साथ शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने सभी उपाधि प्राप्तकर्ताओं से अपेक्षा की कि वे विज्ञान और नैतिक मूल्यों को मिश्रित कर अपने जीवन में आत्म सात करेंगें। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में सबसे अधिक युवा जनसंख्या है जिसके कारण हमारा देश एक तेज़ी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था की श्रेणी में शुमार हो चुका है। उन्होंने विज्ञान और तकनीक पर ज़ोर देते हुए भविष्य के भारत की कल्पना करने का आह्वान किया। उन्होंने सभी को लर्निंग के साथ साथ अनलर्न के स्किल्स को सीखने की सलाह दी। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार एवं रजनी तिवारी, राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई । समारोह में स्वागत भाषण देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा कि राज्यपाल के मार्गदर्शन से विद्यार्थी चरित्र निर्माण कर रहें हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है। भाषा विश्वविद्यालय के विद्यार्थी समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विश्वविद्यालय का नाम रौशन कर रहें हैं। वहीं उनके द्वारा विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या भी प्रस्तुत की गई ।

नगर आयुक्त ने किया सुबह 7 बजे मुख्य मार्गों का निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । नगर आयुक्त डॉ इंद्रजीत सिंह सुबह 7 बजे शहर के विभिन्न मुख्य मार्गों का निरीक्षण निकल पड़े। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिये सफाई व्यवस्था की समीक्षा भी की।

इस दौरान अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, अरुण कुमार गुप्त एवं पंकज श्रीवास्तव और मुख्य एवं कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह के साथ-साथ जोनो के जोनल अधिकारी उपस्थित रहे।

इस दौरान नगर आयुक्त द्वारा अवैध होर्डिंग और प्रचार सामग्री हटाने के साथ ही मुख्य मार्गों पर बने डिवाइडरों पर व्याप्त गंदगी को हटाने और उनकी सफाई करने के निर्देश दिए गए।

सभी सफाई कर्मचारी अपनी यूनिफॉर्म पहनकर ही सफाई करेंगें। संचारी रोग रोकथाम के लिए जानकीपुरम में सफाई अभियान चलाने व फॉगिंग और एंटी लार्वा अभियान चलाने और पोलो और खंबो के पास पेड़ों की छटाई किए जाने व हॉर्टिकल्चर वेस्ट उठान तत्काल कराए जाने के निर्देश दिए गए।

नगर निगम की सीमा के अंदर ओवरब्रिजों पर चिपकाए गए अवैध पोस्टर और ऑडियो के खिलाफ कार्रवाई किए जाने व शौचालयों की सफाई किये जाने व विभिन्न मार्गों पर अवैध रूप से लटक रहे तारों को सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा सफाई कर्मचारियों का समस्त विवरण ई वेतन पोर्टल पर सत प्रतिशत अपलोड करने व सफाई श्रमिकों के साथ-साथ सुपरवाइजर व सफाई एवं खाद निरीक्षकों की 100 प्रतिशत उपस्थिति लोकेशन सहित वार रूम में लिए जाने के निर्देश दिए गए। जोनल अधिकारी व जोनल सेनेटरी अधिकारी व अन्य अफसर रैंडमली आईजीआरएस संबंधित प्रकरणों पर शिकायतकर्ता से निस्तारण के संबंध में कॉल कर कर बात करेंगे। विभिन्न मार्गों के साथ-साथ अन्य सभी मार्गों पर अधिशासी अभियंता सी एण्ड डी वेस्ट का उठान करायेंग, नाले व नालियों से निकले सिल्ट का उठान भी तय समय सीमा में किए जाने के निर्देश दिए हैं।

अराजकतत्वों ने मंदिर में खण्डित की प्रभु श्री राम की मूर्ति

कानपुर देहात। जनपद के रसूलाबाद थाना क्षेत्र में अराजक तत्वों ने मन्दिर में लगी मूर्तियां खंडित कर दी हैं। राम मंदिर में बनी मूर्तियां खंडित होने से लोगों में आक्रोश का माहौल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के मक्का नवादा मुर्रा गांव में सोमवार सुबह जब पुजारी वीरपाल सिंह मन्दिर में पूजा करने गए तो उंन्होने देखा कि मंदिर में स्थापित प्रभु श्री राम, लक्ष्मण और माता सीता की मूर्ति किसी अराजक तत्व ने खंडित कर दी है। पुजारी ने यह सूचना मोहल्ले को दी। सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों में नाराज़गी का माहौल देखने को मिला। तनाव की स्थिति देख मौके पर पुलिस के अफ़सर पहुंच गए। इस पर ग्रामीणों ने पुलिस की रात्रि गश्त पर सवाल उठाये और इस घटना को अंजाम देने वाले को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने लोगों को आश्वासन देकर माहौल शांत करवाया।

उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता कृषि विभाग पारदर्शी तरीके से कराये वितरण: डीएम प्रयागराज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। जनपद में सहकारी क्षेत्र में कुल डी0ए0पी0 एवं एन0पी0के0 2547 मै0टन तथा निजी क्षेत्र में कुल डी0ए0पी0 एवं एन0पी0के0 9053 मै0टन उर्वरक उपलब्ध है। जनपद के 141 साधन सहकारी समितियों तथा 487 निजी बिक्री केन्द्रों पर फास्फ़ेटिक उर्वरक उपलब्ध है। वर्तमान में जनपद में रबी फसलों की बुवाई का कार्य तीब्रगति से किया जा रहा है, ऐसे में स्थानीय स्तर पर उचित मूल्य पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी, प्रयागराज द्वारा कृषि विभाग को स्पष्ट निर्देश दिये गये हैं।

साथ ही शासन के निर्देश पर जिलाधिकारी, प्रयागराज की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा 30 प्रतिशत डी0ए0पी0 खाद प्राइवेट सेक्टर से साधन सहकारी समितियों पर भेजी जा रही है।, ताकि स्थानीय स्तर पर कृषकों को डी0ए0पी0 की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करायी जा सके। जिला कृषि अधिकारी, के0 के0 सिंह द्वारा बताया गया कि जनपद में सहकारी एवं निजी क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है।

पी0सी0एफ0 से प्रतिदिन सहकारी समितियों पर प्रेषण का कार्य कराया जा रहा है। कृषकों में उर्वरक की मॉग अत्यधिक बढ़ने से जिन-जिन समितियों में उर्वरक खत्म हो रही है, उन समितियों पर स्थानीय मॉग के आधार पर सतत प्रेषण का कार्य कराया जा रहा है।

जनपद के कृषक जोत के आधार पर संस्तुत मात्रा में उर्वरकों का क्रय करें तथा विक्रेता से पी0ओ0एस0 मशीन की पर्ची अनिवार्य रूप से प्राप्त करें। जिला कृषि अधिकारी के.के. सिंह द्वारा बताया कि जिलाधिकारी महोदय के दिशा-निर्देश में जनपद के समस्त उर्वरक बिक्री केन्द्रों पर सतत निगरानी करायी जा रही है। तथा कृषकों को गुणवत्तायुक्त एवं उचित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराये जाने के लिए स्थानीय मॉग के अनुसार सतत उर्वरकों का प्रेषण भी करद्यया जा रहा है।

ज्ञातव्य है कि जनपद में रबी फसलों के बुवाई का कार्य किया जा रहा है।

जिसमें प्रमुख रूप से गेहूँ की फसल 261945 हे0, जौ 6160, चना 18333, मटर 5845, मसूर 15487 तोरिया 2418 राई/सरसों 7889, अलसी 2207 हे0 तथा रबी मक्का 09 हे0 इस प्रकार कुल 320293 हे0 का विभिन्न फसलों के आच्छादन लक्ष्य के साथ आलू, 25000 हे0 सब्जी मटर एवं अन्य सब्जियों की बुवाई की जाती है।

जानकीपुरम के सेक्टर–जे में अवैध निर्माण सील

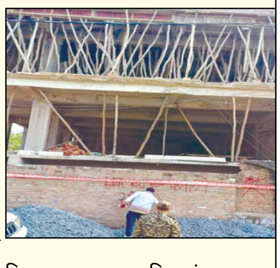

लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। सोमवार को प्रवर्तन जोन 5 की टीम ने जानकीपुरम क्षेत्र में एक अवैध व्यावसायिक निर्माण को सील कर दिया। प्रवर्तन जोन 5 के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह ने बताया कि माला सिंह व अन्य द्वारा जानकीपुरम के सेक्टर–जे में भूखण्ड संख्या 3/245 पर लगभग 2152 वर्गफिट क्षेत्रफल में अवैध रूप से निर्माण कार्य कराया जा रहा था। जिसके खिलाफ विहित न्यायालय द्वारा सीलिंग के आदेश जारी किये गये थे। जिसके चलते सोमवार को अवर अभियंता इम्तियाज अहमद व शिव कुंवर द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से अवैध निर्माण को सील कर दिया गया।

श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का हुआ समापन:मनमोहक झांकियां देख भाव विभोर हुए श्रोता

करछना प्रयागराज कैनविज टाइम्स संवाददाता। क्षेत्र के महेवा,पूरा कुंजल बैस गांव में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का सोमवार को हवन,पूजन आरती के उपरांत समापन हुआ। इसके पूर्व व्यासपीठ पर विराजमान कथा वाचक आचार्य शैलेंद्र जी महाराज ने बालकृष्ण की बाल लीलाओं की मार्मिक कथा सुनाकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसी बाल लीला भगवान के अवतार कथाओं में सबसे अनूठी और अद्भुत है।ऐसी कथा के श्रवण दर्शन से परिवार में सुख समृद्धि शांति के साथ साथ उल्लास का वातावरण बना रहता है। कथा व्यास ने भागवत कथा को कलयुग में सबसे कल्याणकारी और मोक्षदायिनी बताते हुए कथा श्रवण का महात्म्य बताया। संगीतमयी भागवत कथा की मुख्य श्रोता शिवदेवी शुक्ला ने भागवत और कथा व्यास का माल्यार्पण और आरती किया।आयोजक सतीश शुक्ला ने अनवरत सात दिनों तक कथा श्रवण को पधारे ग्रामीणों, क्षेत्रवासी जनों के प्रति स्वागत आभार प्रकट किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग महिलाएं और बच्चे मौजूद रहे।

करछना एसडीएम के आदेश का पालन नहीं करता लेखपाल : शिवम शर्मा

करछना प्रयागराज कैनविज टाइम्स संवाददाता। विकास खंड करछना की अनगिनत सरकारी परियोजनाएं भूमि पर अतिक्रमण से धरातल पर नहीं उतर पा रही हैं जिससे सरकारी परियोजनाएं भूमि पर कब्जा रहित से महीनों से लंबित है, सबसे अहम कड़ी कब्जा मुक्त करने में राजस्व विभाग की जिम्मेदारी होती है लेकिन राजस्व विभाग के कर्मियों को अपने उच्च अधिकारियों के निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं जिससे कयी महीनों से ग्राम पंचायतों में सरकारी भूमि पर कब्जा होने की दसा से अनेकों प्रकार की योजनाएं लंबित है ऐसा एक मामला विकास खंड करछना के ग्राम पंचायत महोरी रीवा का सामने आया कि गांव के प्रधान राजकुमार पटेल ने ग्राम पंचायत में चक मार्ग के सीमांकन कराने को लेकर एसडीएम करछना तपन कुमार मिश्रा से शिकायत लगातार लिखित दिया था कि गांव में चक मार्ग का सीमांकन कराने जिससे मनरेगा योजना अंतर्गत चक मार्ग का जीर्णोद्धार कराया जा सके तथा ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा उपलब्ध कराई जा सके, तीन महीने में तीन बार एसडीएम ने हल्का लेखपाल शिवम शर्मा को निर्देश दिए लेकिन तीन महीने बाद भी लेखपाल ने एसडीएम के निर्देश का पालन नहीं कर सका ऐसी कयी योजनाएं लंबित है जिसमें राजस्व विभाग की लापरवाही से सरकारी योजनाओं को धरातल पर उतारा नही जा सका है, प्रधान राजकुमार पटेल ने उच्च अधिकारियों से हल्का लेखपाल को तत्काल हटाने को लेकर शिकायत करते हुए माग की है,

झांसी हादसे में याकूब मंसूरी की बहादुरी, एकता और सौहार्द का प्रतीक : अनीस

❑ खिड़की तोड़कर कई बच्चों को निकाला बाहर लेकिन नहीं बचा सके अपनी जुड़वा बेटियों की जान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। झांसी के हालिया हादसे ने कई परिवारों को शोक में डुबो दिया, लेकिन पसमांदा मुस्लिम समाज के एक युवा याकूब मंसूरी जैसे व्यक्तियों की वीरता और मानवता ने समाज को एकजुटता का संदेश दिया। याकूब ने अपनी जान पर खेलकर बच्चों को बचाने का असाधारण कार्य किया। उन्होंने खिड़की तोड़कर कई बच्चों को बाहर निकाला, पर दुर्भाग्य से अपनी दो जुड़वां बेटियों को नहीं बचा सके, जो इस घटना का सबसे हृदयविदारक पक्ष है। पसमांदा मुस्लिम समाज की ओर से कार्यालय सचिव इलियास मंसूरी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल आज झांसी जाएगा। इस घटना पर पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अनीस मंसूरी ने गहरा शोक व्यक्त किया और याकूब मंसूरी की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि यह घटना हमारे समाज में मानवता और एकता का ज्वलंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि याकूब ने अपने कार्यों से यह साबित किया कि धर्म और जाति से ऊपर मानव जीवन की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। अनीस मंसूरी ने हादसे में मारे गए और घायल हुए लोगों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए राज्य और केंद्र सरकार से पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा और सहायता प्रदान करने की मांग की। साथ ही, उन्होंने यह अपील की कि ऐसी घटनाओं से हम सबक लें और आपदा प्रबंधन के लिए समाज और सरकार दोनों को अधिक सतर्क होना चाहिए। अनीस मंसूरी ने इस मौके पर विशेष रूप से समाज में सौहार्द बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पसमांदा मुस्लिम समाज के याकूब मंसूरी की बहादुरी ने यह दिखाया कि इंसानियत सबसे बड़ी शक्ति है। हमें अपने समाज में भाईचारे और आपसी समझ को मजबूत करना होगा, ताकि हम सभी संकटों का मिलकर सामना कर सकें। यह घटना उन मूल्यों को पुनर्जीवित करने का अवसर है जो हमारे समाज को मजबूत बनाते हैं। अनीस मंसूरी ने कहा कि सभी धर्मों और समुदायों को मिलकर पीड़ित परिवारों की मदद करनी चाहिए और समाज में शांति और सहयोग का संदेश फैलाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह हादसा सरकार और प्रशासन की लापरवाही से हुआ है इसलिए हादसे के मृतक व घायल बच्चों के परिवारों के लिए तत्काल मुआवजा और पुनर्वास की व्यवस्था की जाय।

जस्टिस गिरधर मालवीय के निधन से शोक की लहर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। महामना मदन मोहन मालवीय के पौत्र और इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जस्टिस गिरधर मालवीय (86) लम्बे समय से बीमार चल रहे थे। उन्होंने सोमवार की सुबह प्रयागराज के जॉर्जटाउन स्थित एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली।

ढजस्टिर गिरधर मालवीय का आवास भी जॉर्जटाउन में ही है। जस्टिस मालवीय अंतिम बार पिछले वर्ष बीएचयू में हुए दीक्षांत समारोह में शामिल हुए थे।

इसके बाद वह स्वास्थ्य कारणों से किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। उनके पुत्र पश्चिम बंगाल के पूर्व डीजीपी व पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस के सलाहकार मनोज मालवीय अपने पिता के निधन के वक्त मौजूद रहे।

जस्टिस मालवीय के निधन की खबर सुनकर उनके आवास पर करीबियों की भीड़ लग गई। जस्टिस गिरधर मालवीय के करीबियों में शामिल बीएचयू के पूर्व कुलपति प्रो. जीसी त्रिपाठी का कहना है कि जस्टिस मालवीय हमेशा मदन मोहन मालवीय के विचारों और सिद्धांतों पर चलने वाले व्यक्ति रहे।

उनका जाना हम सभी के लिए अपूर्णीय क्षति है। उन्होंने बताया कि जस्टिस मालवीय का अंतिम संस्कार 19 नवम्बर को रसूलाबाद घाट पर होगा।

बीएचयू, वाराणसी के कुलपति रहे गिरधर मालवीय लोकसभा चुनाव 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावक भी थे। वह 14 मार्च 1988 में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति बने।

नवम्बर 2018 में वह बीएचयू, वाराणसी के चांसलर बने और गंगा महासभा के अध्यक्ष भी रहे।

प्रयागराज स्थित सेवा समिति इंटर कॉलेज प्रबंध समिति के अध्यक्ष पद का दायित्व भी उनके पास था।

सिफरोस फसलों को कीटों से बचाने के लिए नया कीट पालन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुशील कुमार और उनकी शोध छात्रा ताहिरा अंसारी ने क्रूसिफरोस फसलों जैसे गोभी और पत्ता गोभी को नुकसान पहुंचाने वाले डायमंड बैक मोथ (घ्द्मफ्द्धद्ययथ ब्भ्द्यधपद्धद्ययथ) जैसे कीटों के प्रभावी प्रबंधन के लिए एक अभिनव, टिकाऊ और लागत–प्रभावी कीट संवर्धन चैंबर ''कीट पालन–अंडे देने का कक्ष'' विकसित किया है। यह पेटेंट भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय में पंजीकृत और प्रकाशित किया गया है। यह नया उपकरण कीटों को उभरने, संभोग करने और अंडे देने के लिए अनुकूल प्रजनन और पालन–पोषण का वातावरण प्रदान करता है। इसकी संरचना में लकड़ी का आधार, पतली लकड़ी की छड़ें, हल्का प्लास्टिक जाल और मलमल का कपड़ा उपयोग किया गया है। यह चैम्बर उपयोग में सरल, टिकाऊ और पर्यावरण–अनुकूल है, जो अनुसंधान और औद्योगिक उद्देश्यों के लिए आदर्श है।

गन्ना मूल्य वृद्धि की मांग को लेकर किसानों का कलेक्ट्रेट पर धरना

बिजनौर। भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट ने आज कलेक्ट्रेट में डीएम कार्यालय के सामने गन्ना मूल्य वृद्धि की मांग को लेकर धरना दिया। ट्रेक्टर ट्राली पर गन्ना बांधकर कलेक्ट्रेट पहुंचे किसानों ने जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन करते हुए मिटिंग की तथा गन्ना मिलों के चलने के बाद भी गन्ना मूल्य में बढ़ोतरी नहीं किये जाने पर सरकार के प्रति नाराजगी जाहिर की। इस मौके पर किसान नेताओं ने गन्ना मूल्य 450 रुपये कुंतल करने की मांग की। जिलाध्यक्ष नितिन सिरोही की अध्यक्षता व नरेंद्र प्रधान के संचालन में हुई मिटिंग को प्रदेश उपाध्यक्ष बलराम सिंह, अतुल कुमार, गजेन्द्र सिंह, समरपाल सिंह, कुलवीर सिंह विजयपाल सिंह, उदयवीर सिंह, नागेन्द्र, नदीम, शुभम आदि किसानों ने भी विचार व्यक्त किये। किसान नेताओं ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी अंकित अग्रवाल को दिया ।

साइबर ठगों से वापस कराए गए पीड़ित के खाते में एक लाख से अधिक रुपये

कानपुर। घरेलू समान की खरीदारी के नाम पर डेबिट कार्ड से ठगी करने वाले से साइबर क्राइम थाने की पुलिस टीम पीड़ित के खाते में 1 लाख 27 हजार 468 रुपये वापस कराने में कामयाबी पायी। यह जानकारी सोमवार को पुलिस उपायुक्त अपराध आशीष श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने बताया कि कानपुर नगर के फीलखाना थाना क्षेत्र के चावल मंडी चौक निवासी प्रदीप कुमार मेहरोत्रा के नम्बर पर एक अनजान नम्बर से फोन आया। उसने बताया कि मैं जियो मार्ट से बात कर रहा हूँ, उसके बाद बगैर जानकारी के उनके खाते से 147000 रुपये कट गए। जब उसे आशंका हुई कि उसके साथ धोखाधड़ी हो गई। इस पर उसने तत्काल क्राइम ब्रांच थाने में आकर तहरीर दी। साइबर थाने की पुलिस टीम उनकी तहरीर लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। इस संबंध में संबंधित बैंक से पत्राचार कर पीड़ित के खाते में 1 लाख 27 हजार 468 रुपये वापस कराया। पीड़ित ने खाते में पैसा वापस मिलते ही साइबर सेल को धन्यवाद दिया। उन्होंने कानपुर वासियों से अपील किया है कि किसी भी अनजान नम्बर से फोन करने वाले व्यक्ति को अपने खाते का कोड एवं ओटीपी न बताएं। नहीं तो आप साइबर ठगी के शिकार हो जाएंगे।

38 करोड़ से संवारेगा शहर की सड़के, पार्क व हेरिटेज जोन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण लगभग 38 करोड़ रूपये की लागत से शहर की सड़कों, पार्कों व हेरिटेज जोन को संवारेगा। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने सोमवार को क्षेत्रीय अवस्थापना निधि की बैठक में विकास एवं सौंदर्गीकरण के 47 कार्यों को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा गोमती नगर विस्तार स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क व रिवर फ्रंट में एडवेंचर जोन विकसित किया जाएगा। बैठक के दौरान निजी कंपनियों द्वारा एडवेंचर जोन में विकसित की जाने वाली मनोरंजक गतिविधियों का समिति के समक्ष प्रेजेन्टेशन दिया गया। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि क्षेत्रीय अवस्थापना निधि से कराये जाने वाले विकास एवं सौंदर्गीकरण के 47 कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गयी है। इसमें मुख्य रूप से 5 करोड़ रूपये की लागत से शहर के नजूल पार्कों में प्रकाश व्यवस्था व नलकूपों के सुदृढीकरण का कार्य कराया जाएगा। इसके अलावा 3.50 करोड़ रूपये की लागत से हेरिटेज कॉरिडोर में रेजीडेंसी के वाह्य क्षेत्र में प्लेसमेकिंग का कार्य व 3 करोड़ रूपये से शहर में विभिन्न स्थानों पर कलात्मक वॉल पेन्टिंग के कार्य कराये जाएंगे। इस क्रम में हेरिटेज कॉरिडोर में कैसरबाग से लेकर छोटा इमामबाड़ा तक हेरिटेज साइनेज बोर्ड लगाये जाएंगे, जिसमें लगभग 1.50 करोड़ रूपये खर्च किये जाएंगे। इसी तरह 1.50 करोड रूपये की लागत से कैसरबाग चौराहे की रोटरी के सौंदर्गीकरण का कार्य कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त गोमती रिवर फ्रंट पर लोहिया सेतु से गांधी सेतु के मध्य निष्क्रीय पड़े म्यूजिक सिस्टम को पुनः सही कराकर संचालित कराया जाएगा। जिसके लिए 2.50 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गये हैं। (अर्जुनगंज में लगेगी अर्जुन जी की ब्रांज प्रतिमा) एलडीए सचिव विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि गोमती नगर विस्तार के सेक्टर-7 में पुलिस मुख्यालय से ओरेन्जी सोसाइटी तक नव निर्मित रोड पर मार्ग प्रकाश व्यवस्था का कार्य 1.65 करोड़ रूपये की लागत से कराया जाएगा। वहीं लगभग 42 लाख रूपये की लागत से अर्जुनगंज चौराहा स्थित तिकोना पार्क में अर्जुन जी की ब्रांज प्रतिमा स्थापित की जाएगी। (किला मोहम्मदी में सामुदायिक केन्द्र का निर्माण) कानपुर रोड योजना के ग्राम-किला मोहम्मदी में 1.25 करोड़ रूपये की लागत से सामुदायिक केन्द्र का निर्माण कराया जाएगा। आलमबाग में प्राधिकरण की सिण्डर्स डम्प योजना में स्थित दुकानों के सामने 1.20 करोड़ रूपये से सड़क व नाली का निर्माण करवाया जाएगा। इसके अलावा 1.66 करोड़ रूपये से सीतापुर रोड योजना के सेक्टर-ई में सड़कों के सुदृढ़ीकरण एवं नाली का निर्माण कराया जाएगा। इसी तरह लगभग 2.35 करोड़ रूपये से जानकीपुरम विस्तार में मुलायम तिराहे से अटल तिराहे तक क्षतिग्रस्त सड़कों का सुदृढीकरण व ऐशबाग योजना में व्यापार मण्डल कार्यालय के पास सड़क का निर्माण कराया जाएगा। (हर वर्ग को आकर्षित करेगा एडवेंचर जोन) जनेश्वर मिश्र पार्क व गोमती रिवर फ्रंट में ऐसा एडवेंचर जोन विकसित किया जाएगा जो बच्चों के साथ-साथ हर वर्ग को आकर्षित करेगा। सोमवार को पारिजात सभागार में हुयी बैठक में स्पोर्टस व इंटरटेनमेंट क्षेत्र की दक्ष संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने प्रोजेक्ट का प्रेजेन्टेशन दिया। मुख्य अभियंता अवनीन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि एडवेंचर जोन में बैटरी संचालित गो-कार्ट, बुल राइड, वॉटर स्लाइड, ट्रैम्पोलीन पार्क, मेज, टॉय ट्रेन, किड्स एरिया व कंटेनर कैफ़े आदि विकसित किये जाएंगे। इसके लिए सम्बंधित को विस्तृत डीपीआर प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये हैं।

आग पर काबू पाने के लिए अपनाई जाने वाली व्यवस्था सभी अस्पतालों में सही ढंग से कार्य करे : ब्रजेश पाठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। झांसी मेडिकल कॉलेज में हुई घटना की पुनरावृत्ति न हो, सभी अस्पतालों में अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था रहे। समय-समय पर मॉकड्रिल कराई जाएं, उपकरणों की नियमित जांच हो। हर दिन चिकित्साधिकारी अपनी विशेषज्ञ टीम के साथ अस्पताल परिसर का राउंड लें, कोताही बरतने वालों को बख्शा नहीं जाएगा यह कहना है उप मुख्यमत्री बृजेश पाठक का सोमवार को स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों के बैठक में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि झांसी की ह्रदय विदारक घटना की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। सरकार पूरी तरह से पीड़ित परिजनों के साथ है। उन्हें हर संभव मदद उपलब्ध कराई जा रही है। डिप्टी सीएम ने बैठक में कहा कि समय-समय पर अस्पताल परिसरों में फायर सेफ्टी ऑडिट कराए जाएं। इलैक्ट्रिक वायरिंग की नियमित जांच हो। हाइड्रेंट के पाइप भी देखे जाएं। उन्होंने कहा कि आग लगने की स्थित में जब इलैक्टिकल सप्लाई बंद कर दी जाती है तो अंधेरा हो जाता है। इससे निपटने के लिए इमरजेंसी बैटरी वाली लाइटें स्थापित की जाएं।डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि आईटी, आईसीयू, एनआईसीयू में अग्निशमन विभाग द्वारा प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मचारियों की आठ-आठ घंटे की शिफ्ट में तैनाती की जाए। इन वार्डों के प्रवेश एवं निकास की उचित व्यवस्था रहे। धुआं निकालने के लिए एक्जॉस्ट फैन रहें। अस्पताल परिसर में स्क्रैप बिलकुल न हो। कबाड़ का तुरंत निस्तारण किया जाए। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने निर्देश दिए कि जिला स्तरीय अस्पतालों, मेडिकल कॉलेज के अलावा सीएचसी-पीएचसी पर भी अग्निशमन के पर्याप्त साधन रहें। उन्होंने बताया कि सभी अस्पतालों को चेक लिस्ट भेज दी गई है। फायर अलार्म चेक किए जाएं। वार्डों के बाहर आग लगने की स्थिति में क्या करना चाहिए, इसकी जानकारी सूचना पट पर दर्ज की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त उपकरण ही वार्डों में स्थापित हों।डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्राइवेट अस्पतालों से संपर्क कर वहां भी फायर सेफ्टी ऑडिट एवं मॉक ड्रिल कराई जाएं। आमजन को उच्चस्तरीय एवं निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी दिशा में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बीकेटी में थाना प्रभारी की अध्यक्षता में सुरक्षा की दृष्टिगत जागरूकता बैठक आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बीकेटी। सोमवार को बख्शी का तालाब थाना परिसर में थाना प्रभारी बीकेटी संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में जागरूकता बैठक आयोजित हुई,इस जागरूकता बैठक में थाना क्षेत्र के सभी होटल/ढाबा,रिजॉर्ट,लॉन मलिक शामिल हुए।इस मौके पर मौजूद सभी लोगों से थाना प्रभारी ने अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपराध पर लगाम लगाने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर अपने-अपने प्रतिष्ठानों के सामने बाहर-अंदर सुरक्षा की दृष्टिगत पर्याप्त स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगे,जिससे चोरी सहित अन्य घटनाओं पर लगाम लग सके और सभी लोगों को सुरक्षा का माहौल मिल सके एवं आवश्यकतानुसार सी.सी.टी.वी.कैमरो को इस प्रकार लगाया जाए जो प्रतिष्ठान के अन्दर एवं बाहर के सभी क्षेत्रों का कवर कर सकें यथासंभव सभी कैमरे अच्छी क्वालिटी एवं नाईट विजन के हो,फ़ेस डिटेक्शन वाले हो एवं डेटा कम से कम 03 महीने तक हार्ड डिस्क (डी.वी.आर.) में सेव रह सकें,लगाए गये सीसीटीवी कैमरों की स्थिति इस प्रकार हो कि एक कैमरा दूसरे कैमरों की रिकार्डिंग को कवर कर सकें।समय-समय पर उक्त कैमरों को प्रतिष्ठान मालिकों द्वारा चेक किया जाए एवं खराबी आने पर तत्काल दुरूस्त कराया जाए। वही इस मौक़े पर महिला उप निरीक्षक नेहा सिंह चौहान तथा थाना क्षेत्र के मैरिज लॉन/रिजॉर्ट एवं होटल/ढाबा मालिक मौजूद रहे।

कपड़े की दुकान में लगी आग लाखों का समान हुआ जलकर खाक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

दुकान के अंदर खड़ी एक बाइक और एक स्कूटी हुई जलकर राख

काकोरी लखनऊ। काकोरी थाना क्षेत्र मे आज सुबह करीब सात बजे कपड़े की दुकान में भीषण आग लग गई। चंद मिनट में ही आग ने विकराल रूप ले लिया। करीब दो घंटे की मेहनत मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया।

कस्बा काकोरी के कटरा बाजार में कमरान पुत्र निसार अहमद की रेडीमेड की दुकान में शार्ट सर्किट से आग लग गई। जिससे दुकान में रखे करीब साढ़े तीन लाख का सामान जलकर राख हो गया वहीं दुकान के अंदर खड़ी एक बाइक और एक स्कूटी भी जलकर हुई राख हो गयी।

स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी की मदद से दो घंटे में आग पर काबू पाया जा सका।

जलकल विभाग कि लापरवाही से स्वेज़ इंडिया कंपनी के हौसले बुलंद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सीवर का काम देखने वाली स्वेज़ इंडिया कंपनी अपने साफ सफाई के दावो में पिछड़ती नजर आ रही है साथ ही जलकल विभाग कि लापरवाही से स्वेज़ इंडिया कंपनी के हौसले भी बुलंद हैं कुछ इलाकों में साफ सफाई के नाम पर खानापूर्ति कर चले जाते हैं। लखनऊ महापौर व नगर आयुक्त के सफाई के आदेशों को स्वेज़ इंडिया कंपनी के ज़िम्मेदार अधिकारी दरकिनार कर अपनी मनमानी पर उतारू हैं। सीवर कि गन्दगी को लेकर ज़ोन 6 के दौलतगंज वार्ड के अंतर्गत रामगंज मोहल्ले के लोगो ने स्वेज़ इंडिया कंपनी पर काम में घोर लापरवाही करने का आरोप लगाया है। यहाँ लोगों का कहना था कि मोहल्ले में सीवर का गन्दा पानी एक साल से गलियों में बह रहा है और महीनों बाद स्वेज़ इंडिया कंपनी के कर्मचारी आकर सफाई के नाम पर खानापूर्ति कर के चले जाते हैं। जिसके चंद दिन के बाद ही फिर से यह सीवर उबलने लगता है। सीवर का गन्दा पानी नालियों में बहता है तथा सड़क पर भी जमा रहता है जिससे कि यहाँ क्षेत्र में मच्छरों की भी भरमार है। लोगों को कहना है कि क्षेत्र में इस गंदगी के चलते रातों दिन बदबू फैली रहती है और तरह-तरह की बीमारियां भी फैलती रहती हैं। यहां महिलाओं का कहना था लंबे समय से हमारे बच्चे बीमार है जिनकी दावा कर करके हम लोग थक चुके हैं हम लोग गरीब इंसान हैं आखिर कब तक दवा इलाज करते रहेंगे। यहां के स्थानीय निवासी मोहम्मद इरफान कहते हैं लगभग एक वर्ष से सीवर इसी तरह से नालियों और सड़कों पर बहता है यहां गंदगी लोगों की पैरों में लगकर घरों के अंदर जाती दिनभर मोहल्ले में बदबू फैली रहती कर्मचारी रहते हैं की लाइन आगे से चौक है जब लाइन चौक है तो उन्हें इसको ठीक करना चाहिए उनका कहना था कि जब नगर निगम हमसे सीवर का टैक्स लेती है तो सेवाएं पूरी क्यों नहीं देती है। यही के निवासी मोहम्मद रहमान कहते हैं कि डेंगू के चलते यहां पर दो मौतें भी हो चुकी हैं और तीन बच्चे अभी भी अस्पताल में एडमिट है उनका कहना था कि यहां के बड़े बुजुर्ग कई बार शिकायत कर चुके हैं किंतु इसका हल नहीं निकल रहा है। वह कहते हैं कर्मचारियों से ज्यादा कुछ कहो तो बोलते हैं कि जाइए जहां शिकायत करते बने कर लीजिए। अब बड़ा सवाल यह उठता है की नगर निगम के उच्च अधिकारियों ने साफ सफाई के आदेश संबंधित विभाग को दे दिए हैं, स्वेज़ इंडिया कंपनी के कार्यो की देखरेख की जिम्मेदारी जलकल विभाग के अधिकारियों पर है किंतु जलकल विभाग के अधिकारी अपना कर्तव्य पूरी तरह से नहीं निभा रहे हैं जिसके चलते स्वेज़ इंडिया कंपनी के कर्मचारी मनमानी पर उतारू हैं और सुधारने का नाम नहीं ले रहे हैं।

चौपटिया के इन इलाक़ो की बिजली सप्लाई में आएगा व्यवधान

लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। ठाकुरगंज डिविज़न के अधिशासी अभियंता दीपक कुमार ने बताया की आज चौपटिया उपकेंद्र पर बिजनेस प्लान योजना के अंतर्गत यार्ड में एंटी काईट नेट के लिए पोल लगाने का काम दोपहर 2 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक बिजली विभाग द्वारा किया जाएगा। जिसके चलते इस उपकेंद्र से पोषित सभी फीडर की आपूर्ति में आंशिक या पूर्ण रूप से व्यवधान आएगा। जिसके चलते उपकेंद्र से जुड़े मोहल्ले सराय माली खां, भोलानाथ कुआ, कक्कड़ पार्क, दिलाराम बारादरी, तोप दरवाजा, तंबाकू मंडी, चौपटिया कॉलोनी आदि के लोगो को मिलने वाली बिजली की सप्लाई दोपहर 2 बजे से लेकर शाम 6 बजे के बीच आंशिक या पूर्ण रूप से बाधित रहेगी।

थाना जीआरपी चारबाग द्वारा एक मोबाईल चोर को किया गया गिरफ्तार

लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे उ0प्र0 लखनऊ के आदेश के अनुपालन में पुलिस उपमहानिरीक्षक रेलवे उ0प्र0 लखनऊ एवं पुलिस अधीक्षक रेलवे लखनऊ प्रशान्त वर्मा के निर्देशन में सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर ट्रेनों व रेलवे स्टेशनों पर चोरी लूट जहर खुरानी मादक पदार्थो की तस्करी की घटनाओं की रोकथाम हेतु व इनामिया/वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत पुलिस उपाधीक्षक रेलवे, प्रथम विकास पाण्डेय के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक धर्मवीर सिंह थाना जीआरपी चारबाग लखनऊ के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा दिनांक- 17.11.24 को 01 नफर अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 02 अदद मोबाइल फोन बरामद कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है अभियुक्त का नाम राम अचल पुत्र गंगा विशुन निवासी शिववंश खेडा थाना बछरावा जिला रायबरेली उम्र करीब 30 वर्ष है। अभियुक्त के पास से दो मोबाइल फोन जिसकी कीमत करीब 20000 रूपये बताई जा रही है उसे भी बरामद कर लिया गया है। आपको बता दें कि वादिनी द्वारा दिनांक 01.07.24 को समर स्पे0 ट्रेन से यात्रा के दौरान अज्ञात द्वारा वादिनी का पर्स चोरी कर लेना था जिसमे मोबाइल सहित अन्य सामान था, यात्रा के दौरान अज्ञात द्वारा वादी का पर्स जिसमे मोबाइल व अन्य समान था एशबाग रेलवे स्टेशन पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया था बताया जा रहा है कि अभियुक्त द्वारा ट्रेनों मे यात्रियो के सो जाने व ट्रेन मे चढ़ते व उतरते समय यात्रियों को टारगेट कर मोबाइल, बैग आदि सामान की चोरी करता था। तथा पूर्व मे भी कई अपराध कर चुका है व जेल जा चुका है ।

ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग महिला गंभीर रूप से घायल

मोहनलालगंज लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के गोपाल खेड़ा गांव की रहने वाली बुजुर्ग महिला ट्रेन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गई सूचना पर पहुंचे पुलिस ने महिला को ड्रामा सेंटर में भर्ती कराया है जहां उसका इलाज चल रहा है। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र गोपाल खेड़ा की रहने वाली रामरति पत्नी सुक्खी लाल उम्र लगभग 70 वर्ष जो सोमवार की दोपहर गोपाल खेड़ा गांव के पास से निकली रेलवे ट्रैक किनारे से कहीं जा रही थी तभी ट्रेन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। ट्रेन से हुए हादसे की सूचना पाकर मौके पर भारी भीड़ इकट्ठा हो गई और मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी तब तक परिजन भी मौके पर आ पहुंचे और बुजुर्ग महिला को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे जहां से डॉक्टर ने महिला की गंभीर हालत को देखते हुए उसे ट्रामा सेंटर भेज दिया है। घायल बुजुर्ग रामरति अपने पति के साथ अपने बेटे जगदीश, प्रकाश, विष्णु व नन्हके के साथ रहकर अपना जीवन यापन कर रही थी।

मिक्स्ड मार्शल आर्ट (एमएमए) के मुकाबले की मेजबानी करेगा लखनऊ

लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। नवाबों का शहर लखनऊ आने वाले समय में दुनिया के सबसे रोमांचक खेल में शुमार मिक्स्ड मार्शल आर्ट (एमएमए) के मुकाबले की मेजबानी करेगा। मार्शल आर्ट के प्रति समर्पण और जुनून से प्रेरित एक संस्था कॉम्बैट क्रीड चैंपियनशिप (केसीसी) के द्वारा केसीसी फाइटनाइट का आयोजन आगामी एक दिसंबर को चौक स्टेडियम, लखनऊ में होगा, जहां एक्शन से भरपूर मिक्स्ड मार्शल आर्ट का रोमांचक प्रदर्शन होगा। इस रोमांचक फाइटनाइट में भारतीय एमएमए के चमकते सितारे हिस्सा लेंगे। लखनऊ में पहली बार रोमांचक एमएमए के मुकाबलों की मेजबानी कर रही कॉम्बैट क्रीड चैंपियनशिप (केसीसी) द्वारा आयोजित इस फाइटनाइट में प्रोफ़ेशनल और एमेच्योर फाइटर्स अपनी-अपनी श्रेणियों में एक-दूसरे के खिलाफ खिताबी मुकाबले के लिए लड़ेंगे। इसमें रुद्र राणा, सिद्धांत सिंह धामी, रायात रिज़वी, हुसैफा अमीन जैसे बड़े फैन फॉलोइंग वाले प्रसिद्ध फाइटर्स अपनी निपुणता और तकनीक से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने को तैयार है।

फोटो बूथ के साथ केजीएमयू ने एएमआर जागरूकता सप्ताह का किया शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। वैश्विक विश्व एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस जागरूकता सप्ताह 2024 के तहत किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्याल ने एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस से निपटने के लिए कई जागरूकता गतिविधियाँ शुरू की हैं। इस वर्ष की थीम, ''शिक्षा दें। प्रेरित करें। अभी कार्रवाई करें।'' एएमआर के बढ़ते खतरे से निपटने की तत्काल आवश्यकता पर जोर देती है। माईक्रोबायलोजी विभाग की प्रोफ़ेसर डॉ. शीतल वर्मा ने बताया कि छात्रों, संकायों और जन समुदाय में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक प्रतिज्ञा अभियान और एएमआर-थीम आधारित फोटो बूथ स्थापित किया गया है। यह बूथ ओपीडी, कलाम सेंटर और ट्रॉमा सेंटर में लगाए गए हैं और 18 से 24 नवंबर तक, पूर्वाह्न 9:00 बजे से अपराह्न 4:00 बजे तक खुले रहेंगे।

सभी प्रतिभागियों को एंटीबायोटिक्स के जिम्मेदार उपयोग, स्व-चिकित्सा से बचने और बेहतर संक्रमण रोकथाम प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रतिज्ञा लेने के लिए प्रेरित किया गया है। यह प्रतिज्ञा अंग्रेजी और हिंदी दोनों में उपलब्ध है ताकि सभी के लिए इसे सुलभ बनाया जा सके।

इंटरएक्टिव फोटो बूथ एएमआर-थीम पर आधारित है, जिसमें लैब कोट, फ़ेस मास्क और एंटीबायोटिक्स से संबंधित प्रॉप्स शामिल हैं। प्रतिभागियों को अपने फोटो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा करने और फ्ट्टध्धक्फ्द्धटद्गपद्बपथ्द्वदद्द और जैसे हैशटैग का उपयोग करके संदेश फैलाने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। माईक्रोबायलोजी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफ़ेसर अमिता जैन ने कहा, ''इस तरह की रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से, हमारा लक्ष्य एएमआर जागरूकता को सभी के लिए रोचक और प्रभावशाली बनाना है।

केजीएमयू सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों से आग्रह करता है कि वे सक्रिय रूप से भाग लें और एएमआर के खिलाफ लड़ाई में शामिल हों। साथ मिलकर हम भविष्य की पीढ़ियों के लिए एंटीबायोटिक्स की प्रभावशीलता को सुरक्षित रखने में योगदान दे सकते हैं।

विपरीत परिस्थितियों में भी संघर्ष से सफलता प्राप्त की जा सकती है: राज्यपाल

कैनविज टाइम्स संवादाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल से सोमवार को राजभवन में नैक में ए+ ग्रेड प्राप्त डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा की गठित नैक टीम के सदस्यगणों ने मुलाकात कर अपनी उपलब्धियों एवं अनुभवों को साझा किया। इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा उनका उत्साहवर्द्धन किया गया और वे उनके साथ राजभवन में आयोजित मध्यान्ह भोज में सम्मिलित हुईं। राज्यपाल ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति एवं नैक तैयारी हेतु गठित टीम को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमारे जीवन में समस्याएं और परेशानियां आती हैं, लेकिन इनसे जूझते हुए अच्छा परिणाम प्राप्त करना महत्वपूर्ण है। कठिनाइयों को अवसर में बदलें और समर्पण के साथ कार्य करें। उन्होंने गुजरात में आए भूकंप का उदाहरण देते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी संघर्ष से सफलता प्राप्त की जा सकती है। कुलाधिपति ने आगरा विश्वविद्यालय की छवि को सुधारने और बदलने का आह्वान करते हुए आगामी नैक और एन0आई0आर0एफ0 की तैयारी हेतु विश्वविद्यालय की टीम को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यदि भारत देश को आगे बढ़ाना है तो हमें समर्पण से निरंतर कार्य करते रहना चाहिए। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव, डॉ सुधीर महादेव बोबडे ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद विश्वविद्यालय को नैक में ए+ ग्रेडिंग प्राप्त करना एक सराहनीय उपलब्धि है। उन्होंने कहा यह परिवर्तन विश्वविद्यालय की छवि को नई दिशा दे रहा है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के नैक टीम के सभी क्राइटेरिया हेड्स और सहयोगियों ने अपनी-अपनी तैयारियों के बारे में अनुभव साझा किया। विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ0 आशु रानी ने कहा कि उन्होंने कुलाधिपति महोदया के निर्देशों का अक्षरशः पालन किया गया, जिससे परिणाम प्राप्त करने में मदद मिली। उन्होंने इस सफलता को विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि परिणाम प्राप्ति के बाद लोगों का विश्वविद्यालय के प्रति नजरिया बदला।

नहर पर पड़ा मिला किशोरी के शव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

घटना के खुलासे के लिए गठित की गई चार टीमें

घटना स्थल पर पहुंचे पुलिस विभाग के आला अफसर

लखनऊ । गोसाईंगंज क्षेत्र में भटवारा गांव के पास इंद्रा नहर की पटरी पर सोमवार की सुबह एक किशोरी का शव पड़ा मिला।घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सोमवार की सुबह जब ग्रामीण इंद्रा नहर की ओर टहलने निकले तो देखा कि नहर की पटरी पर एक किशोरी का शव पड़ा हुआ था।जिसे देख ग्रामीणों ने इसकी सूचना ग्राम प्रधान सुनील कुमार को दी तो प्रधान ने वही जानकारी पुलिस तक पहुंचा दी ।बाद में जानकारी ली गई तो पता चला कि शव भटवारा गांव के ही रहने वाले शनीफ़ अहमद की 17 वर्षीय बेटी रूमी का है।उधर घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।पुलिस की प्रारंभिक जांच में किशोरी के गले पर कपड़े से कसे जाने के निशान मिले हैं।फिलहाल पुलिस ने फॉरेंसिक टीम फील्ड यूनिट और सर्विलांस की मदद से मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है।वहीं घटना के खुलासे के लिए चार टीमें गठित कर दी गई हैं। भटवारा गांव में शनीफ अहमद अपने परिवार के साथ रहते हैं।परिजनों के अनुसार रविवार को वह किसी रिस्तेदार के अंतिम संस्कार में गए थे। वे लोग जब रात में लगभग 9 बजे घर वापस लौटे तो उनकी बड़ी बेटी रूमी घर से लापता थी।उन लोगों ने रात में ही बेटी की तलाश शुरू कर दी थी उसका लेकिन कुछ पता नहीं चल सका था।सुबह उन्हें जानकारी मिली कि उनकी बेटी का शव नहर की पटरी पर पड़ा हुआ है।इस मामले में परिजनों की ओर से अज्ञात लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। समाचार लिखे जाने तक परिजनों ने किसी के विरुद्ध कोई तहरीर नहीं दी थी। एस एच ओ गोसाईंगंज ब्रजेश त्रिपाठी ने बताया कि किशोरी के गले में दुपट्टे से कसने जैसे निशान दिखाई दिए ,इसके अलावा कोई निशान नहीं नजर आया। घटनास्थल पर भी किसी प्रकार का संघर्ष किये जाने का कोई साक्ष्य नहीं मिला । अनुमान है कि कि किशोरी की हत्या कही और की गई हो। शव लाकर यहां फेंक दिया गया हो। एस एच ओ के अनुसार परिजनों से पूछताछ करने के के साथ ही अन्य सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार मृतका ने कक्षा आठ तक पढ़ाई की थी उसके बाद उसकी पढ़ाई बंद करवा दी गई थी।मृतका के परिवार में भाई समीर व शरीफ तथा बहन कुलसुम तथा माँ नूरजहाँ हैं।मृतका के पिता शनीफ़ दूध बेचने के साथ ही दुधारू पशुओं की खरीद फरोख्त का काम करते हैं। किशोरी की हत्या की सूचना पाकर इंस्पेक्टर गोसाईंगंज ब्रजेश त्रिपाठी के साथ एडीसीपी साउथ राजेश यादव व डीसीपी साउथ केशव कुमार ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया।इस दौरान डीसीपी ने बताया कि पीड़ित से तहरीर लेकर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थित स्पष्ट हो पाएगी।इसके साथ ही घटना के खुलासे के लिए टीमें गठित कर दी गई है जल्द ही घटना का अनावरण किया जाएगा।

महाकुम्भ 2025 में सत्तर सेल ऑन व्हील्स लगाने की तैयारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पूर्वी टेलीकॉम सर्किल दूरसंचार विभाग ने महाकुम्भ 2025 में सुचारू दूरसंचार सेवाओं के लिये मेला क्षेत्र में सत्तर सेल ऑन व्हील्स (सीओडब्ल्यू) लगाने की तैयारी आरम्भ कर दी गयी है। सभी सेल ऑन व्हील्स को मेला क्षेत्र में पन्द्रह दिसम्बर से पहले स्थापित कर दिया जायेगा। महाकुम्भ के दौरान प्रयागराज में अचानक से बढ़ने वाली भीड़ के दौरान खराब नेटवर्क समस्या से निपटने के लिए उत्तर प्रदेश पूर्वी एलएसए दूरसंचार विभाग के प्रयागराज क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों ने आवश्यक टॉवर लगाने का कार्य शुरु किया है। सुचारू दूरसंचार सेवाओं के लिए प्रयासरत दूरसंचार विभाग के लखनऊ मुख्यालय से जुड़े अधिकारियों ने भी प्रयागराज में डेरा डाल दिया है।

प्रयागराज दूरसंचार विभाग में कार्यरत एके मिश्रा ने कहा कि प्रयागराज के भीतर वर्तमान समय में 6403 बेस ट्रांसीवर स्टेशन (बीटीएस) कार्यरत है। प्रयागराज के शहरी क्षेत्र में कार्यरत बीटीएस में 1319 बीटीएस फाइव जी और 4073 बीटीएस फोर जी तकनीक से जुड़े है।

भाजपा मंडल अध्यक्ष के घर हवाई फायरिंग करने वाले भेजे गए जेल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। भाजपा मंडल अध्यक्ष सदना सुरेन्द्र अवस्थी के घर पर पूर्व ब्लाक प्रमुख वीरेंद्र मिश्रा उर्फ वीरू द्वारा 16-11-24 को अपने पुत्रों सहित मंडल अध्यक्ष के घर पर हवाई फायरिंग की गई थी उसी क्रम में थाना सन्दना में मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र अवस्थी की पत्नी की तरफ से कई धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराया गया था। पुलिस ने तत्काल प्रभावी कार्यवाही करते हुए मुल्जिम बीरेंद्र मिश्रा उर्फ वीरू एवं उनके पुत्रों सहित पांच अन्य लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार मामला पूर्व में ब्लाक प्रमुख के चुनावी रंजिश से जुड़ा बताया जा रहा है। इसी रंजिश के चलते सन्दना पुलिस ने बहुत ही तेजी दिखाते हुए सुसंगत धाराएं लगाकर गिरफ्तार करके थाने के बाहर खड़े कराकर फोटो सेशन कराया गया है वह कहीं न कहीं राजनीति से प्रेरित जरूर दिख रहा है। वहीं पर मिश्रिख वीरू मिश्रा एक बार मिश्रिख विधानसभा का चुनाव लड चुके तथा कई बार सदना के ब्लाक प्रमुख भी रह चुके हैं। तथा क्षेत्र के प्रतिष्ठित लोगों में गिनती की जाती है। मिश्रिख विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मछरेहटा में एक ब्राह्मण संगठन की तरफ़ से एकता का सम्मेलन आयोजित किया गया था। जहां पर ब्राह्मण एकता जिन्दाबाद के नारे लगाए जा रहे थे। परंतु संगठन के मुखिया ने इस मामले में तह तक जाने की कोशिश नहीं की कुछ भी हो सुसंगत धाराओं में जेल जाना पड़ा जिसका वादी भी ब्राह्मण है और जेल जाने वाले भी ब्राह्मण है। तथा बताया जाता है कि पर्दे के पीछे भी जो लोग लगे थे वह भी ब्राह्मण है। कुल मिलाकर दल बदल करने वालों ने भाजपा का नुक़सान ही कराया। तथा मंडल अध्यक्ष को मोहरा बनाया।

नहेर के साथ सूखी खेतों की नमी कैसे बोएं बीज, अन्नदाता परेशान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। विकास खण्ड कसमण्डा के अन्तर्गत निकली खीरी ब्रांच नहेर से क्षेत्र के करीब आधा सैकणा गावों मे खेती की सिचाई होती है और नहेर सिचाई का मुख्य साधन है लेकिन विभाग द्वारा लम्बे समय से नहेर मे पानी नही छोणा गया।

जिसके चलते नहेर की मेन ब्रान्च के साथ साथ नहेर से निकले सभी माइनरो से सिचाई करने वाले गांव मढिया,नेवादा,बहादुर,बल्दीपुरव, बन्नी,ललवा,पताराकला,थानापट्टी, महोली समेत अन्य तमाम गावो मे खेतो का पलेवा नही हो पाया है जिसके चलते गेंहू,चना,मटर,सरसो,चव,की बुवाई पछेल सही है जिसका पैदावार पर विपरीत असर पणेगा, जब इस विषय मे नहेर विभाग के

अवर अभियंता विशाल पोरवाल से बात की गई तो उन्होंने बताया नहेर की सफाई चल रही है सफाई होने के उपरांत 6 दिसंबर तक नहेर मे पानी छोण दिया जाएगा ।

सीडीओ साहब कहाँ हैं आपके द्वारा गौशालाओं में लगवाए गए कैमरे,शीतलहर के पहले ही मर रहीं गाएं

❑ सकरन की ग्राम पंचायत देवतापुर गौशाला चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट,ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव मरे गौवंशों को तख्त के नीचे रहे छिपा।

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सकरन सीतापुर। ब्लॉक मुख्यालय से मात्र 2 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत देवतापुर में अस्थाई गौ आश्रय स्थल ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव की कारस्तानी के चलते अपनी बदहाल स्थिति पर बहा रहा आंसू,गौशाला में हांड की मांजर लिए सैकड़ों गौवंश बस शीतलहर का कर रहे इंतजार।चारे पानी की अव्यवस्था के चलते कुपोषण के शिकार हो चुके गौवंश आगामी शीतलहर के पूर्व ही सिधार सकते परलोक। आखिर मुख्य विकास अधिकारी सीतापुर के द्वारा प्रति गौशाला

में लगवाए गए कैमरों में क्यों नहीं पहुंच रहीं ये तस्वीरें या सिर्फ साबित हो रहा एक शिगूफा। गौशाला में मृत गौवंशों की स्थिति ये है कि एक मरे बछड़े को तख्त के नीचे छुपा कर रखा गया,एक गौवंश को पराली से ढक कर छुपाया गया,एक मरणासन्न गौवंश को कौवे नोचकर खा रहे थे ।

सेक्रेड हार्ट में आरंभ हुआ हृदयोत्सव

❑ बास्केटबॉल में नवोदय, खो खो में श्री रघुराज सिंह चैंपियन

सीतापुर। सेक्रेड हार्ट डिग्री कॉलेज, सीतापुर में 6 दिवसीय हृदयोत्सव का शुभारंभ सेक्रेड हार्ट हायर सेकेंडरी के प्रधानाचार्य फादर क्लॉडियस ने किया। अपने उद्घाटन संबोधन में उन्होंने युवाओं को विभिन्न कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा दिखाने हेतु प्रेरित किया।

इससे पूर्व सांस्कृतिक समिति के प्रभारी डॉक्टर योगेश चंद्र दीक्षित ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए हृदयोत्सव का परिचय एवं 6 दिनों के कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

6 दिवसीय कार्यक्रमों के अंतर्गत आज पहले दिन पुरुष बास्केटबॉल तथा महिला खो-खो की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्रीड़ा प्रभारी फादर जार्ज के नेतृत्व में आयोजित बास्केटबॉल में नवोदय विद्यालय ने सिंघानिया एजुकेशनल इंस्टिट्यूट को 34-6 से परास्त कर चल वैजयंती पर कब्जा किया। नवोदय के विशाल को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया ।

डॉ योगेश चंद्र दीक्षित के समन्वयन में आयोजित खो खो प्रतियोगिता का फाइनल मैच उच्च प्राथमिक विद्यालय नगरा और श्री रघुराज सिंह मेमोरियल हायर सेकेंडरी स्कूल की बालिकाओं के बीच खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में श्री रघुराज सिंह की टीम ने यूपीएस नगरा को २ के मुकाबले ३ अंकों से परास्त किया और चैंपियनशिप जीती।

श्री रघुराज सिंह की काजल पाल को खो-खो की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में पुरस्कृत किया गया। दोनों प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पांच-पांच हजार की नकद धनराशि तथा सभी खिलाड़ियों को ट्रॉफी व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

उपविजेताओं को दो-दो हजार की नकद धनराशि, ट्राफी तथा प्रशस्ति प्रदान किए गए। खो खो प्रतियोगिता में राज शर्मा, संतोष सिंह धीरेंद्र वर्मा निर्णायक की भूमिका निभाई जबकि बास्केटबॉल में फादर जार्ज तथा फादर प्रशांत रेफरी रहे। प्रबंधक फादर जॉनी ने विजेताओं का आशीर्वाद व उत्सवर्धन करते हुए शुभकामनाएं प्रदान की।

समन्वयक डॉक्टर योगेश चंद्र दीक्षित ने बताया कि दूसरे दिन सिंथेटिका-द साइंस एक्सपो, 20 एवं 21 को रेजोनेंस-मैनेजमेंट फ़ेस्ट, 22 नवंबर को उड़ान-सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा 23 को अध्यापक वर्ग एवं संस्था अध्यक्षों के लिए ''वर्तमान समय में शिक्षण कार्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोग'' विशेषयक कार्यशाला का आयोजन क्राइस्ट यूनिवर्सिटी बेंगलुरू, के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की जाएगी।

कार्यक्रम का समापन कंप्यूटर संकाय द्वारा आयोजित डांडिया नाइट से किया जाएगा।

प्राचार्य फादर प्रशांत ने विभिन्न विभागों में बैठक आयोजित कर तैयारी की जानकारी ली।

उप प्राचार्य फादर सजीमन फिलिप ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण, छात्र समिति के सदस्य आदि उपस्थित रहे।

पुलिस महिला खिलाड़ी पदोन्नत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । आज दिनांक 18.11.24 को पुलिस अधीक्षक सीतापुर चक्रेश मिश्र द्वारा मुख्य आरक्षी सीमा पंवार को मुख्य आरक्षी पद पर प्रोन्नति प्राप्त होने पर सम्मानित किया गया।

मुख्य आरक्षी सी3मा उपरोक्त वर्तमान में रिजर्व पुलिस लाइन्स सीतापुर में नियुक्त है जिनके द्वारा हरियाणा आर्म्ड पुलिस द्वारा आयोजित 72वीं ऑल इंडिया पुलिस रेस्लिंग क्लस्टर वर्ष 2023-24 प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया गया है।

मुख्य आरक्षी सीमा उपरोक्त, स्पोर्ट्स कोटे से वर्ष 2018 में पुलिस विभाग में भर्ती होकर ऑल इंडिया पुलिस रेस्लिंग क्लस्टर में प्रतिभाग करते हुए लगातार विगत तीन वर्षो में रजत एवम् कांस्य पदक प्राप्त कर चुकी है।

इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी डॉ.प्रवीन रंजन एवम् क्षेत्राधिकारी श्री धीरेंद्र प्रताप सिंह द्वारा भी उपस्थित रहकर शुभकामनायें दी गयी।

बीहट बीरम के प्रशांत मिश्रा का बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा हुआ चयन

मछरेहटा कैनविज टाइम्स संवाददाता। विकासखंड की ग्राम पंचायत राज्य ग्रामीण पर्यटन स्थल बीहट बीरम के प्रशांत मिश्रा का हाल ही में बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा जूनियर शिक्षक पद पर चयन हुआ है।प्रशांत के इस चयन पर परिवार व गांव में अत्यधिक खुशी है तथा सभी लगातार बधाई प्रेषित कर रहे हैं।बताते चलें कि प्रशांत ने इंटरमीडिएट की शिक्षा शहर के आनंदी देवी स.वि.म.इंटर कालेज से,स्नातक की शिक्षा सेक्रेट हार्ट डिग्री कॉलेज से तथा बी.एड. की शिक्षा आचार्य नरेंद्र देव शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान से पूरी की।इसी बीच वह कई प्रतियोगी परीक्षाओं की सक्रिय तैयारी करते रहे और अपनी मेहनत,लगन व आत्मविश्वास के बल पर बिहार में चयन पाकर सभी को गौरमान्वित महसूस कराया।

जनपद की शत्रु संपत्तियों को आनलाइन इलेक्ट्रानिक बिडिंग के द्वारा विक्रय पोर्टल पर निविदा आमंत्रण

सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। दिनांक 18 नवम्बर 2024 (सू0वि0) जिलाधिकारी/पदेन उप अभिरक्षक शत्रु समपत्ति अभिषेक आनंद ने उप सचिव के पत्र दिनांक-12.11.2024 के क्रम में अवगत कराया है कि अभिरक्षक शत्रु सम्पत्ति, गृह मंत्रालय, भारत संस्कार, नई दिल्ली द्वारा 23 वीं ई-नीलामी के अन्तर्गत ग्राम-रूदाइन, धमौड़ा, रसूलपुर परगना-महमूदाबाद, जनपद-सीतापुर की शत्रु सम्पत्तियों को ऑनलाइन इलेक्ट्रानिक बिडिंग के द्वारा विक्रय किए जाने हेतु जैसा है, जहां है, और जैसा है, जो है, और जो कुछ है, के आधार पर एम.एस.टी.सी. पोर्टल पर निविदा आमन्त्रण हेतु लोड किया गया है जिसकी ई-नीलामी दिनांक 22.11.2024 को 11.00 बजे प्रारम्भ होकर सांय 4.00 बजे तक होगी। क्यू आर कोड स्कैन करने पर समस्त नियम एवं शर्तें प्रदर्शित हैं। ई-नीलामी हेतु शत्रु सम्पत्तियों की भूमि की सूची संलग्न है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त ई-नीलामी के संबंध में अधिक से अधिक प्रतिभागियों के द्वारा प्रतिभाग किया जाये।

बेकाबू कार दीवार तोड़ते स्कूल में घुसी, एक बच्चे की मौत, एक घायल

कानपुर। गुजैनी थाना क्षेत्र के तात्या टोपे नगर में सोमवार को एक बेकाबू कार अनियंत्रित होकर स्कूल की दीवार तोड़ते हुए अन्दर जा घुसी। हादसे में एक बच्चे की जान चली गई। जबकि हादसे में घायल बच्ची को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गुजैनी थाना प्रभारी विनय तिवारी ने बताया हादसे में आर्यन नाम के बच्चे की मृत्यु हुई है। हादसे में घायल अन्य बच्चों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। कानपुर देहात के रसूलाबाद थाना क्षेत्र के बैसोया गांव निवासी धर्मेन्द्र अपने परिवार के साथ गुजैनी गांव में रहते है। धमेन्द्र की पांच वर्षीय बेटी खुशी और पड़ोसी बच्चा आर्यन सचान अपने घर के बाहर ठाकुर विशंभर नाथ इंटर कॉलेज के गेट के पास खेल रहे थे। इसी दौरान एक बेकाबू कार अनियंत्रित होकर स्कूल की दीवार से जा भिड़ी। हादसे में खुशी और आर्यन घायल हो गए। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम दोनों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां ?चिकित्सकों ने आर्यन को मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में परिवार से तहरीर लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

प्राचीन और प्रामाणिक चिकित्सा पद्धति है आयुर्वेद : डॉ. तोमर

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के पंद्रह दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के बारहवें दिन सोमवार को 'एकीकृत स्वास्थ्य' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता विश्व आयुर्वेद परिषद के अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि किसी भी चिकित्सकीय पद्धति का उद्देश्य स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य का रक्षण करना और रोगी को स्वस्थ करना होना चाहिए। आयुर्वेद और एलोपैथ दोनों समग्र स्वास्थ्य प्राप्ति की दिशा में मिलकर बहुत अच्छा कर सकते हैं। डॉ. तोमर ने कहा कि ऐसा कोई वनस्पति नहीं है जिससे औषधि न बनाया जा सके। विश्व में वेद सर्वप्रथम ज्ञान विज्ञान के स्रोत हैं। अथर्ववेद का उपवेद आयुर्वेद है। यह प्राचीन चिकित्सा पद्धति आज भी प्रामाणिक और प्रसिद्ध है। आयुर्वेद में प्रत्येक व्यक्ति के प्रकृति के अनुसार अलग-अलग चिकित्सा पद्धति है। इसी को तो वर्तमान में जीनोम थ्योरी कहते हैं। हजारों प्रकार के रसायनों के बारे में आयुर्वेद में बताया गया है जो स्वस्थ व्यक्ति को स्वस्थ रखता है। डॉ. तोमर ने विद्यार्थियों से कहा कि आप सभी भाग्यशाली हैं कि आपको महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय से शिक्षित होकर चिकित्सा सेवा में जाने का अवसर प्राप्त होने वाला है। सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। चिकित्सा कभी निष्फल नहीं होती है। यह आपको यश,धन, अनुभव, आशीर्वाद सब प्राप्त कराता है। उन्होंने कहा कि हमें सभी विधाओं का सम्मान करना चाहिए, हमें प्रतिद्वंद्वी नहीं परस्पर सहयोगी बनना चाहिए। हमारी संस्कृति पूरे विश्व को परिवार मानती है। विशिष्ट वक्ता एमपी बिड़ला ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के निदेशक और प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. संजय माहेश्वरी ने कहा कि आज भी मैं सर्जरी में आयुर्वेद विधा, क्षार सूत्र का प्रयोग करता हूं। रक्त चिकित्सा में आदिकाल से लीच अर्थात जोंक का प्रयोग आयुर्वेद में किया जाता है। आयुर्वेद और एलोपैथिक चिकित्सा विज्ञान दोनों का उद्देश्य स्वास्थ्य है। हमें एक होकर चिकित्सा के दिशा में बढ़ना होगा। कार्यक्रम का संचालन श्रेया सिंह व आभार ज्ञापन आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने किया। इस अवसर पर डॉ. अरविंद कुशवाह, डॉ. राजेश बहल, डॉ. विनम्र शर्मा, डॉ. साध्वी नन्दन पाण्डेय, डॉ. देवी समेत कई शिक्षक, बीएएमएस और एमबीबीएस के सभी नवप्रवेशित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रामनगर में होगी 30 नवंबर से दो दिवसीय मानसिक रोग विशेषज्ञों की सीएमई

मुरादाबाद। मुरादाबाद न्यूरो साइंसेज एसोसिएशन की ओर से एसोसिएशन ऑफ क्लीनिकल साइकाइट्री की दो दिवसीय वार्षिक कॉन्फ्रेंस (सीएमई) 30 नवंबर व 1 दिसम्बर को रामनगर (उत्तराखंड) में होगी। इसमें देश के कई राज्यों के मानसिक रोग विशेषज्ञ जुटेंगे और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। आयोजन सचिव डॉ. दिशांतर गोयल ने सोमवार को बताया कि कॉन्फ्रेंस की थीम 'बदलते समय के साथ मानसिक रोगों के बदलते परिदृश्य' है। दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस रामनगर में कॉर्बेट पार्क के पास धिकुली रोड पर स्थित वुड कैसल रिसोर्ट में शनिवार 30 नवंबर को सुबह 10 बजे से शुरू होगी और समापन 1 दिसंबर की अपराह्न 2 बजे से होगा। डॉ. दिशांतर गोयल ने बताया कि सीएमई के डिजिटल साइकाइट्री के सत्र में संगठन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व केजमीयू के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. पीके दलाल व्याख्यान देंगे। इनके अलावा देहरादून के डॉ. विनीत गुप्ता, दिल्ली एम्स के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश सागर, डॉ. इंदिरा शर्मा, डॉ. एससी तिवारी व उत्तर प्रदेश के सबसे वरिष्ठ मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. एके अग्रवाल शिरकत करेंगे। अतिथि के तौर पर फिल्म निर्देशक अनुराग बसु को आमंत्रित किया गया है। मानसिक रोगों की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के लिए मानसिक रोगों से संबंधित दवाओं पर एक क्विज होगी। इसमें जीतने वाले को नकद पुरस्कार दिए जाएंगे।

ट्रैक्टर ट्राली पंद्रह फीट दूर खेतों में पलटी, 12 से अधिक लोग घायल

एजेंसी

हमीरपुर। एक ट्रैक्टर ट्राली पलटने से 16 लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। उनमें से 6 को सदर अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। बांदा जनपद के अछरौड से श्रद्धालु ट्रैक्टर ट्राली मौदहा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चकदहा स्थित भगत बाबा के स्थान पर मेला देखने जा रहे थे। तभी कपसा रोड पर रेलवे क्रासिंग के निकट पीछे आ रही ट्रैक्टर ट्राली को साईड देने के चक्कर में ट्रैक्टर ट्राली सहित सड़क से लगभग पंद्रह फीट दूर खेतों में जाकर पलट गई। इसमें रामकली (45) रामबहादुर, रामभूत (55) भगवान दीन, प्रांशी (15) रामबहादुर, राजेंद्र (50) बौरा, रामबरन (35) बिंदादीन, संगीता (25) अर्जुन यादव, शैलेन्द्र पुत्र रमेश, झण्डू पुत्र बैजनाथ और पानकुमारी पुत्री अर्जुन गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से ट्रैक्टर ट्राली से निकाल कर एम्बुलेंस और लोडर की सहायता से कस्बे के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से रामकली, रामभूत, प्रांशी, राजेंद्र और रामबरन को गंभीर चोट के चलते प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। बाकी घायलों का मौदहा कस्बे के सरकारी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

श्रीजी बाबा में सम्पन्न हुआ अभाविप का विशाल छात्रा सम्मेलन

एजेंसी

मथुरा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तत्वावधान में सोमवार को विशाल प्रांत छात्रा सम्मेलन का आयोजन श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर में किया गया। सम्मेलन में ब्रज प्रांत के विभिन्न जिलों से सैकड़ों छात्रा प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। प्रांत उपाध्यक्ष डॉ एस के राय ने छात्राओं को अभाविप से परिचय कराया। मुख्य वक्ता एवं अभाविप की एसएफएस राष्ट्रीय सह संयोजक अपराजिता ने कहा कि जहां स्त्री की पूजा होती है वहां देवता बसते हैं और भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां सदियों से स्त्री की पूजा होती आई है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी विचार धाराओं ने भारत के इतिहास को तोड़ मरोड़ कर दिखाया है।

भारतीय इतिहास में स्त्री का कभी शोषण नहीं हुआ और लोकमतमाता अहिल्याबाई होलकर इसका उदाहरण है जिन्हें शास्त्र एवं शस्त्र दोनों में ही दक्षता हासिल थी। मुख्य अतिथि आईसीएआर की प्रथम महिला

सदस्य सुषमा सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अभाविप एकमात्र ऐसा संगठन है जहां छात्राओं का अनुपात छात्रों के समान है। उन्होंने छात्राओं के समक्ष लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जीवन का लघु परिचय रखा एवं उनके जीवन के गुणों को अपने जीवन में धारण करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि अभाविप लोकमाता के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। विशिष्ट अतिथि एवं वरिष्ठ समाजसेविका डॉ लक्ष्मी गौतम ने छात्राओं से रानी अहिल्याबाई होलकर के राजमाता से लोकमाता बनने का चिंतन करने को कहा। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी के चित्रपट के सम्मुख अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। छात्राओं द्वारा मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनको प्रतिभागी छात्राओं द्वारा सराहा गया। कार्यक्रम में प्रांत संगठन मंत्री अंशुल श्रीवास्तव, विभाग संगठन मंत्री दिव्यांशु पचौरी, राकेश ठकुरेला, राय सिंह, निशा निषाद, तेजस्विनी, याशीनी दीक्षित, दक्ष गंगवार, मंजीत ठाकुर, डॉ तरुण त्रिवेदी, नयन शर्मा, अमन शर्मा, ठाकुर मोहनदास, राज पलिया, निशांत, अमन पांडे, सर्वेंद्र, अनंत, अमित, रामकिशन आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

झांसी मेडिकल कॉलेज अग्निकांड: जुड़वा बेटियों को खोने वाले याकूब ने सात मासूमों की बचाई जान

एजेंसी

हमीरपुर। झांसी मेडिकल कॉलेज में हाल ही में लगी आग के दौरान हमीरपुर के राठ तहसील के रहने वाले याकूब ने अपनी जान जोखिम में डालकर 7 नवजातों की जान बचाई। लेकिन इस बहादुरी के बावजूद वह अपनी जुड़वां बेटियों को नहीं बचा सका। इस घटना ने हर किसी का दिल झकझोर दिया। याकूब, जो राठ कस्बे के सिकंदरपुरा इलाके में ठेला लगाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है, अपनी बेटियों के इलाज के लिए झांसी मेडिकल कॉलेज में था। बीते 9 नवंबर को उसकी पत्नी नजमा ने जुड़वां बेटियों को जन्म दिया था। सांस लेने में दिक्कत के कारण दोनों बच्चियों को एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया था। आग लगने की खबर सुनकर याकूब ने बिना समय गंवाए अपनी मां बिल्किस और साले सोनू के साथ वार्ड की खिड़की तोड़ी और अंदर घुस गया। मुंह पर कपड़ा बांधकर उसने एक-एक कर सात नवजातों को सुरक्षित बाहर निकाला। याकूब ने बताया, उस वक्त सिर्फ मासूमों को

बचाने की सोच थी। यह नहीं देखा कि उनमें मेरी बेटियां हैं या नहीं। जब अपनी बच्चियों का ख्याल आया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। आग बुझने के बाद भी याकूब और उसकी पत्नी नजमा ने पूरी रात अपनी बेटियों को ढूंढने की कोशिश की। लेकिन अगले दिन शवों की शिनाख्त हुई, तब पता चला कि जुड़वां बेटियां अब इस दुनिया में नहीं रहीं। याकूब के साहसिक कार्य से जहां लोग गर्व महसूस कर रहे हैं, वहीं उसकी बेटियों की मौत से सभी गमगीन हैं। याकूब की बहादुरी की चर्चा पूरे इलाके में हो रही है। लेकिन एक पिता का दर्द और बेटियों को खोने का गम उसकी आंखों में साफ झलक रहा है। स्थानीय लोग इस घटना को लेकर अस्पताल प्रशासन पर सवाल उठा रहे हैं। आग लगने के समय सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम न होने और वार्ड में अलर्ट सिस्टम के काम न करने को लेकर आक्रोश है।

धर्म परिवर्तन के मामले में 4 महिलाओं सहित 8 गिरफ्तार

एजेंसी

जौनपुर। मड़ियाहूं कोतवाली थाना अंतर्गत नगर पंचायत स्थित सदर गंज पश्चिमी मोहल्ले में रविवार देर शाम विनोद शिल्पकार के मकान में धर्म परिवर्तन का मामला प्रकाश में आया है। इसमें पुलिस ने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की शिकायत पर छापा मार कर धर्म परिवर्तन कराने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस मामले में सोमवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार मडियाहूं संजय कुमार वर्मा ने बताया कि बजरंग दल के प्रखंड संयोजक ने पुलिस से शिकायत किया कि नगर के सदर गंज पश्चिमी मोहल्ले में विनोद शिल्पकार के मकान में धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। सूचना पर थानाध्यक्ष अनिल कुमार फोर्स के साथ मौके पर पहुंच कर धर्म परिवर्तन करा रहे चुनार थाना क्षेत्र के नुआंव (छिलेहिया) निवासी संदीप सिंह पुत्र वकील सिंह सहित 08 लोगों को गिरफ्तार कर मौके से ईसाई धर्म की पुस्तकें, दवाइयां, क्रॉस चिन्ह बरामद किया है। बताया जा रहा है कि धर्म परिवर्तन कर रहे लोग गरीब बस्तियों में लोगों की बीमारी

ठीक करने व चमत्कार का झांसा देकर ईसाई धर्म परिवर्तन करा रहे थे। पुलिस चार महिलाओं सहित 08 लोगों को हिरासत में लेकर आवश्यक कार्यवाही में जुटी है। विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने बताया कि पिछले कई दिनों से सूचना मिल रही थी कि ईसाई मिशनरियों द्वारा गरीब दलित परिवारों को बहला फुसलाकर, उन्हें लालच देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। इस अवसर पर बजरंग दल के टीपू सेठ, सिद्धार्थ मौर्य, मनीष मिश्रा, रोहन चौरसिया सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए वेद आवश्यक :सांसद

- वैदिक ज्ञान जनोपयोगी बनाएं विद्वान -विधायक
- त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी
- वेद एवं वेदांगों पर हुआ गंभीर चिंतन
- वैदिक ज्ञान सर्व सुलभ एवं लोक कल्याणकारी हों

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। सांसद कुशीनगर विजय कुमार दूबे ने कहा कि भारतीय संस्कृति की रक्षा वेद संस्कृत और एकता से ही संभव है। सांसद श्री दूबे शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के आर्थिक सहयोग और महर्षि सांदीपनि वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन एवं श्रीनाथ संस्कृत महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी में उद्घाटन अवसर पर उपस्थित विद्वानों को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा हमारे देश की कभी राष्ट्रीय भाषा रही और जन जन में बोली जाती थी।समारी संस्कृति को मिटाकर अपनी संस्कृति को स्थापित करने के लिए तमाम विदेशियों ने प्रहार किया लेकिन हमारी एकता के कारण भारतीय संस्कृति आज भी सदियों से जीवंत है। उन्होंने वेद को जनोपयोगी बनाने एवं समस्त समाज के लिए सरल बनाने के लिए उपस्थित विद्वानों से आग्रह किया विशिष्ट अतिथि विधायक मोहन वर्मा ने कहा कि वैदिक संगोष्ठी में विद्वानों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले शोध पत्र जन जन के जीवन में उपयोगी साबित होगी और भविष्य में गंभीर विषयों पर शोध की आवश्यकता है जिससे भारतीय संस्कृति में नये आविष्कार कल्याण का मार्ग प्रशस्त करें। सारस्वत अतिथि एवं निदेशक सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन डॉ अखिलेश्वर मिश्र ने वेद के विषय में गंभीर जानकारी दी।बीज वक्तव्य प्रो मनोज कुमार मिश्र प्रयागराज ने दिया। उद्घाटन अवसर पर अध्यक्षता करते हुए प्रोफ़ेसर जयप्रकाश नारायण द्विवेदी ने कहा कि भारत वेद के कारण विश्व में जाना जाता है और जाना जाता है। भारत के विद्वानों को इसे जानने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज का विज्ञान हमारे वेदों तक नहीं पहुंच पाया है। वैदिक ज्ञान से ही हमारे देश में उत्तरा के छह महीने के गर्भ को दूसरे में सुरक्षित किया गया।जब आज का विज्ञान वैसा कर लेगा तभी माना जाएगा कि विज्ञान विकसित हो गया है। स्वागत करते हुए संगोष्ठी के अध्यक्ष गंगेश्वर पाण्डेय ने वेद और संगोष्ठी पर प्रकाश डाला। विद्वानों के विषय में परिचय संयोजक डॉ राजेश कुमार चतुर्वेदी ने किया और आभार प्रबंधक अग्निवेश मणि ने किया। प्रथम सत्र में अध्यक्षता प्रो ओमप्रकाश पाण्डेय लखनऊ, मुख्य वक्ता डॉ सुनील कात्यायन बीएचयू रहे। विशिष्ट वक्ता डॉ दिवाकर तिवारी, डॉ दीपक कुमार शर्मा, डॉ शिल्पा सिंह बीएचयू, डॉ चंद्रकांत शुक्ल प्रो शकुन्तला दीक्षित रहीं। डॉ चंद्रकांत शुक्ल ने उपनिषद् शब्द विमर्श, डॉ शकुन्तला दीक्षित ने वेदों की दृष्टि में ब्राह्मण, डॉ दीपक कुमार शर्मा ने वेदांग शिक्षा अंतर्गत रामस्वरूप विमर्श डॉ शिल्पा सिंह ने अथर्ववेद में काय चिकित्सा, डॉ सुनील कात्यायन ने भारतीय संस्कृति में यज्ञ स्वरूप विमर्श, सहित उपस्थित विद्वानों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता प्रोफ़ेसर देवेन्द्र नाथ पाण्डेय ने किया मुख्य वक्ता प्रो महेंद्र पाण्डेय एवं विशिष्ट वक्ता डॉ लक्ष्मी मिश्रा डी डी यू गोरखपुर,डा अभिमन्यु सिंह, डॉ अनिल पोरवाल, लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ अंबरीष मिश्रा छपरा रहे।इस दौरान डॉ संदीप कुमार पाण्डेय, संजय पाण्डेय, डॉ बशिष्ठ द्विवेदी, मोहन पाण्डेय, डॉ रामानुज द्विवेदी, सतीश चन्द्र शुक्ल, विनोद मणि, दिनेश भारद्वाज, संजय दुबे आदि शिक्षक उपस्थित रहे। संचालन डॉ सुधाकर तिवारी ने किया।

गन्ना क्रय केंद्र डुम्मर भार में पूजन अर्चन के साथ शुरू हुई गन्ने की तौल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। पडरौना तहसील क्षेत्र के डुम्मर भार में पेराई सत्र 2024 2025 में गन्ने की सप्लाई को लेकर गन्ना तौल केंद्र ढाढा चीनी मिल का शुभारंभ विधिवत पूजन अर्चन के साथ मिल के अधिकारियों और किसानों द्वारा पूजन अर्चन कर किया गया। सोमवार की सुबह क्रय केंद्र डुम्मर भार में स्थापित गन्ना तौल कांटे का शुभारंभ होने के पश्चात तौल शुरू किया गया। एरिया मनैजर सचितानंद पाण्डेय ने किसानों को तौल के बारे मे बताते हुए कहा की पर्ची मिलने पर ही गन्ने की कटाई करें और बिना मैसेज प्राप्त हुए कन्ने की कटाई न करें। 36 कु. की मोड़ पे 40 कु. की तौल होंगी। भरी गाड़ी 50 कु. खाली गाड़ी 10 कुंतल, शुद्ध गन्ने का वजन 40 कुंतल की पर्ची बनेगी इस प्रक्रिया का आपको मैसेज प्राप्त होगा। तौल के दिनांक से 72 घंटे तक मान्य रहेगी। उस के बाद उस पर्ची को निरस्त कर दिया जाएगा।

इस लिए समय से पहले साफ सुथरा ताजा गन्ना लाए।

अधिकारियों व किसानों का स्वागत एरिया सुपरवाइजर सुशील वर्मा सेंटर इंचार्ज आर्यन शर्मा व राजेश ने करते हुए किसानों से सहयोग की अपील की। इस अवसर पर सचितानन्द तिवारी,मनीष सिंह, होशील यादव, मुबारक, अफरोज, कमुरुदिन,राजकुमार, शैलेन्द, हदीस, गोबरी व स्थानीय किसान मौजूद रहे।

11 हजार हाई वोल्टेज तार की चपेट में आ जाने से 40 वर्षीय युवक की मौत

- बिजली विभाग पर स्थानीय लोगो ने लगाया लापरवाही का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। कसया थाना क्षेत्र के एक गाँव में 11 हजार हाई बोल्टेज विद्युत करंट की चपेट में आ जाने से व्यक्ति की मौत हों गईं द्य मिली जानकारी के अनुसार कसया थाना क्षेत्र के गांव करहिया हजारी पट्टी निवासी हरेंद्र पुत्र सवरु यादव उम्र 40 वर्ष की रविवार की शाम 11 हजार हाई वोल्टेज बिजली तार के संपर्क में आने से मौत हो गई। घटना के बावत स्थानीय लोगो ने बताया कि 11 हजार बोल्टेज का विद्युत तार घर की छत से मात्र दो से तीन फुट की ऊंचाई से होकर गुजरा है, जिसको लेकर कई बार विद्युत विभाग के अधिकारियो को तार दूसरी तरफ परिवर्तित करने की सूचना दिया जा चुका है।

लेकिन अधिकारियों द्वारा मौके पर आकर आज तक जांच नही की गई और आज यह घटना घटित हों गईं हैं ।

मृतक हरेंद्र का एक पुत्र व चार पुत्रीयाँ है।घटना को लेकर जहाँ मृतक परिवार में कॉफी दुःख व्याप्त है,तो वही विद्युत विभाग के खिलाफ ग्रामीणों में कॉफी आक्रोश भी व्याप्त है ।

हाटा में मंगल गीतों के बीच एक दूजे के हुए 267 जोड़े

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर । हाटा-नगर स्थित श्री गांधी स्मारक इंटर कालेज के खेल मैदान में सोमवार को ब्लॉक परिसर में सोमवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शादी समारोह का आयोजन किया गया। इसमें 267 जोड़े शादी के पवित्र बंधन में बंधे। यहां 244 हिंदू जोड़ों को आचार्य पं. शशांक पांडेय ने विधि विधान से शादी के सात फ़ेरे दिलाए। 23 मुस्लिम जोड़ों का निकाह इरफान कासमी ने संपन्न कराया

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लिये जिला समाज कल्याण कार्यालय में तहसील क्षेत्र के हाटा, मोतीचक व सुकरौली विकासखण्ड के साथ ही नगरपालिका हाटा, नगरपंचायत सुकरौली व मथऔलई बाजार के 267 जोड़ों ने शादी अनुदान हेतु आवेदन किया था । सोमवार को नगर के गांधी स्मारक इंटर कालेज के खेल मैदान मे सामूहिक शादी समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मंगलगीत, वेद मंत्र व नगाड़े के धुन से पूरा मैदान गुलजार रहा। सांसद विजय कुमार दूबे,ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि हाटा सुधीर राव, ब्लॉक प्रमुख सुकरौली रंजना पासवान, ब्लॉक प्रमुख मोतीचक अर्चना सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी विनय कुमार, नोडल अधिकारी राकेश, ज्वाइंट बीडीओ हाटा कमलेश सिंह, बीडीओ सुकरौली ऊषा पाल आदि शादी के बंधन में बंधने वाले जोड़ों को वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। सरकार द्वारा दिए जाने वाले 51 हजार रूपये में उपहार, दो साड़ी सेट, चुनरी, पैंट शर्ट, पगड़ी, डीनर सेट, ट्राली बैग के साथ विवाहित जोड़ों को 35 हजार रूपये की आर्थिक मदद के रूप में चेक दिया गया। उन्हें शादी का प्रमाण पत्र भी दिया गया।

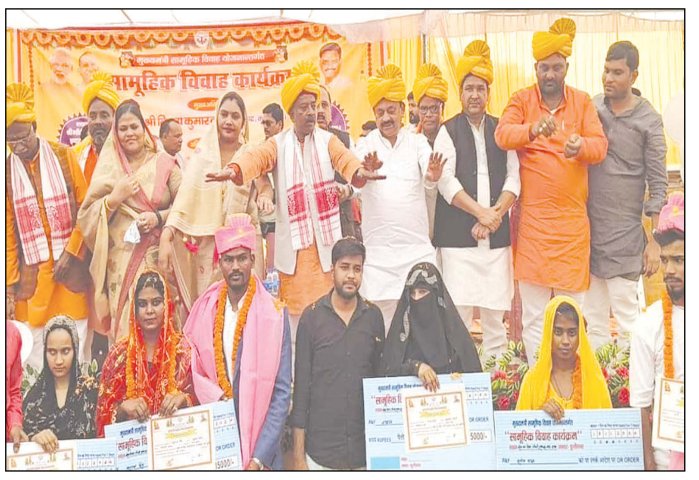

हिन्दू सनातन एकता संगठन महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष बनीं प्रतिमा मिश्रा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। हिन्दू सनातन एकता संगठन महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा के निर्देशन में प्रदेश अध्यक्षा मोहिनी जी ने श्रीमती प्रतिमा मिश्रा को जनपद कुशीनगर का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। कुटुंब एप से श्रीमती मिश्रा ने अपना परिचयपत्र भी प्राप्त कर लिया है। कसया तहसील क्षेत्र अंतर्गत झुंगवा निवासिनी श्रीमती मिश्रा पत्नी सूर्य प्रकाश मिश्रा हिन्दू धर्म, संस्कृति, परंपरा के निर्वहन, जागरूकता को लेकर हमेशा सजग रहती हैं। उनके सांगठनिक क्षमता को देखते हुए संगठन ने महिला विंग के जिलाध्यक्ष कुशीनगर की जिम्मेदारी सौंपी है। संगठन ने आशा व्यक्त किया है कि आप पूरी ईमानदारी व निष्ठा से संगठन के कार्यो को आगे बढ़ाएगी। उनके मनोनयन पर संगठन के राष्ट्रीय सचिव सीडी सिंह, राष्ट्रीय सचिव दीपेश, राष्ट्रीय कार्यकारिणी कुसुमलता, प्रदेश प्रभारी मनोज, जिलामंत्री संजय कुमार, जिला मंत्री विनोद सहित मोर्चा पदधिकारियो ने खुशी व्यक्त की है।

बीएचयू न्यूरोलॉजी विभाग ने निकाली आईएमएस गेट से जागरूकता रैली

एजेंसी

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के चिकित्सा विज्ञान संस्थान के न्यूरोलॉजी विभाग ने सोमवार को संस्थान कार्यालय के गेट से जागरूकता रैली निकाली। रैली में ''बैगनी बनारस'' अभियान के तहत सभी वरिष्ठ, जूनियर, न्यूरोलॉजी विभाग के कर्मचारी और छात्र बैगनी टीशर्ट में अस्पताल आए। मरीजों को ''मिर्गी नहीं है लाइलाज'' का संदेश देते रहे। जागरूकता रैली को हरी झंडी संस्थान के निदेशक प्रोफ़ेसर एस. शंखवार ने रवाना किया। इसका नेतृत्व न्यूरोलॉजी विभाग के प्रोफ़ेसर विजयनाथ मिश्र ने किया। इसके पहले संस्थान के निदेशक ने न्यूरोलॉजी विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए नए शोध के लिए प्रोत्साहित किया। उप चिकित्सा अधीक्षक सर सुंदर लाल चिकित्सालय एवं बाल रोग विभाग के अध्यक्ष प्रो. अंकुर सिंह ने बच्चों के मिर्गी रोग के बारे में जागरूक किया। प्रो.विजयनाथ मिश्र ने बताया कि हम जिला प्रशासन के साथ मिलकर पैरामेडिकल स्टाफ को यह प्रशिक्षण देने जा रहे है कि कैसे मिर्गी के लक्षण को पहचाने? । न्यूरोलॉजी विभाग पिछले 14 साल से पूर्वांचल के विभिन्न हिस्सों में जनजागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। उन्होंने कहा कि मिर्गी को लेकर विभाग द्वारा चलाए जा रहे जनजागरूकता कार्यक्रम के दौरान देखने को मिलता है कि मरीज के प्रति लोगों में घृणा है। कई बार रोग के झटके आने से लड़के-लड़कियों की शादी तक टूट जाती है। ससुराल में लड़कियों को झटका आने पर उनका जीवन नरक हो जाता है। ऐसे में मरीजों के प्रति सहानुभूति रखें, उसका इलाज करवाएं।

उन्होंने बताया कि कई महान क्रिकेटर, उद्योगपति और राजनेता मिर्गी बीमारी से पीड़ित है और दवा खाकर सामान्य जीवन यापन कर रहे है। रैली में प्रोफ़ेसर आर. एन. चौरसिया, प्रोफ़ेसर दीपिका जोशी, डॉक्टर आनंद, डॉक्टर वरुण, प्रोफ़ेसर रोयाना सिंह ने भी भागीदारी की।

रात 10 बजे के बाद नहीं बजेगा डीजे:कोतवाल

- शादी-विवाह के दौरान पडरौना शहर में डीजे नहीं बजाने की दी हिदायत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पडरौना कुशीनगर। कोतवाली परिसर में रविवार की शाम होटल संचालकों के साथ बैठक में सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई। हर समय सीसीटीवी को एक्टिव मोड में रखने और रात 10 बजे के बाद शादी-विवाह के दौरान डीजे नहीं बजाने की हिदायत दी गई।

इसको लेकर शादी-विवाह वाले घरों के आयोजकों को भी जागरूक करें।

इंस्पेक्टर रवि कुमार राय ने वाहनों की पार्किंग सुव्यवस्थित तरीके से कराने को कहा। बताया कि ठंड के मौसम में कोहरा होने से चोरी की घटनाओं को संदिग्ध अंजाम देते हैं। इन घटनाओं पर रोकथाम लगाने के लिए पुलिस हर समय तैयार है। होटल संचालक कैमरे को हमेशा ऑन रखें ताकि किसी घटना की जांच करने में आसानी हो सके और संदिग्ध की भी पहचान समय रहते हो जाए।

डीजे के तेज आवाज से कमजोर दिल वाले लोगों पर असर पड़ता है। ध्वनि सीमित रखें ताकि आसपास रहने वाले लोगों को किसी तरह परेशानी न हो। इस दौरान प्रमोद गुप्ता, राहुल शर्मा, सतीश कुमार पांडेय, अखलाक खान, किंशुक रजा, परशुराम आदि रहे।

विद्युत पेंशनर्स परिषद का 36वां वार्षिक अधिवेशन आज

लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश विद्युत पेंशनर्स परिषद का 36वां वार्षिक अधिवेशन19नवम्बर, 2024 को गाँधी प्रेक्षागृह में होगा जिसमें मुख्य अतिथि डा. आशीष कुमार गोयल, आई.ए.एस. अध्यक्ष, उ.प्र.पावर कारपोरेशन लि. एवं अन्य सहयोगी ऊर्ज़ा निगम होंगे। इस सम्बन्ध में परिषद के अध्यक्ष भारत भूषण गोयल एवं प्रमुख महासचिव कप्तान सिंह नेबताया कि अधिवेशन में लखनऊ सहित प्रदेश के विभिन्न जनपदों के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित होंगे ।

युवा काव्य रचनाओं से गूंजा यूपी प्रेस क्लब

लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। 18नवंबर नवयुवा साहित्य समिति के तत्वावधान में युवा कवि सम्मेलन का आयोजन राजधानी लखनऊ के यूपी प्रेस क्लब में किया गया। जिसमें विद्या, साहित्य और वाणी की देवी सरस्वती पर माल्यार्पण के उपरांत सरस्वती वंदना का काव्यपाठ हुआ। लगभग चालीस युवा कवियों के इस कवि सम्मेलन में हालिया पेपर लीक घटना की त्रासदी से लेकर महंगाई,प्रेम,समाज और राजनीति पर धारदार रचनाएं पढ़ी गयीं। नवयुवा साहित्य समिति के संस्थापक शैलेष माही सहित सचिन सीतापुरी, रत्नेश अनुराग, मीनाक्षी सिंह,शिवांशु अवस्थी आदि ने इस सफल आयोजन में सक्रिय योगदान किया। संचालन का दायित्व संस्था के महासचिव रोहित सिरफिरा ने निभाया। कवि सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में अनीता सहगल और विशिष्ट अतिथि बिंदु प्रकाश ने सभी कवियों को नवयुवा साहित्य समिति का प्रतीक चिह्न और सहभागिता प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया।

तीन महीने से मोबाइल पर बिल ही नहीं आ रहा: कब दूर होगी समस्या राजधानी में ये हाल है बिजली विभाग का

लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता। राजधानी के अधिकांश विद्युत उपभोक्ताओं, जिनके यहां स्मार्ट मीटर लगे हुए हैं के मोबाइल पर तीन महीने से बिजली का बिल नहीं आ रहा है। उपभोक्ता जब इंतजार करने के बाद रीडिंग नोट करके लेकर उप केन्द्र पर जमा करने जाता है तो जमा करने वाला कहता है कि आपका बिल कंम्पयूटर पर ही नहीं शो कर रहा है थोड़ा और इंतजार कर लीजिए या बाबू से बिल बनवाकर लाइये तब जमा होगा?। जुलाई महीने तक बिल 4 तारीख तक मोबाइल पर आ गया था। आमतौर पर हर महीने की 4 या 5 तारीख तक बिल लोगों के मोबाइल पर आ जाता है। अगस्त, सितंबर माह का बिल नहीं आया और अब अक्तूबर का भी बिल आज 18 नवंबर तक अनेक उपभोक्ताओं के मोबाइल पर नहीं आया है। ये समस्या किसी एक क्षेत्र की न होकर पूरे शहर की है। विद्युत उपकेंद्र पर रीडिंग नोट कर लेकर जाने पर वही जवाब मिल रहा है कि सैकड़ों लोगों का बिल इस महीने भी अभी तक कंम्पयूटर पर शो नहीं कर रहा है। थोड़ा इंतजार कर लें या बिल बनवाकर लाइये तभी जमा होगा। बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इस ओर कब ध्यान देंगे ? मजे की बात यह है तीन महीने से न तो बिल मोबाइल पर आ रहा है, न ही लेसा का कोई जिम्मेदार ये बता रहा है कि ये समस्या क्यों है और कब तक दूर होगी ? अधिकांश क्षेत्रों में तो मीटर रीडर भी आता नहीं है, कुछ को छोड़ दीजिए तो अधिकांश उपभोक्ता बिजली का बिल हर महीने समय से करता है, तीन महीने से मोबाइल पर बिल न आने से उसे विद्युत उपकेंद्र के चक्कर लगाने पड़ रहें हैं।

पाँच अन्तराज्यीय पशु तस्कर गिरफ्तार, भेजे गए जेल

कुशीनगर। जनपद के कसया पुलिस ने अन्तर्राज्यीय पशु तस्करी गैंग का पर्दाफाश कर एक डीसीएम वाहन में क्रूरता पूर्वक लाद कर वध हेतु ले जाए जा रहे 45 राशि पशु 12 भैंस, 33 पड़वा के साथ पांच पशु तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र के निर्देशन में जनपद में पशु तस्करी के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में 18 नवम्बर 2024 को थाना कसया पुलिस टीम द्वारा एक अदद डीसीएम वाहन संख्या यचपी 93 ए 6276 में क्रूरता पूर्वक लाद कर वध हेतु ले जा रहे कुल 45 राशि पशु 12 भैंस, 33 पड़वा के साथ 05 नफर अभियुक्त आसिफ पुत्र सर्फु निवासी मड़ीयाहीं थाना सरधाना जनपद मेरठ, मोहम्मद फिरोज पुत्र स्व0 मोहम्मद तस्लिम निवासी ब्रम्हपुरा मेहदी हसन चौक थाना ब्रम्हपुरा जनपद मुजफ्फरपुर बिहार, मोहम्मद इकबाल पुत्र मोहम्मद पीरू निवासी कमरुद्दीन नगर थाना सरधाना मेरठ, ओंकार पुत्र रूपलाल निवासी कुंडलू थाना नालागढ़ जनपद सोलन हिमांचल प्रदेश, विशाल पुत्र देशराज निवासी छम्बभुजास थाना स्वारघाट जनपद बिलासपुर हिमांचल प्रदेश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। तस्करो को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्र0नि0 गिरिजेश उपाध्याय, उ0नि0 गौरव कुमार शुक्ल चौकी प्रभारी कुशीनगर, उ0नि0 सुजीत कुमार पाण्डेय, मुख्य आरक्षी साहिल यादव, आरक्षी शिव बिलास मिश्र शामिल रहे।

संदिग्ध हालात में युवक ने की आत्महत्या

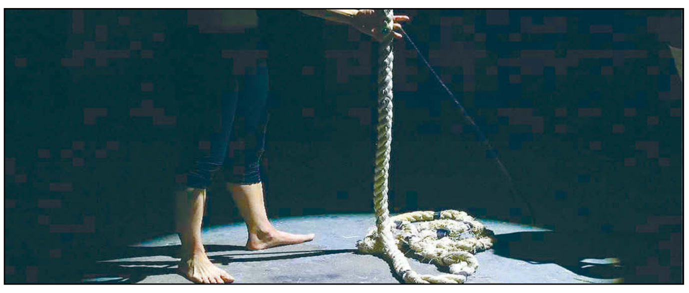

एजेंसी

जौनपुर। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के मुरादगंज टीचर्स कॉलोनी में सोमवार दोपहर को एक व्यक्ति की लाश संदिग्ध अवस्था में फांसी पर लटकती हुई मिली। लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की छानबीन में जुटी है।

जफराबाद थाना क्षेत्र के मोहद्दीनपुर गांव निवासी सुजीत कुमार यादव (35) पुत्र ईश्वर देव यादव कुछ दिन पूर्व से टीचर कॉलोनी में स्थित राजेंद्र चौहान के मकान में किराए पर रहा करता था। सोमवार को दो बजे कुछ लोगों ने उसकी लाश खिड़की के सहारे लटकी हुई देखा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मृतक की फंदे पर लटकता हुआ शव देखा गया। उसका दोनों पैर जमीन पर था। इससे लोग अनुमान लगा रहे हैं कि उसकी हत्या करके शव फंदे पर लटका दिया गया है, ताकि लोग इसे आसानी से आत्महत्या समझ लें।

इस घटना को लेकर जितना मुंह उतनी बातें कही जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची लाइन बाजार थाने की पुलिस ने मौत का सही कारण जानने के लिए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। इस मामले में थाना अध्यक्ष लाइन बाजार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। युवक की मौत आत्महत्या है या हत्या पूरी जांच पड़ताल की जा रही है अभी परिवार की तरफ से तहरीर नहीं प्राप्त हुई है।

गायत्री मंत्र से होता है मानव दु:ख दूर : डॉ गायत्री

एजेंसी

गोरखपुर । अखिल विश्व गायत्री परिवार, शान्तिकुंज, हरिद्वार के सतत मार्गदर्शन में गायत्री परिवार रचनात्मक ट्रस्ट, गोरखपुर के द्वारा राप्तीनगर क्षेत्र के गणेशपुरम कॉलोनी में पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं विराट दीप यज्ञ का आयोजन हुआ । युग परिवर्तन की बेला में जन जन के लिए उज्ज्वल भविष्य एवं दिर्घायु जीवन हेतु प्रार्थना कर आहुति प्रदान किया गया। कार्यक्रम को गायत्री तीर्थ, शान्तिकुंज हरिद्वार से ब्रह्मवादिनी बहिन प्रो. डॉ गायत्री, डॉ मृदुला पाण्डेय एवं कुमारी प्रतिभा की टोली ने सम्पन्न कराया, मुख्य अतिथि के रूप में लोकप्रिय भोजपुरी गायक राकेश श्रीवास्तव, समाजसेवी प्रवीण श्रीवास्तव एवं शिवेंद्र त्रिपाठी ने यज्ञ कर प्रार्थना किया। कार्यक्रम के दौरान ब्रह्मवादिनी बहिन प्रोफ़ेसर गायत्री दीदी ने कहा कि आज पूरे विश्व मे हाहाकार मचा हुआ है।

मन मे शोक, शरीर मे रोग, परिवार में कलह, समाज मे भय का वातावरण बना हुआ है। मानव मन अशांत है विषमताओं से मानव जाति जूझ रही है। इसके पीछे मानव का अंतराल है :- अचित्य चिंतन के कारण मनुष्य पृथ्वी पर सबसे खतरनाक प्राणी बन चुका है। दुनिया जो कुछ समस्याएं दिख रही है, इसका कारण मानव मस्तिष्क ही है। इसलिए मानव मस्तिष्क को साफ करने के लिए परिष्कृत करने का जो मन्त्र है वह है गायत्री महामंत्र।

दुर्बुद्धि को दूर कर सद्बुद्धि प्रदान कर मनुष्य को देवत्व की ओर प्रेरित करने का महामन्त्र गायत्री मंत्र ही है, मनुष्य में देवत्व का उदय धरती पर स्वर्ग का अवतरण का आधार केवल गायत्री महामन्त्र है। सायं 4 बजे से दीप यज्ञ का कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसमे 501 दीपों को प्रज्वलित कर वैदिक मंत्रों से सूक्ष्म आहुति प्रदान की गई। जिसमे मुख्य अतिथि के रुप में डिप्टी डायरेक्टर श्रम एवं सेवायोजन गोरखपुर रास बिहारी चतुर्वेदी, पूर्व महापौर डॉ सत्या पाण्डेय, महामंडलेश्वर किन्नर अखाड़ा पूज्य किनकेश्वरी नंद गिरी एवं समाज सेवी सुधा मोदी जी दीप प्रज्वलित कर दीप महायज्ञ का शुभारंभ किए। कार्यक्रम में पर्यावरण से संरक्षण हेतु पौधों का वितरण होना है। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार मुख्य ट्रस्टी दीना नाथ सिंह ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आशीष पाण्डेय, राजेश श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, अनिल कुमार, कुंदन वर्मा पूरब, संजीव तिवारी, मनोज पाल, देवेंद्र पाण्डेय, राम लखन श्रीवास्तव, धीरेंद्र श्रीवास्तव, रितेश जायसवाल, संजय दुबे, विमल सिंह, अर्चना श्रीवास्तव, नामिता पाल, कमलेश सिंह, नीलम पाण्डेय, रंजना वर्मा, शोभना मद्देशिया, कलावती मौर्य, मीरा वर्मा, डॉ अनिता पाण्डेय सहित भारी संख्या में जन उपस्थित रहे।

एसपी ने सुनीं जन समस्याएं दिए अफसरों को निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। जिले के पुलिस अधीक्षक विनीत जयसवाल ने प्रतिदिन की भांति सोमवार को भी पुलिस कार्यालय में जनता दर्शन में जनसुनवाई कर जन सामान्य की समस्याओं को सुना गया तथा सम्बन्धित को आवश्यक निर्देश दिए गए।पुलिस अधीक्षक ने पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की गई।इस दौरान पुलिस कार्यालय में आने वाले फरियादियों जनसामान्य की समस्याओं को गम्भीरता पूर्वक सुना गया।

तथा उनकी समस्याओं के समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए सम्बन्धित अफसरों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए,जिसमें पुलिस अधीक्षक द्वारा प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में मौके पर जाकर शिकायतों की तत्काल,निष्पक्ष जांच कर विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया तथा शिकायतकर्ता से समय-समय पर जनसामान्य की समस्याओं के निस्तारण के सम्बन्ध में फीड बैक लिये जाने से सम्बन्धी आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ने सभी थानों को सचेत किया गया कि जनसुनवाई महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित,शिकायत कर्ता को अनावश्यक रुप से अपने थाने से इतनी दूर पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता नहीं हो, साथ ही सभी प्रभारी निरीक्षक थानाध्यक्ष को यह भी निर्देश दिये गये कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध तरीके से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें ।

पशुधन जागृति अभियान अन्तर्गत आयोजित हुआ जागरूकता शिविर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । पशुपालन व डेयरी विभाग, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में विकास खण्ड चित्तौरा के ग्राम ललगढ़हा में सदर विधायक श्रीमती अनुपमा जायसवाल के प्रतिनिधि अशोक जयसवाल की उपस्थिति में पशुधन जागृति अभियान पशु प्रजनन उर्वरता शिविर एवं सधन जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया।

शिविर को सम्बोधित करते हुए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश उपाध्याय क्षरा शिविर में मौजूद पशुपालकों को पशुओं को स्वस्थ्य रखने तथा बीमारियों से बचाव के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। पंड़ित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय मथुरा से आये हुय प्रोग्राम नोडल अधिकारी डॉ. जितेन्द्र अग्रवाल ने पशुपालको को पशुओं में बाझंपन की समस्या के समाधान तथा दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के सम्बन्ध में नवीन जानकारी प्रदान की। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि दुग्ध का उत्पादन बढ़ने से कृषक अपनी आय को दोगुना कर सकते हैं। शिविर में मौजूद इंडियन इमिनोलॉजिकल के प्रतिनिधि सीनियर एक्जिक्युटिव अभियन्ता रिपुसुधन दुबे ने पशुओं में बीमारी की रोकथाम हेतु टीकाकरण की उपयोगिता एवं आवश्यकता के बारे में पशुपालको को महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। शिविर के दौरान उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी/पशु चिकित्साधिकारी डॉ. इस्लामुद्दीन, डॉ. धीरज वर्मा, डॉ. कुलदीप वर्मा, डॉ. प्रवेश मिश्रा, डॉ. अर्चना सचान एवं पशुधन प्रसार अधिकारी रवि कुमार निषाद, मनोज यादव, सुनील वर्मा, श्रीमती रीता यादव के द्वारा जागृति शिविर में आये हुये लगभग 400 पशुपालकों को पशुपालन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रदान की तथा शिविर में पशुओं की आवश्यकतानुसार चिकित्सा एवं औषधि का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी पशुधन विकास डॉ. बीनू पाण्डेय द्वारा किया गया।

मालवीय नगर में बिना नक्शा स्वीकृति के ही धड़ल्ले से बन रहे हैं मकान: जिम्मेदार बेखबर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। नगर पालिका परिषद क्षेत्र में यह नियम है कि बिना नक्शा की स्वीकृति के मकान नहीं बनाना है।लेकिन नगर पालिका परिषद क्षेत्र में बिना नक्शा के ही शहर में

लगातार भवन का निर्माण किया जा रहा है।इस ओर किसी का भी ध्यान नहीं है।ये भवन मानक के अनुसार है या नहीं इसकी भी जांच नहीं हो रही है।

भवन निर्माणकर्ता स्वयं ही अपने मकान के आर्किटेक्ट बने हुए हैं।

अपनी मर्जी से मकान का निर्माण जारी है।ये मकान आने वाले दिनों में नगर के लिए चुनौती बन कर खड़ा हो जाएंगे। भगवान न करे अगर कभी भूकंप आदि आया तो ऐसे मकान गिर कर दर्जनों जान ले सकते हैं।

इतना ही नहीं नगर में कई पुराने जर्जर मकान भी जानलेवा बन चुके हैं।

शहर में नहीं बच रही नजूल जमीन हो रहे निर्माण

इसे भूमाफिया व नौकरशाही का गठजोड़ कहें या कुछ और ! जिला मुख्यालय पर ही सरकारी जमीन व नजूल भूखंड कब्जे किए जा रहे हैं।शहर में नजूल की जमीन पर बिना फ्री होल्ड और बिना नक्शे के ही मकान तो कहीं बहुमंजिली इमारतें खड़ी हो रही हैं।न ही कहीं कोई अनुमति और न ही मानचित्र फिर भी धड़ल्ले से नजूल भूखंडों पर हो रहे निर्माण सरकारी एजेंसियों पर सवाल खड़े कर रहे हैं।शहर के पांडे बाजार पुलिस चौकी क्षेत्र के कृपालु आश्रम के पास मालवीय नगर में एक बहुत बड़ा भूभाग नजूल यानी सरकारी है।

कब्जा किसी का भी हो बगैर फ्रीहोल्ड कराए स्वामित्व नहीं मिल सकता।बावजूद इसके हैरत की बात यह है कि इन इलाके में एक तीन मंजिला मकान धड़ल्ले से बन रहे हैं।

इन इलाकों की सरकारी जमीन पर हो रहे निर्माण को पर्दा डालकर किया जा रहा है।सामने से पर्दा और पीछे बन रही हैं बहुमंजिली इमारतें ख़डी हो रही है।और जिम्मेदार सिर्फ खानापूर्ति कर रहे हैं।वही पालिका हो या विनियमित क्षेत्र प्राधिकारी दफ्तर के कर्मी अथवा जिला प्रशासन के अफसर शिकायतें पहुंची तो निरीक्षण कर बस नोटिस या संबंधित खानापूर्ति कर ली जाती है।

अवैध निर्माण में सैकड़ो मुकदमे है लंबित

अवैध निर्माण के लंबित हैं सैकड़ो मुकदमे विनियमित क्षेत्र प्राधिकारी दफ्तर पर जिम्मा है अवैध निर्माण पर कार्रवाई करने का अथवा न होने देने का..।बावजूद इसके ये दफ्तर मौन रहता है। आफिस के कर्मी सिर्फ कागजी कार्रवाई भी सिर्फ उतनी ही करते हैं जितनी से उनकी नौकरी चलती रहे।सूत्र बता रहे है कि करीब सैकड़ो अवैध निर्माण के मामलों की फाइलें लंबित हैं। इनमें आरोपी अवैध निर्माणकर्ताओं को सम्मन जा चुके हैं और साक्ष्य के लिए तलब किया जा चुका है।शहर में बगैर मानचित्र निर्माण के सैकड़ो से ज्यादा मामले हैं। नजूल भूमि पर कब्जेदारों द्वारा निर्माण के अधिकांश मामलों पेशी हो रही है तारीखें पड़ रही हैं, लेकिन अंतिम निपटारा लंबित है।

गोरखपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस पर पथराव कई बोगियों में खिड़कियों के कांच टूटे

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । गोरखपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस की जनरल बोगियों पर रविवार देर रात पथराव का मामला सामने आया। जिसके कारण यात्रियों के बीच दहशत फैल गई।यह घटना गोंडा और करनैलगंज के बीच स्थित मैजापुर रेलवे स्टेशन के पास हुई।यात्रियों के अनुसार,जब ट्रेन तेज़ गति से आगे बढ़ रही थी,तभी अचानक एक तेज़ आवाज़ आई और कोच की खिड़की पर पत्थर लगने शुरू हो गए।पथराव की वजह से कोच की खिड़की टूट गई है लेकिन गनीमत रही कि इस घटना में किसी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई। घटना के बाद ट्रेन के कर्मचारियों और सुरक्षा अधिकारियों को सूचित किया गया और गोंडा जीआरपी व आरपीएफ की टीम को भी इसकी जानकारी दी गई।पुलिस द्वारा घटनास्थल के आसपास की सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों की छानबीन की जा रही है ताकि पथराव करने वालों की पहचान की जा सके।

ट्रेन में यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल

यह घटना यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़ा करती है क्योंकि तेज़ गति से चल रही ट्रेन पर पथराव करने से न केवल यात्रियों में डर का माहौल बन गया बल्कि किसी बड़ी दुर्घटना का भी खतरा उत्पन्न हो सकता था।जीआरपी ने यात्रियों को आश्वासन दिया है कि जल्द ही आरोपियों का पता लगाकर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।यात्रियों ने रेलवे सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।यह जानकारी गोरखपुर इंटरसिटी ट्रेन में यात्रा कर रहे अमरजीत चौरसिया ने ट्विटर पर शेयर की और कोच की टूटी हुई खिड़की की फोटो भी अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट की है।

न्याय के लिए लड़ रही वृद्ध महिला ने डीएम से लगाई मदद की गुहार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। अपने अधिकार के लिए अकेले संघर्ष कर रही वृद्ध गरीब महिला ने जिलाधिकारी से मदद मांगते हुए उसके हिस्से की जमीन उसे दिलाने की गुहार लगाई है मामला कर्नलगंज तहसील अंतर्गत ग्राम सभा बरबटपुर की निवासिनी महिला मुन्नी देवी पत्नी कृपाराम का है।जिसने जिलाधिकारी नेहा शर्मा को शिकायती प्रार्थना पत्र देते हुए मदद की गुहार लगाई है।अपने प्रार्थना पत्र में महिला ने बताया कि,उसके पति कृपाराम के नाम जमीन गाटा संख्या 67/1.0720 का आधा अंश गांव मलौना में स्थित है।जिसे महिला के देवर देशराज पुत्र रामलखन के द्वारा जबरन कब्जा कर लिया गया है,और महिला को जोतने बोने से जबरन दबंगई व गुंडई के बल पर मना कर रहे हैं। जिसको लेकर वृद्ध महिला ने प्रार्थना के माध्यम से जिलाधिकारी से गुहार लगाकर कार्रवाई करते हुए न्याय दिलाने की मांग की है।उक्त मामले में उप जिलाधिकारी भारत भार्गव ने बताया कि शिकायती प्रार्थना पत्र पर जांच के आदेश दिए गए हैं जिससे न्यायोचित कार्रवाई की जा सके।

वैदिक मंत्रो के बीच चीनी मील का हुआ शुभारंभ

❑ जरवल रोड आईपीएल चीनी मील के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि उप गन्ना आयुक्त आर.बी.राम ने गन्ना किसान पवन व सिद्धेश्वर शुक्ला को किया सम्मानित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जरवल बहराइच। जरवल रोड स्थित आईपीएल चीनी मील का सुभारम्भ यज्ञाचार्य सुनिधि देव मिश्रा व पंडित राम कुमार मिश्रा द्वारा वैदिक मंत्रोचार्य के साथ व हवन पूजन कर किया गया।

मुख्य अतिथि उप गन्ना आयुक्त आर.बी.राम ने गन्ना लेकर मिल आए प्रथम किसान पवन कुमार व सिद्धेश्वर दत्त शुक्ला को तिलक लगाकर व मिष्ठान खिला कर तथा अंगवस्त्र भेंटकर किया सम्मानित। मुख्य अतिथि डिप्टी सीसी ने चीनी मिल के अधिकारियों और क्षेत्रीय किसानों एवं गणमान्य लोगों के साथ डोंगें में गन्ना डालकर पेराई सत्र 24-25 का शुभारंभ किया।उप गन्ना आयुक्त ने कहा कि जल्दी मिल चलने से किसान अपनी पेडी गन्ने को बेंचकर गेहूं की बुवाई भी कर सकते हैं। इससे किसानों को दोहरा लाभ होगा। इस बार छोटे किसानों को जल्दी पर्ची देने की व्यवस्था सरकार ने की है।

आईपीएल महा प्रबंधक टी.एस. राणा ने कहा बताया कि किसानों की मांग पर समय से मिल का संचालन कर दिया गया है। किसान भाई साफ सुथरे गन्ने की आपूर्ति करें।उन्होंने कहा कि बुवाई का समय चल रहा है। किसान भाई नए और उन्नतिशील प्रजाति के गन्ने की बुवाई करे। इस अवसर पर गन्ना महाप्रबंधक सी.पी.सिंह,चीफ केमिस्ट अरविंद देशवाल, चीफ इंजीनियर बीपी यादव, लेखा अधिकारी अजीत कुमार सिंह, सैकड़ो किसान व गणमान्य मौजूद रहे।

अधि.अभि. जल निगम व सम्बन्धित अधि.अभि. विद्युत तथा ग्राम सचिवों का डीएम ने रोका वेतन

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला पोषण/कन्वर्जेन्स समिति की समीक्षा बैठक के दौरान आंगनबाड़ी केन्द्रों हेतु पूर्व में धनराशि आवंटन के बावजूद रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, रंगाई पुताई एवं सामान्य मरम्मत मद, वाह्य विद्युत संयोजन तथा पानी की टंकी स्थापित कर वाटर सप्लाई का कार्य पूर्ण न होने पर जिलाधिकारी मोनिका रानी कड़ी नाराज़गी जताते हुए अग्रिम आदेशों तक अधि.अभि. जल निगम, सम्बन्धित क्षेत्रों के अधि.अभि. विद्युत एवं सम्बन्धित ग्राम पंचायतो के पंचायत सचिव का वेतन बाधित करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही सभी सम्बन्धित अधिकारियों को सचेत किया है कि यथा शीघ्र कार्यों को पूरा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें अन्यथा की स्थिति में कठोर कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

दिव्यांगता चिन्हांकन एवं परीक्षण शिविर 20 नवम्बर से

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता। मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र ने बताया कि एडिप योजना के अन्तर्गत जनपद बहराइच के दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकतानुसार जीवन सहायक यंत्रों एवं उपकरणों के नि:शुल्क वितरण के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी के निर्देश पर 20 नवम्बर से 27 नवम्बर 2024 तक भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम लि. कानपुर के विशेषज्ञों द्वारा दिव्यांगजनों की पात्रता की जांच एवं उनकी आवश्यकतानुसार सहायक उपकरण हेतु चिन्हीकरण किया जायेगा। दिव्यांगता चिन्हांकन एवं परीक्षण शिविर के लिए निर्धारित रोस्टर के अनुसार विकास खण्ड विशेश्वरगंज, पयागपुर एवं हुज़ूरपुर के लिए ब्लाक मुख्यालय पयागपुर में 20 नवम्बर 2024, चित्तौरा एवं रिसिया के लिए ब्लाक मुख्यालय चित्तौरा में 21 नवम्बर, बलहा एवं नवाबगंज के लिए ब्लाक मुख्यालय नवाबगंज में 22 नवम्बर, मिहींपुरवा के लिए ब्लाक मुख्यालय मिहींपुरवा में 23 नवम्बर, बहराइच सदर हेतु तहसील परिसर बहराइच में 25 नवम्बर, शिवपुर, महसी एवं तेजवापुर के लिए ब्लाक मुख्यालय महसी में 26 नवम्बर तथा ब्लाक फखरपुर, कैसरगंज एवं जरवल हेतु ब्लाक मुख्यालय कैसरगंज में 27 नवम्बर 2024 को पूर्वान्ह 10:30 बजे से अपरान्ह 04:00 बजे तक शिविर का आयोजन होगा। सीडीओ श्री चन्द्र ने जिले के दिव्यांजनों से अपील की है कि शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठायें।

सन्दर्भ निस्तारण में शिथिलता पर एडीओ पंचायत का वेतन बाधित

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता। आई.जी.आर.एस. संदर्भ संख्या 92418000045214 दिनांक 29 अक्टूबर 2024 का सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) जरवल बृजेश कुमार सिंह द्वारा नियत तिथि/निर्धारित समयान्तर्गत निस्तारण/कार्यवाही न किये जाने के कारण उक्त प्रकरण डिफाल्टर की श्रेणी में प्रदर्शित हुआ है। जिससे जनपद की रैकिंग प्रभावित हुई। इस स्थिति का कड़ा संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी द्वारा अग्रिम आदेशों तक सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) जरवल का वेतन बाधित किया गया है।

ट्रांसपोर्टेशन के नाम पर कृषकों को नहीं देनी है कोई धनराशि: डीडी एग्री

बहराइच कैनविज टाइम्स संवाददाता। उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही ने बताया कि जिले के कई कृषकों द्वारा दूरभाष एवं कार्यालय आकर अवगत कराया गया है कि वर्ष 2024-25 हेतु सोलर पम्प स्थापना हेतु मो.न. 9038906224 द्वारा ट्रांसपोर्टेशन के नाम पर रू. 1,250=00 की मांग की जा रही है। श्री शाही ने बताया कि कृषकों को सोलर पम्प स्थापना हेतु किसी प्रकार की कोई भी धनराशि अब नहीं देनी है। ट्रांसपोर्टेशन एवं इंस्टालेशन आदि समस्त प्रकार की फीस कृषक अंश की धनराशि जमा करते समय शासन द्वारा जमा करा ली जाती है। ट्रांसपोर्टेशन के नाम पर किसी भी प्रकार के शुल्क की माँग के लिये आपूर्तिकर्ता फर्म तथा विभाग द्वारा किसी कृषक को फोन नहीं किया जा रहा। उप निदेशक श्री शाही ने साईबर अपराध करने वाले अपराधियों द्वारा सुनियोजित तरीके से ठगी करने के उद्देश्य से कृषकों को फोन किया जा रहा है। उन्होंने कृषकों को सुझाव दिया है कि सतर्क रहकर ऐसे लोगों से बचे तथा इस प्रकार की फोन कॉल आने पर कृषि विभाग के कर्मचारियों से संपर्क करें तथा पुलिस में तुरन्त शिकायत दर्ज करा दें।

स्कूटी से जा रहे सहायक अध्यापक को बोलेरो ने मारी टक्कर, मौत

हमीरपुर। सोमवार को सुमेरपुर थाना क्षेत्र के पंधरी गांव के कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय के सहायक अध्यापक की स्कूटी में सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे सहायक अध्यापक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसे एंबुलेंस की सहायता से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।

जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार चंदपुरवा बुजुर्ग निवासी रघुनाथ प्रजापति (35) पंधरी के कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद पर तैनात थे। सोमवार को वह पढ़ाने के लिए बिना हेलमेट लगाए स्कूटी से जा रहे थे। तभी पुरानी रजत पेपर मिल के पास बांदा मार्ग पर सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने घायल को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें देखते ही मृत घोषित कर दिया। उधर टक्कर मारने के बाद बोलेरो चालक मौके से भाग निकला।

झांसी मेडिकल कॉलेज के हादसे के बाद भी, नहीं टूटी गोण्डा के सुस्त सिस्टम की नींद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । बेसमेंट में वार्ड बनाने वाले अस्पतालों पर कार्रवाई हो।जिन अस्पतालों के पास फायर एनओसी नहीं है उन पर सील लगाई जाए।जहां आग से लड़ने के बंदोबस्त न हों उन सभी नर्सिंगहोम को बंद कराया जाए।बगैर मानक पूरे किए अस्पताल चलाने वालों के खिलाफ मुकदमा हो। लेकिन यह सब होगा तभी जब अधिकारियों को कमियां नजर आएंगी।झांसी मेडिकल कालेज में आग लगने से हुई दस बच्चों की मौत से शायद सो रहे सिस्टम की नींद टूट जाए।अफसर अस्पतालों में सुरक्षा के मानक चेक करने निकलें और शासन से भी लंबे चौड़े आदेश जारी हों।इन सब आदेश निर्देशों के शोर के बीच गोण्डा के सुस्त सिस्टम की नींद अभी नहीं टूटी है।

क्या बेसमेंट में वार्ड बनाने वाले पर होंगी कार्रवाई,

वही जिन अस्पतालों के पास फायर एनओसी नहीं है उन पर सील लगाई जाए।जहां आग से लड़ने के बंदोबस्त न हों उन सभी नर्सिंगहोम को बंद कराया जाए।बगैर मानक पूरे किए अस्पताल चलाने वालों के खिलाफ मुकदमा हो। लेकिन यह सब होगा तभी जब अधिकारियों को कमियां नजर आएंगी।मगर यहां तो अधिकारी केवल सब अच्छा-अच्छा ही देखते हैं और सब कुछ ठीक है कहकर लौट आते हैं।....इसकी वजह आप भी जानते हैं और हम भी। गोण्डा में दर्जनों अस्पतालों पर नहीं है फायर की एनओसी,

लापरवाही की भी हद है।गोण्डा में स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों में जो अस्पताल पंजीकृत हैं उनकी संख्या सैकड़ो है लेकिन कुछ ही लोगो के पास फायर ब्रिगेड की एनओसी ही नहीं है।इससे साफ है कि यह अस्पताल सुरक्षा के मानकों को पूरा नहीं कर रहे हैं।जबकि फायर ब्रिगेड विभाग द्वारा इन अस्पतालों को कई दफा नोटिस जारी किए जा चुके हैं।लेकिन दमकल विभाग के अधिकारी भी केवल नोटिस-नोटिस खेलने में ही लगे हुए हैं।वह भी इससे आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं सैकड़ो से अधिक अस्पतालों में से केवल दर्जन भर ही अस्पतालों का सिर्फ ही एनओसी होना साफ बताता है कि अस्पतालों के मानकों में भारी गोलमाल है।

नियम व शर्तो को माना ही नहीं जा रहा है।कई अस्पताल तो बेसमेंट तक में चल रहे हैं।जबकि दिल्ली की घटना के बाद अधिकारियों ने चेकिंग की थी।कुछ दिन तो हल्ला मचा बाद में सब शांत हो गए। इस बार भी ऐसा ही होगा।झांसी की घटना को लेकर गोंडा का स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन सुस्त सिस्टम की नींद में है।अगर अस्पतालों में जांच कराई जाएगी अफसर पहुंचेंगे और सब कुछ आल इज वेल बताकर लौट आएंगे।

अस्पतालों के बेसमेंट में वार्ड

दिल्ली और झांसी की घटना के बाद नगर पालिका परिषद और प्रशासन ने बेसमेंट में संचालित होने वाले प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई नहीं की है।जिले में अधिकतर अस्पताल भी ऐसे थे जिनकी ओपीडी या वार्ड बेसमेंट में थे वही सूत्रों के द्वारा बताया जा रहा है कि जिले या ग्रामीण क्षेत्रों में कई ऐसे नर्सिंग होम हैं जो बेसमेंट में चल रहे हैं और वहां मरीजों को भारती भी किया जा रहा है।लेकिन अधिकारी फिर भी खामोश हैं।शायद इन्हें भी किसी बड़े हादसे का इंतजार है।बेसमेंट में अस्पताल नहीं चल सकते।यह सब सुरक्षा मानकों के खिलाफ है।लेकिन फिर भी अधिकारी आंखें मूंदे हैं।अब शायद इस बिंदु पर फिर से अधिकारी चेकिंग चेकिंग करेंगे या फिर कागजी खाना पूर्ति करके ठंडे बस्ते में डाल देंगे।

नर्सिंग होम चल रहे तंग गलियों में,नहीं पहुंच सकतीं फायर ब्रिगेड

गोण्डा जिले में कई ऐसे नर्सिंग होम ऐसे हैं जो तंग गलियों में चल रहे हैं।हादसा होने पर यहां फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी नहीं पहुंच सकती है।इससे साफ है कि यह अस्पताल सुरक्षा के मानकों को पूरा नहीं करते लेकिन फिर भी धड़ल्ले से इनका संचालन हो रहा है। अग्निशमन अधिकारी

अधिकारी का कहना है कि इन अस्पतालों की रिपोर्ट सीएमओ को भी दे दी गई है।कई बार नोटिस भी जारी किए गए लेकिन नतीजा सिफर ही रहा। तंग गलियों में चलने वाले अस्पताल बड़गांव पुलिस चौकी के पास जय नारायण चौराहे के पास गली में,श्याम मंदिर के करीब गल्ला मंडी के पास, कुंवर टॉकीज के पास चौक बजार

इलाके में हैं।कुछ अस्पताल तो ऐसी गलियों में चल रहे हैं कि वहां अगर एक साथ दो ऑटो निकलने लगें तो टकरा जाएं।

प्रशिक्षित स्टॉफ तक नहीं

जिन अस्पतालों के पास आग से लड़ने के संसाधन हैं वहां प्रशिक्षित स्टॉफ तक नहीं है। अग्निशमन यंत्र को कैसे चलाया जाए यह उन्हें पता ही नहीं होता है। आग लगने पर सबसे पहले क्या करें उन्हें बताया ही नहीं गया होता है। होना तो यह चाहिए कि बड़े संस्थानों में रेत भी होना चाहिए।इससे आसानी के साथ आग को काबू किया जा सकता है।लेकिन कई जगह से लड़ने के संशाधन ही नहीं होते।मानकों को पूरा न करने वाले अस्पतालों पर होगी कार्रवाई सीएमओ डॉ.रश्मि वर्मा।

जिला गन्ना अधिकारी पीलीभीत की अध्यक्षता मे सीआईसी बैठक का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।. खुशी राम भार्गव जिला गन्ना अधिकारी पीलीभीत की अध्यक्षता मे केन इम्प्लीमेंटेशन कमेटी की बैठक का आयोजन गन्ना भवन पीलीभीत मे किया गया है।जिला गन्ना अधिकारी द्वारा मिल गेट एवं वाहय क्रय केन्द्रो सहित सभी तौल लिपिकों का लॉटरी के माध्यम से सभी सदस्यो की उपस्थित मे ऑनलाइन स्थानांतरण किया गया है। सभी सचिवों द्वारा बताया गया कि पेराई सत्र 2024-25 मे 4496 किसानो को नये कोड आवंटित किये गए है।जिसमे से 4419 किसानो की कलेन्डरिंग भी कर दी गयी है। इन किसानो के कैलेंडर भी स्मार्ट गन्ना किसान पर लाइव कर दिये गए है।जिन किसानो द्वारा अपने ज़मीन से सम्बंधित राजस्व अभिलेख नहीं दिये गए है। उनके कैलेंडर संचालित नहीं किये गए है। बैठक मे सभी चीनी मिल प्रतिनिधियों को निर्देश दिए गए कि वह सर्दी से बचाव हेतु चीनी मिल यार्ड मे जगह जगह अलाव जलाये।सभी ट्रैक्टर एवं ट्रालियों पर रिफ्लेक्टर लगाये जाये। बैठक मे

बरखेड़ा चीनी मिल के बकाया गन्ना मूल्य भुगतान के सम्बन्ध मे अध्यक्ष गन्ना समिति बीसलपुर द्वारा पूछा गया तो बैठक मे उपस्थित शिव राज सिंह यादव वरिष्ठ गन्ना प्रबंधक बरखेड़ा चीनी मिल द्वारा बताया गया कि उनकी चीनी मिल द्वारा पिछले पेराई सत्र का शेष भुगतान 15 दिसम्बर 2024 तक कर दिया जायेगा।इसके बाद वर्तमान पेराई सत्र का भुगतान किया जायेगा।सभी चीनी मिल गेट एवं वाह्य क्रय केन्द्रो पर तैनात 184 तौल लिपिकों का ऑनलाइन लाटरी से ट्रांसफर किया गया है।जनपद मे आज तक 17263 किसानो से 10.57 लाख कुं गन्ना की खरीद की जा चुकी है। बैठक मेजिला गन्ना अधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए कि सभी तौल लिपिक तौल कार्य सुरु करने से पहले काटा जाँच करेंगे और काटा जाँच करने के बाद इसे रजिस्टर मे अंकित करेंगे द्य

जनपद में अब तक 17263 किसानो से 10.57 लाख कुंतल हो चुकी हैं। गन्ना खरीद

सभी क्रय केन्द्रो के निरिक्षण के लिये टीमे गठित कर दी गयी है।सभी सचिव,ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, खांड़सारी निरीक्षक क्रय केन्द्रो का औचक निरिक्षण करेंगे।घटतौली की शिकायत मिलने पर तत्काल टीम पहुंचेगी तथा जाँच करेंगे। यदि कही घटतौली मिलती है तो सम्बंधित के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी जायेगी। बैठक मे दिग्विजय सिंह, अध्यक्ष सहकारी गन्ना विकास समिति पीलीभीत द्वारा कहा गया कि क्रय केन्द्रो पर किसी भी किसान के साथ भेदभाव न किया जाये।क्रम से सभी किसानो के गन्ने की तौल की जाये।इसके लिए एक यार्ड रजिस्टर बनाया जाये।बैठक मे राजेश सिंह अध्यक्ष बीसलपुर गन्ना समिति, सभी ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, सभी सचिव, खांड़सारी निरीक्षक,चीनी मिल पूरनपुर,बरखेड़ा, पीलीभीत,फरीदपुर,बीसलपुर,मकसूदापुर एवं गुलरिया मिलो के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग लिया है।

भाजपा विधायक के भाई की हत्या मामले निर्दोष को जेल भेजने का आरोप किया हंगामा मचा हड़कंप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। घुंघचाई थाना क्षेत्र के गांव उदरहा में भाजपा विधायक बाबूराम पासवान के चचेरे भाई फूलचंद की 9 नवंबर को पीटकर हत्या कर दी गई थी। इसमे मामले में पुलिस ने पाँच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सभी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वही अब हत्या मामले में नया मोड़ सामने आया है।जिसमें गांव के सैकड़ों ग्रामीण जिसमें महिलाएं भी थी।शामिल तहसील परिसर में पहुची और निर्दोष लोगों को जेल भेजने का आरोप लगाया। महिलाओं का आरोप है। बेगुनाह लोगों को हत्या मामले में फंसाकर जेल भेजा गया है। जिसमें परिवार के लोग भूखमरी की कगार पर आ गए हैं। कोटेदार सर्वेश कुमार बेगुनाह था। उसको भी जेल भेज दिया गया है।और सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान को घुंघचाई में अटैच कर दिया गया है। इसी को लेकर महिलाओं ने एसडीएम का घेराव कर कोटा वितरण आरोपी सर्वोश की पत्नी से कराने और हत्या मामले में सही से जाँच करने की मांग करते हुए हंगामा किया। इस दौरान कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई और महिलाओं को काफी समझाने का प्रयास किया। जिस पर महिला ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कोटेदार सर्वेश कुमार को निर्दोष बता कर जांच करने की मांग की है। तहसील परिसर में काफी देर तक हंगामा होता रहा मौके पर पहुंची पुलिस ने काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीण किसी भी बात को मारने को तैयार नहीं थे।

सरकार ने डीएपी न उपलब्ध कराई तो किसान करेगा आंदोलन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। आज संयुक्त किसान मोर्चा की एक बैठक तिकुनिया पार्क में की गई जिसमें जनपद में पूरे सुल्तानपुर के सहकारी समितियां पर खाद डीएपी एमपी के न होने के कारण किसान अपने गेहूं की बुवाई करने में असमर्थ है इसके विरोध में किसानों ने निर्णय लिया है यदि सरकार द्वारा डीएपी ना उपलब्ध कराई गई तो संगठन संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा एक बड़ा आंदोलन जिसमें किसान किसी भी स्तर की लड़ाई लड़ने को मजबूर जिसकी सारी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। जिसमें किसान द्वारा निर्णय लिया गया है जिसमें 26 नवंबर को किसानों द्वारा बहुत बड़ा आंदोलन धरना प्रदर्शन किया जाएगा। मौके पर शारदा प्रसाद पांडे प्रदेश महासचिव, रामकृपाल सिंह जिलाध्यक्ष, रमाशंकर चौधरी, राम प्यारे वर्मा, कैलाश नाथ तिवारी, जिला अध्यक्ष किसान सभा दुर्गेश पाल, तेज बहादुर, अवनीश तिवारी, दुर्गेश पाल, राजेश, शिवकुमार साहब कुमार यादव, अनिल कुमार यादव, दीपक कुमार, डॉक्टर प्रदेश उपाध्यक्ष छोटे लाल यादव रुद्राभन यादव राम गरीब पाल आज कार्यकर्ता मौजूद मौके पर मौजूद रहे।

गोपालपुर गांव में बीसी संचालक पर रुपए जमा करने के नाम पर अतिरिक्त रुपए मांगने का आरोप पुलिस से की शिकायत

पूरनपुर। तहसील क्षेत्र के गांव गोपालपुर के रहने वाले गोपी पुत्र रामचंद्र ने सोमवार को बताया। कि गांव की महिला एक बैंक की बीसी संचालक है। जब वह चार हजार रुपए उसी में जमा करने के लिए गया तो उससे 40 रुपए अतिरिक्त सुविधा शुल्क की मांग की गई।विरोध करने पर उक्त बीसी संचालक महिला गाली गलौज कर देख लेने की धमकी देने लगी। पीड़ित युवक ने मामले की शिकायत बैंक में की जिससे उसका बीसी संचालक का एकाउंट बंद कर दिया गया। अब उक्त महिला युवक को धमकी दे रही हैं। और लड़ाई झगड़ा कर रही हैं। युवक ने मामले में पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

शहीद खुदीराम बोस की स्मृति में कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। अमर शहीद खुदीराम बोस की स्मृति में आजाद समाज सेवा समिति द्वारा 8 दिसंबर को होने वाले 29 वें वार्षिकोत्सव की तैयारियों को लेकर नगर के एक मैरेज लान मे रविवार को एक बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे आजाद समाज सेवा समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने कार्यक्रम को वृहद बनाने के लिए समिति के जिम्मेदार पदाधिकारियों को कार्य के प्रति उनकी एक एक करके जिम्मेदारियों से उन्हें अवगत कराया। बैठक में जिला अध्यक्ष ने समिति के पदाधिकारीयों से उनकी राय भी मांगी। पदाधिकारियों ने

कहा कि जो पदाधिकारी समिति की बैठक में भाग नहीं ले रहे लगातार अनुपस्थित हो रहे हैं, उनको निष्कासित कर, नए युवाओं को जिम्मेदारी सौंपी जाए, साथ ही साथ 8 दिसंबर को होने वाले वार्षिकोत्सव को वृहद बनाने के लिए मुख्य अतिथि व विशेष अतिथि के नामों की घोषणा संस्था के संस्थापक व राज्यसभा सांसद से विचार विमर्श के बाद ही किया जाएगा। कार्यक्रम का अंतिम रूप देने के लिए आगामी 1 दिसंबर को बैठक आहूत की गई है। बैठक में मुख्य रूप से मकसूद, श्याम नारायण पांडे, राजू नेता, ओम प्रकाश, अब्दुल मन्नान, आलोक कुमार, सरदार जेपी सिंह, रविंद्र बहादुर सिंह, गिरीश तिवारी, आशीष द्विवेदी, मोहम्मद यूनुस, अरविंद कुमार यादव, विनोद रावत, धर्मराज, धर्मेंद्र जायसवाल, दिलीप कुमार सिंह, रवि दूबे ,रविंद्र तिवारी, अजय कुमार सिंह, अनिल करी, आज दर्जनों पदाधिकारी व कार्यकर्ता साथी उपस्थित रहे।

बाल श्रम से एक बच्चे को मुक्त कराया

अमेठी। थाना एएचटीयू गौरीगंज द्वारा बालश्रम उन्मूलन हेतु जागरुकता अभियान चलाते हुये एक बच्चे को बाल श्रम से मुक्त कराया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक नोडल अधिकारी हरेंद्र कुमार के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति फ़ेज पांच के ऑपरेशन बचपन व अखिल भारतीय बाल बचाव एवं पुनर्वास, किशोर श्रम उन्मूलन हेतु तीस दिवसीय अभियान के अंतर्गत श्रम परिवर्तन अधिकारी डी के वर्मा,आर बी लाल व प्रभारी निरीक्षक थाना एएचटीयू विशेष किशोर पुलिस इकाई हंसराज कुशवाहा, शिव प्रताप सिंह संयुक्त टीम बनाकर अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान थाना क्षेत्र गौरीगंज में व्यावसायिक यौन शोषण, जबरन श्रम, जबरन विवाह, घरेलू दासता, महिलाओं और बच्चो की तस्करी, गोद लेना, भीख मांगना आदि के विरुद्ध तथा कारखानों, होटल ढ़ाबों, उद्योगों, दुकानों, ईटभट्ठा निर्माण स्थल आदि पर संगठित अपराधों बालश्रम की चेकिंग किया गया। अभियान के दौरान एक बच्चे को बालश्रम से मुक्त कराया गया तथा श्रम परिवर्तन अधिकारी द्वारा आवश्यक कार्यवाही की गयी।

सीएचसी गौरीगंज के निरीक्षण में मिली खामियों पर सीडीओ ने जताई नाराजगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल ने आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गौरीगंज का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, कर्मचारियों की कार्यशैली, स्वच्छता व्यवस्था, और रिकॉर्ड प्रबंधन का गहनता से निरीक्षण किया। निरीक्षण का उददेश्य जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाना और प्रशासनिक पारदर्शिता सुनिश्चित करना था। सीडीओ ने निरीक्षण की शुरुआत अपनी पहचान छिपाकर मरीजों से सीधे संवाद से की।उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र पर उनकी समस्याओं और ओपीडी में मिलने वाली सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।इसके बाद उन्होंने बिना किसी पूर्व सूचना के पूरे केंद्र का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान अस्पताल प्रांगण और कार्यालयों की साफ-सफाई

असंतोषजनक पाई गई। इस पर सीडीओ ने चिकित्सा अधिकारी को कड़ी फटकार लगाते हुये चौबीस घण्टे के भीतर सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने यह सुनिश्चित करने को कहा कि भविष्य में सफाई में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। सीडीओ ने फायर सुरक्षा उपकरणों की स्थिति और उपयोगिता की भी जांच की।चिकित्सा अधिकारी डॉ. सौरभ और सुरक्षा गार्ड ने मौके पर ही उपकरणों का प्रदर्शन कर उनकी कार्यप्रणाली का प्रमाण दिया।सीडीओ ने औषधि भंडारण कक्ष और दवा वितरण प्रक्रिया की जांच की। उन्होंने निर्देश दिया कि ओपीडी पर्चों और दवा वितरण रजिस्टर में डॉक्टरों और विशेषज्ञों का नाम अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाये ताकि दवा की ट्रैकिंग में पारदर्शिता और सटीकता बनी रहे साथ ही दवाओं के भंडारण और वास्तविक स्थिति का भी मिलान किया गया। निरीक्षण के दौरान मेडिकल बोर्ड और खाद्य सुरक्षा कार्यालय का भी मूल्यांकन किया गया।यहां पर कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज की गई लेकिन साफ सफाई और अभिलेखों के रखरखाव में खामियां मिली। सीडीओ ने इन खामियों को तुरंत ठीक करने के आदेश दिए और भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचने के निर्देश दिये। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह को निर्देश देते हुये सीडीओ सूरज पटेल ने कहा कि जिले के सभी सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सकों और कर्मचारियों की उपस्थिति तथा उनके कार्य निष्पादन की समयबद्ध जांच सुनिश्चित की जाय। इसके अलावा, उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने और मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

गरीब बेसहारा बच्चों के कान्वेंट स्कूल में प्रवेश के लिए बीएसए ने अपने कार्यालय में को आवश्यक बैठक दिए निर्देश

पीलीभीत। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह ने खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। कि अलाभित समूह ,दुर्बल वर्ग के बच्चों का अधिक से अधिक प्रवेश कान्वेंट स्कूल में कराया जाए।शुक्रवार को जिले भर के खंड शिक्षा अधिकारियों की समीक्षा बैठक में यह निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह ने दिए हैं। निशुल्क प्रवेश कराए जाने को लेकर इसका व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार किया जाए। और स्कूलों से संपर्क कर गरीब बच्चों को प्रवेश दिलाया जाए।इसके अलावा अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की गई है। बैठक में मुख्य रूप से सभी जिला समन्वयक और खंड शिक्षा अधिकारी मौजूद रहे है।

आवास का लालच देकर प्रधान ने पुश्तैनी जमीन पर किया कब्जा

पूरनपुर। विकास खंड की ग्राम पंचायत हरीपुर किशनपुर की रहने वाली शायरा बानों पत्नी स्वर्गीय अजीज ने सोमवार को एसडीएम को दिए शिकायती प्रार्थना पत्र में बताया। कि गांव में उनकी पुश्तैनी जगह है। जिसपर उसकी झोपड़ी पड़ी थी। आरोप है कि ग्राम प्रधान ने षड्यंत्र रचकर आठ लाख रुपए व चारों पुत्रों को महिला के प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देने के लिए कहा था। पर अब प्रधान न रुपए दे रहे और न ही प्रधानमंत्री आवास जिसके चलते पीड़ित परिवार सड़क पर आ गया और उसकी पुश्तैनी जगह पर अवैध रुप से कब्जा कर पंचायत घर निर्माण कार्य कराना चाहते हैं। पीड़ित परिवार ने एसडीएम से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है।

एलआईसी तिराहे के पास में मारपीट कर ट्रैक्टर छीनकर ले जाने के मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पूरनपुर। कोतवाली क्षेत्र के गांव चार्ट फिरोजपुर के रहने वाले झम्मनलाल ने रविवार एक बजे बताया। कि गोटिया के रहने वाले अपने दामाद कुलबीर सिंह के खेत की जुताई करने के लिए गया था। आरोप है कि खेत की जुताई कर घर वापस लौट रहा था और जैसे ही ख्रञ्ए तिराहे के पास में पहुंचा तभे 8 से 10 अज्ञात लोग आकर गाली गलौज कर मारपीट करने लगे। किसी तरह ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया उक्त लोग ट्रैक्टर भी उठा ले गए। पीड़ित ने मामले में पुलिस से शिकायत की पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव में नाबालिग को बहला फुसलाकर सहयोगियों की मदद से लेकर फरार मुकदमा दर्ज

पूरनपुर। कोतवाली क्षेत्र के गांव निवासी युवक ने बताया उसकी 17 वर्षीय नाबालिग बहन को घुंघचाई थाना क्षेत्र के गांव का रहने वाला हरिनंदन अपने ही गांव के रहने वाले राजकुमार, इंद्रजीत व राम बहादुर सहित अन्य लोगों की मदद से बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया। काफी खोजबीन के बाद भी दोनों का कोई सुराग नहीं लग सका। मामले में पुलिस से शिकायत की तो पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। रविवार एक बजे कोतवाल ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर किशोरी की तलाश की जा रही हैं।

आसाम हाइवे पेट्रोल पंप के पास में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो लोग घायल, सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर

पूरनपुर।कोतवाली क्षेत्र के गांव गैरतपुर जप्ती निवासी कमल ने रविवार एक बजे बताया कि वह गोपालपुर निवासी चंद्रपाल और वह दोनों लोग बाइक पर सवार होकर पंडरिया देवरी काम करने के लिए जा रहे थे। जैसे ही बाइक सवार आसाम हाइवे पैट्रोल पंप के पास में पहुंचे तभी किसी अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

गोपालपुर माइनर की सफाई न होने से किसान परेशान, मुख्यमंत्री पोर्टल पर की शिकायत

पूरनपुर। तहसील क्षेत्र के गांव तकिया दीनारपुर के रहने वाले कुलविन्दर सिंह ने रविवार एक बजे बताया। कि गोपालपुर माइनर शारदा सागर खण्ड की साफ सफाई न होने की वजह से किसानों को नहर का पानी नहीं मिल पा रहा है। जिसकी वजह से फसलों की सिचाई को लेकर भी समस्या हो रही हैं। आरोप है कि ठेकेदार ने जेसीबी मशीन से नहर की गहराई तो बड़ा दी पर साफ सफाई नहीं की जिसकी वजह झाडियां होने जंगली जानवरों का खतरा व नहर में सही से पानी नहीं आ रहा है। जबकि सफाई के नाम पर पैसा निकाल लिया गया है। समस्या को लेकर जनहित में मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

मित्र हो तो कृष्ण–सुदामा जैसा– बाल व्यास मधुर जी महराज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

धनपतगंज/सुल्तानपुर। श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के विश्राम दिवस पर बाल व्यास मधुर जी महराज ने सुदामा चरित्र परीक्षित मोक्ष की कथा बहुत ही मार्मिक ढंग से बताया। सुदामा के बारे में बताया कि कृष्ण सुदामा की मित्रता का गोदान पूरी दुनिया करती है। सुदामा इतने गरीब थे कि अपने परिवार को भरपेट भोजन भी नहीं करा पाते थे। पत्नी के बार-बार कहने के बावजूद वह श्री कृष्ण के पास सहायता मांगने के लिए तैयार नहीं होते थे। सुदामा चरित्र से हमको यह सीट मिलती है कि कठिनाइयां में हमें किस तरह से संघर्ष करना चाहिए और घर बनाए रखना चाहिए। बुरे दिन से परेशान होकर भी सुदामा श्री कृष्ण के पास मदद मांगने के लिए तैयार नहीं हुए। कृष्ण और सुदामा का प्रेम यानी सच्ची मित्रता यही थी कि उन्होंने सुदामा को अपने से भी ज्यादा धनवान बना दिया था। दोस्ती के इसी नेक इरादे का लोग उनकी मित्रता की मिसाल देते हैं। जीवन में आई मछियों का सामना करने की सीख हमें सुदामा से ही मिलती है भगवान के पास होते हुए अपने लिए कुछ

नहीं मांगा अर्थात निस्वार्थ समर्पण ही असली मित्रता है। कथा के दौरान परीक्षित मोक्ष हुआ, भगवान सुखदेव की विदाई का वर्णन किया गया। बाल व्यास मधुर जी महाराज जी के द्वारा बताया गया कि राजा परीक्षित ने 7 दिन तक श्रीमद् भागवत कथा सुनी, जिससे उनके मन से मृत्यु का भय निकल जाता है। श्राप का निर्धारित समय आने पर तक्षक उन्हें डस लेता है जिससे उनकी मृत्यु हो जाती है। राजा परीक्षित भगवान कथा के प्रभाव से परमधाम को जाते हैं। श्री मद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के विश्राम दिवस पर पत्रकार संतोष पाण्डेय ने सभी कथा भक्तों को पूर्ण मन से कथा श्रवण करने के लिए धन्यवाद दिया। कथा में शामिल अनुराग शास्त्री ने कहा कि मानव उद्धार का मार्ग प्रभु की भक्ति ही है। इस पावन अवसर पर डॉ आर के मिश्र ब्लड बैंक प्रभारी, रणधीर सिंह ब्लॉक अध्यक्ष कुड़वार, त्रिभुवन नाथ तिवारी शिक्षक, रमा शंकर मिश्र संकुल शिक्षक, कैप्टन के के पाठक, रजनीश मिश्रा अध्यक्ष अटल सेना, प्राचार्य इंटर कॉलेज वलीपुर अनिल तिवारी, संतोष तिवारी, राजेश दुबे निर्माण, शीतला प्रधान, शिव प्रसाद दुबे, राम कृष्ण दुबे, मुन्ना दुबे, सुरेंद्र तिवारी शिक्षक, शिव नाथ यादव, वरुण तिवारी, सहित सैंकड़ों कथा प्रेमियों ने पाण्डेय परिवार के साथ कथा श्रवण किया।

पुलिस ने तमंचा और कारतूस के साथ युवक को भेजा जेल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । थाना मुसाफिरखाना पुलिस ने ग्राम धरौली के पास से एक अदद तमंचा दो अदद जिन्दा कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने पकड़े गये युवक के खिलाफ मुकदमा दर्जकर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों के धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को उप निरीक्षक राजेश कुमार श्रीवास्तव मय हमराह द्वारा शान्ति व्यवस्था, देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति वस्तु, के दौरान चंदन यादव पुत्र जगबीर निवासी पलिया चंदापुर थाना मुसाफिरखाना जनपद अमेठी उम्र करीब बाइस वर्ष को ग्राम धरौली के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम द्वारा की गई तलाशी में युवक के कब्जे से एक अवैध तमंचा व दो अदद जिन्दा कारतूस बारह बोर बरामद हुए। इस सम्बंध में थाना मुसाफिरखाना के प्रभारी निरीक्षक विवेक कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये युवक के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्जकर जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि जनपद के अन्य कई थानों में उक्त युवक के खिलाफ पूर्व में पांच अपराधिक मामले दर्ज हैं।

वाहन चेकिंग कर ढाई लाख रुपये का जुर्माना लगाया

अमेठी। यातायात पुलिस के क्षेत्राधिकारी द्वारा यातायात जागरूकता माह नवम्बर के अठारहवें दिन अभियान चलाकर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु आम जनमानस व छात्रों को जागरूक किया गया।पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक हरेंद्र कुमार के पर्यवेक्षण एवं समस्त क्षेत्राधिकारी के कुशल नेतृत्व में सोमवार को यातायात जागरूकता माह नवम्बर के अठारहवें दिन क्षेत्राधिकारी अमेठी यातायात जगदीश कुमार द्वारा कस्बा गौरीगंज के जामो तिराहे पर आमजनमानस व छात्रों को जागरूक किया गया व पंपलेट वितरण कर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु जागरूक किया गया तथा यातायात नियमों का पालन करने हेतु निवेदन किया गया तथा दुर्घटना बाहुल्य ब्लैक स्पॉट स्थानों पर यातायात नियमों का उल्लंघन (जैसे- गलत दिशा में वाहन चलाना, ड्रिंकिंग ड्राइविंग, सड़क के किनारे हाईवे पर अवैध रूप से पार्किंग कर वाहन खड़ा करना व तेज गति से वाहन चलाना आदि) करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया गया और चेकिंग के दौरान एक सौ पचानबे वाहनों का चालान कर दो लाख पचास हजार रुपये का जुर्माना योजित किया गया।

ट्रम्प की जीत और भारत-अमेरिका संबंध

व्हाइट हाउस में ट्रम्प की वापसी किसी चमत्कार से कम नहीं है। 130 वर्ष के अमेरिकी इतिहास में यह पहली बार है, जब किसी ने यह कारनामा किया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने लगातार तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा, जिसमें पहली और तीसरी बार वे सफल रहे, दूसरी बार के चुनाव में जो बाइडेन से पराजित हो गए। इस चुनाव में पराजित होने के बाद ट्रम्प अमेरिका में राजनीतिक तौर पर लगातार सक्रिय रहे। उनका मिशन फिर से राष्ट्रपति बनना ही था, जिसे उन्होंने बखूबी अंजाम देकर एक नया कीर्तिमान बनाया। चुनाव में उनकी प्रतिद्वंदी कमला हैरिस यकीनन राजनीतिक समझ रखती थी, लेकिन यह समझ किसी भी प्रकार से सफलता की परिचायक नहीं बन सकी। हालांकि अमेरिकी मीडिया के एक वर्ग ने तो उनको भावी राष्ट्रपति के रूप में प्रचारित कर दिया। लेकिन यह नैरेटिव भी उनके लिए जीत का मार्ग नहीं बना सका। यहां एक ख़ास तथ्य यह भी माना जा सकता है कि कमला हैरिस को भारतीय मूल का बताने का सुनियोजित प्रयास किया गया। ऐसा इसलिए किया गया कि भारतीय मूल के मतदाताओं को उनके पक्ष में लाया जा सके, लेकिन वे जिन हाथों में खेल रही थी, वह लाइन भारत के लिए राजनीतिक तौर सही नहीं थी। वैश्विक राजनीति के जानकार डोनाल्ड ट्रम्प की जीत कई निहितार्थ निकाल रहे हैं। कई विश्लेषक ट्रम्प की जीत को भारत की कूटनीतिक सफलता के तौर पर भी स्वीकार कर रहे हैं। इसका एक कारण यह माना जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर भारत सरकार जिस नीति और विचार को लेकर कार्य कर रही है, उसकी झलक ट्रम्प के विचारों में भी दिखाई देती है। इसके अलावा ट्रम्प का कहना है कि अमेरिका की खोई ताकत को फिर से प्राप्त करना चाहते हैं। आज अमेरिका कहने मात्र को ही महाशक्ति है, लेकिन उसका वैसा दबदबा आज नहीं है, जो पहले हुआ करता था। इस बीच भारत ने महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अपने कदम बढ़ाए हैं, इसलिए आज विश्व के अनेक देश भारत को महाशक्ति के रूप में देखने लगे हैं। हमें स्मरण होगा कि रूस और यूक्रेन के मध्य युद्ध के दौरान भारत के नागरिक पूरे सम्मान के साथ भारत लौटे थे। उस समय भारत के नागरिकों के समक्ष यूक्रेन की सेना ने अपने हथियार नीचे कर लिए थे। यह केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि भारत की शक्ति का ही परिचायक था। भारत की इस बढ़ती शक्ति से अमेरिका भी भली-भांति परिचित है। रूस और यूक्रेन युद्ध के बारे में कई बार यह कहा जा चुका है कि भारत चाहे तो युद्ध रुकवा सकता है। इसका तात्पर्य यही है कि आज का भारत विश्व के लिए एक ताकत बन चुका है। अमेरिका के इस चुनाव में भारत के लोकसभा चुनाव की तरह ही प्रचार किया गया। कई प्रकार के नैरेटिव स्थापित करने का प्रयास किए गए। वामपंथी विचार के मीडिया ने ट्रम्प की राह में अवरोध पैदा करने के भरसक प्रयास किए। यहां तक कि उनको सनकी और विलेन कहने में भी गुरेज नहीं किया गया। यही तो भारत में किया गया। वामपंथी समूह ने भारत के लोकसभा चुनाव में सरकार के विरोध में जहरीली भाषा का प्रयोग किया। फिर भी नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो गए। अब ऐसा लगने लगा है कि मतदाता बहुत समझदार हो गया है। उसको किसी भी प्रकार से भ्रमित नहीं किया जा सकता। उसे अब देश-दुनिया की समझ हो गई है, इसलिए वह वर्तमान के साथ कदम मिलाकर चलने की ओर अग्रसर हुआ है। विश्व के कई देश आज कई प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। कोरोना के बाद कई देशों की आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है, उसे पटरी पर लाने के लिए उस देश की सरकार की ओर से भरपूर प्रयास किए जा रहे हैं। इन समस्याओं में कई समस्याएं ऐसी हैं, जो सबके सामने हैं। आतंकवाद एक विकराल समस्या बनता जा रहा है। अमेरिका भी इससे ग्रसित है। रूस और यूक्रेन की बीच तनातनी कम नहीं हो रही।

पुरुषों के अस्तित्व एवं सुरक्षा की मांग क्यों उठने लगी?

अन्तर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस पर विशेष

अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस एक वार्षिक कार्यक्रम है जो पुरुषों और लड़कों की चुनौतियों और अनुभवों को पहचानने और उनका समाधान करने के महत्व पर प्रकाश डालता है। यह पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक पुरुषत्व और लैंगिक समानता के बारे में बातचीत को प्रोत्साहित करता है। पुरुषों के मुद्दों को संबोधित करने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि लैंगिक समानता एक सामूहिक प्रयास है, जिससे पुरुष और महिला दोनों को लाभ होता है, तथा पुरुषों की भलाई पर ध्यान देना इस यात्रा का एक अनिवार्य हिस्सा है। समाज रूपी गाड़ी को सही से चलाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि महिलाएं उसका विरोधी होने के बजाय सहयोगी बने। उन्हें किसी भी भेदभाव का सामना न करना पड़े। मानवीय रिश्तों में दुनिया में सबसे बड़ा स्थान मां के रूप में नारी को दिया जाता है, लेकिन एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता के रूप में पुरुष का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। महिला ममता का सागर है पर पुरुष उसका किनारा है। महिला से ही बनता घर है पर पुरुष घर का सहारा है। महिला से स्वर्ग है महिला से बैकुंठ, महिला से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पुरुष ही है। उन्हीं पुरुषों के सम्मान में पुरुष दिवस मनाया जाता है।

दुनिया में अब महिला दिवस की भांति पुरुष दिवस प्रभावी रूप में बनाये जाने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है। अब पुरुष भी अपने शोषण एवं उत्पीड़ित होने की बात उठा रहे हैं। महिलाओं की ही भांति अब पुरुषों पर भी उपेक्षा, उत्पीड़न एवं अन्याय की घटनाएं पनपने की बात की जा रही है। महिला दिवस की तर्ज पर ही पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस भी मनाया जाने लगा है। पहला अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस 1999 में 19 नवंबर को डॉ. जेरोम टीलकसिंह ने त्रिनिदाद और टोबैगो में मनाया था। पुरुष दिवस दुनिया के 30 से अधिक देशों में मनाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम 'सकारात्मक पुरुष रोल मॉडल' है। यह ऐसा एक वैश्विक उत्सव है जो पुरुषों के सकारात्मक योगदान और उपलब्धियों का जश्न मनाता है, साथ ही पुरुषों के स्वास्थ्य, कल्याण और लैंगिक समानता को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करता है। यह दिन पुरुषों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने वाली चर्चाओं और कार्यों को बढ़ावा देने, सकारात्मक रोल मॉडल को प्रोत्साहित करने और अधिक समावेशी समाज की वकालत करने का अवसर प्रदान करता है। कुछ वर्ष पूर्व भारत में सक्रिय अखिल भारतीय पुरुष एशोसिएशन ने भारत सरकार से एक खास मांग की कि महिला विकास मंत्रालय की भांति पुरुष विकास मंत्रालय का भी गठन किया जाये। इसी तरह यूपी में भारतीय जनता पार्टी के कुछ सांसदों ने यह मांग उठाई थी कि राष्ट्रीय महिला आयोग की तर्ज पर राष्ट्रीय पुरुष आयोग जैसी भी एक संवैधानिक संस्था बननी चाहिए। इन सांसदों ने इस बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भी लिखा था। पत्र लिखने वाले एक सांसद हरिनारायण राजभर ने उस वक्त यह दावा किया था कि पत्नी प्रताड़ित कई पुरुष जेलों में बंद हैं, लेकिन कानून के एकतरफा रुख और समाज में हंसी के डर से वे खुद के ऊपर होने वाले घरेलू अत्याचारों के खिलाफ आवाज नहीं उठा रहे हैं। प्रश्न है कि आखिर पुरुष इस तरह की अपेक्षाएं क्यों महसूस कर रहे हैं? लगता है पुरुष अब अपने ऊपर आघातों एवं उपेक्षाओं से निजात चाहता है। तरह-तरह के कानूनों ने उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधलाया है। जबकि आज बदलते वक्त के साथ पुरुष अब अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील हो चुका है। कई युवा पुरुष समाज-निर्माण की बड़ी जिम्मेदारियों को उठा रहे हैं और अपनी काबिलीयत व जुनून से यह साबित भी कर रहे हैं। आज का पुरुष सिर्फ खुद को नहीं बल्कि महिलाओं के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ता है। वह यह सुनिश्चित कर रहा है कि उन्हें भी आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें व उन्हें किसी भी भेदभाव का सामना न करना पड़े। यह परिवर्तन आज सभी इंडस्ट्री जैसे मीडिया, हॉस्पिटैलिटी, बैंकिंग, उद्योग, व्यापार आदि में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है, जहां महिलाएं शीर्ष पदों पर काम कर रही हैं। सिर्फ यही नहीं पुरुषों को अब महिलाओं के नेतृत्व में कार्य करने में भी झिझक नहीं महसूस होती। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी इस दिवस को मान्यता देते हुए इसकी आवश्यकता को बल दिया और पुरजोर सराहना एवं सहायता दी है। एक तरफ जहां महिलाएं सशक्त हो रही हैं, वहीं पुरुषों की भी छवि समाज में बदलती जा रही है। कुछ वर्ष पूर्व की बात करें तो पुरुषों को लेकर समाज में ढेरों रुढ़िवादी विचार थे, महिलाओं के शोषण एवं उसे दोयम दर्ज़ा दिये जाने का आरोप उस पर लगता रहा है। जिनमें अब तेजी से परिवर्तन हो रहे हैं। पुरुष एक ऐसा शब्द जिसके बिना किसी के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। नारी जहां जीवन को परिपूर्णता देती है तो वहीं पुरुष ही इसका आधार है। नारी जन्मदात्री है तो पुरुष जीवन-निर्माता है। भारतीय समाज में मर्द को दर्द नहीं होता या फिर जब कोई पुरुष रोता है तो 'मर्द बनो और रोना बंद करो' जैसी बातें बोली जाती हैं। पिछले कई सालों से पुरुषों की समाज में संघर्षशील व कठोर छवि को प्रस्तुत किया गया है। लेकिन मुख्य सवाल है कि आखिर मर्द या पुरुष हैं कौन? जो घोड़े दौड़ाता है, शिकार करता है, या फिर जो अच्छे सूट में, चमचमाती कार में ऑफिस जाता है और घर पर भी अपनी तारीफ ही सुनना चाहता है। एक रौबदार छवि, आक्रांता, शोषक, असंवेदनशीलता एवं अत्याचारी वाली उसकी छवि क्या वास्तविक छवि है? असल में पिछले कुछ वर्षों में मर्द की परिभाषा में एक उदारवादी एवं संवेदनशील बदलाव देखने को मिला है। अब पुरुष या मर्द वो नहीं जो हमें अब तक पूर्वाग्रही रूढ़िवादी मानसिकता बताती हैं, बल्कि उससे कहीं ज्यादा वो है ऐसा आधारस्तंभ है जो जिम्मेदारी उठाता है, जो सिर्फ चमकदार जूते एवं कपड़े ही नहीं पहनता बल्कि समाज व देश को भी चमकदार बनाने के लिए आगे आता है, परिवार की जिम्मेदारियों को ढोता है। अंतर्राष्ट्रीय पुरुष दिवस एक वार्षिक कार्यक्रम है जो पुरुषों और लड़कों की चुनौतियों और अनुभवों को पहचानने और उनका समाधान करने के महत्व पर प्रकाश डालता है। यह पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक पुरुषत्व और लैंगिक समानता के बारे में बातचीत को प्रोत्साहित करता है। पुरुषों के मुद्दों को संबोधित करने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि लैंगिक समानता एक सामूहिक प्रयास है, जिससे पुरुष और महिला दोनों को लाभ होता है, तथा पुरुषों की भलाई पर ध्यान देना इस यात्रा का एक अनिवार्य हिस्सा है। समाज रूपी गाड़ी को सही से चलाने के लिए यह बेहद जरूरी है कि महिलाएं उसका विरोधी होने के बजाय सहयोगी बने। उन्हें किसी भी भेदभाव का सामना न करना पड़े। मानवीय रिश्तों में दुनिया में सबसे बड़ा स्थान मां के रूप में नारी को दिया जाता है, लेकिन एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता के रूप में पुरुष का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। महिला ममता का सागर है पर पुरुष उसका किनारा है। महिला से ही बनता घर है पर पुरुष घर का सहारा है। महिला से स्वर्ग है महिला से बैकुंठ, महिला से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पुरुष ही है। उन्हीं पुरुषों के सम्मान में पुरुष दिवस मनाया जाता है। दुनिया के दूसरे देशों की तरह भारत भी घरेलू हिंसा की समस्या से जूझ रहा हैं। महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा को रोकने के लिए कठोर कानून भी बने हैं, लेकिन पुरुष भी घरेलू हिंसा का शिकार होते हैं। भारत में अभी तक ऐसा कोई सरकारी अध्ययन या सर्वेक्षण नहीं हुआ है जिससे इस बात का पता लग सके कि घरेलू हिंसा में शिकार पुरुषों की तादाद कितनी है लेकिन कुछ गैर सरकारी संस्थान इस दिशा में जरूर काम कर रहे हैं। 'सेव इंडियन फैमिली फाउंडेशन' और 'माई नेशन' नाम की गैर सरकारी संस्थाओं के एक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि भारत में नब्बे फीसद से ज्यादा पति तीन साल की रिलेशनशिप में कम से कम एक बार घरेलू हिंसा का सामना कर चुके होते हैं। इस रिपोर्ट में यह भी तथ्य सामने आया है कि पुरुषों ने जब इस तरह की शिकायतें पुलिस में या फिर किसी अन्य प्लेटफॉर्म पर करनी चाही तो लोगों ने इस पर विश्वास नहीं किया और शिकायत करने वाले पुरुषों को हंसी का पात्र बना दिया गया। लेकिन यह एक सच्चाई है कि अब महिलाओं की भांति पुरुष भी हिंसा, उत्पीडन एवं उपेक्षा के शिकार है। वे भी अपने अस्तित्व की सुरक्षा एवं सम्मान के लिये आवाज उठाना चाहते हैं। बड़ा सच है कि जीवन में जब भी निर्माण की आवाज उठेगी, पौरुष की मशाल जगेगी, सत्य की आंख खुलेगी तब हम, हमारा वो सब कुछ जिससे हम जुड़े होंगे, वो सब पुरुष का कीमती तौहफा होगा, इस अहसास को जीवंत करके ही हमें पुरुष-दिवस को मनाने की सार्थकता पा सकेंगे। **–ललित गर्ग**

कम्प्यूटर शिक्षा विशेषज्ञ भर्ती अभियान की जरूरत

प्रेम शर्मा

देश में पिछले दो दशक से कम्प्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बढ़ोत्तरी हुई है। एमबीबीएस और बीटेक एमटेक की शिक्षा के बाद कम्प्टूर शिक्षा का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। बीटेक एमटेक के बाद रोजगार की तलाश में घूमती बेरोजगारों की फैाज को देखकर नई पीढ़ी के युवाओ ने यह सोचकर की सरकारे तेजी से हाईटेक हो रही है, ब्लाक स्तर तक कंप्यूटरीकरण हो रहा है तो इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर अत्याधिक आएगे। लेकिन एक लम्बे अरसे से देखा जा रहा है कि इन्टर और गेजुएट, पोस्ट गेजुएट डिग्री के साथ ट्रिपल सी, ओ लेबल, ए लेबल, बीसीए, एमसीए करने के बाद भी इन विशेष शिक्षा के नाम पर किसी सरकार ने कोई ऐसी रिक्तियॉं नही निकाली जिससे यह महसूस किया जाता कि सरकारों को कंप्यूटर विशेषज्ञों की जरूरत है। जबकि वास्तविकता यह है कि लगभग हर विभाग में अब कंप्यूटर विशेषज्ञों की आवश्यकता है। खासतौर से सेना, सचिवालय और पुलिस के साइबर सेलों में इन कंप्यूटर विशेषज्ञों की जरूरत को तो नकारा नही जा सकता। ऐसे में अगर पिछले दस से बीस वर्षो में निकाली गई रिक्तियों पर ध्यान दिया जाए तो उनकी अर्हता में वही पुराना ढर्रा ही अपनाया जा रहा है। ऐसा भी नही है कि अर्हता के साथ अगर प्रतिभागी या आवेदक के पास कंप्यूटर की अतिरिक्त डिग्री या डिप्लोमा हो तो उसे कोई अतिरिक्त लाभ दिये जाने का प्राविधान नही है। जबकि डिजीटल इण्डिया शायद प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री, मुख्यमंत्रियों का नजरिया और बयान बहुत ही विस्तारित रहा है। जबकि कंप्यूटर शिक्षा का महत्व आज के आधुनिक युग में किसी से छिपा नहीं है। जैसे-जैसे तकनीक तेजी से उन्नति कर रही है, वैसे-वैसे कंप्यूटर का उपयोग हर क्षेत्र में बढ़ता जा रहा है। शिक्षा का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। वास्तव में, कंप्यूटर शिक्षा अब न केवल एक आवश्यकता बन गई है, बल्कि यह हमारे बच्चों के भविष्य की नींव भी है। वैसे तो कंप्यूटर शिक्षा का इतिहास 20वीं सदी के मध्य से प्रारंभ होता है। 1950 और 1960 के दशक में, कंप्यूटर बड़े और महंगे उपकरण हुआ करते थे, जो मुख्य रूप से वैज्ञानिक अनुसंधान और सैन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाते थे। उस समय, कंप्यूटर विज्ञान और प्रोग्रामिंग की शिक्षा केवल कुछ चुनिंदा विश्वविद्यालयों में ही उपलब्ध थी। छात्रों को प्रोग्रामिंग भाषाओं जैसे कि फॉर्ट्रान और कोबोल सिखाई जाती थी। 1970 के दशक में माइक्रोप्रोसेसरों के आविष्कार के साथ, कंप्यूटर छोटे, सस्ते और अधिक सुलभ हो गए। इस अवधि में, कंप्यूटर शिक्षा का दायरा बढ़ा और यह स्कूलों और कॉलेजों में पहुंच गई। 1980 के दशक में, व्यक्तिगत कंप्यूटरों की शुरुआत हुई, जिसने कंप्यूटर शिक्षा को और भी व्यापक बना दिया। 1990 के दशक में इंटरनेट का आगमन हुआ। जिसने कंप्यूटर शिक्षा में क्रांति ला दी। इंटरनेट के माध्यम से जानकारी की पहुँच और संसाधनों की उपलब्धता ने शिक्षण और सीखने के तरीकों को बदल दिया। इस दशक में, मल्टीमीडिया उपकरणों का उपयोग भी बढ़ा, जिससे शिक्षा अधिक इंटरेक्टिव और आकर्षक हो गई। कंप्यूटर शिक्षा में अब वेब डिजाइनिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग, और एनिमेशन जैसे नए विषय शामिल होने लगे। छात्रों को माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस, ईमेल, और इंटरनेट ब्राउजिंग जैसे बुनियादी कंप्यूटर कौशल भी सिखाए जाने लगे। 2010 के दशक में स्मार्टफोन, टैबलेट, और अन्य मोबाइल उपकरणों के आगमन ने कंप्यूटर शिक्षा को और भी अधिक सुलभ बना दिया। अब शिक्षा केवल कंप्यूटर लैब तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह किसी भी समय और कहीं भी उपलब्ध हो गई। इस अवधि में, ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म्स, ई-लर्निंग टूल्स, और वर्चुअल क्लासरूम्स ने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, और डेटा साइंस जैसे उन्नत विषय कंप्यूटर शिक्षा का हिस्सा बन गए। 2024 के आते तो मानों कंप्यूटर शिक्षा जीवन का एक हिस्सा बन गई या फिर यू कहा जाए कि इसके बिना ज्ञान अधूरा लगने लगा। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, और बिग डेटा जैसी तकनीकों के आगमन से कंप्यूटर शिक्षा के दायरे में और भी विस्तार हो चुका है। रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसे नए क्षेत्रों में भी कंप्यूटर शिक्षा का महत्व बढ़ा रहा है। अब फिर वही सवाल समाने आता है कि अगर कंप्यूटरीकरण का इतना व्यापक स्तर है तो केन्द्र एवं राज्य सरकार के सौ से अधिक विभागों में रिक्त एवं जरूरत के सापेक्ष सृजित पदों पर कंप्यूटर शिक्षा प्राप्त कर चुके युवाओं के लिए रिक्तियों का अभाव क्यो है। सेना से लेकर पुलिस तक में अब कंप्यूटर विशेषज्ञों की अति आवश्यकता है।

सेहत मंत्र

आंखों की रोशनी के लिए वरदान है काली मिर्च, रोज करना चाहिए इसका सेवन

कमज़ोर आँखों की रोशनी आजकल हर किसी की परेशानी है गलत खान-पान प्रदूषण और गलत दिनचर्या के कारण भी अब चश्मा लगाने के लिए बुढ़ापे का इंतज़ार नहीं करना पड़ता आप किसी भी उम्र के हो यह समस्या कहीं ना कहीं आपको ज़रूर परेशान करती होगी, छोटे बच्चे भी आजकल इस समस्या से ग्रसित है लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बता रहे है जिससे आप अपनी आँखों की रोशनी को कुछ हद तक बचा सकते है। कहते है हमारे किचन में सेहत का खजाना है तो किचन की कुछ चीजे आपकी आँखों की रोशनी को कमज़ोर होने से बचा सकती है। आप सभी के किचन में काली मिर्च तो मौजूद तो होगी ही बस आप काली मिर्च को पीसकर शहद के साथ दो से चार बार सेवन करें इससे आपको कमज़ोर आँखों की रोशनी में फायदा होगा या रात में सोते समय एक चुटकी काली मिर्च को दूध में मिलाकर पियें और काली मिर्च के पाउडर को देशी घी में मिलाकर सेवन करें आपको आराम मिलेगा। काली मिर्च में एंटी इंफ्लेमेटरी तत्व पाए जाते है जो कि आँखों के लिए लाभदायक होते है इसके साथ ही काली मिर्च जीवाणुरोधक और इम्युनिटी बढ़ाने में सहायक होती है जिससे आँखों की रोशनी मजबूत बनी रहती है। काली मिर्च में विटामिन ए और विटामिन इ पाए जाते है जो आँखों के लिए लाभदायक है। पोटैशियम की प्रचुर मात्रा मौजूद होती है काली मिर्च में, इसके साथ ही इसमें पिपेरिन मौजूद होता है जो नाइट विजन बढ़ाने में मदद करता है ये सारे तत्व आँखों को यूवी रेज़ से बचाते है। आँखे कमज़ोर होने से सिर में भी दर्द भी सकता है उससे बचने के लिए आप काली मिर्च और तुलसी के पत्तों का काढ़ा बना कर पी सकते है। मोतियाबिंद जैसी बीमारी से बचने के लिए काली मिर्च का सेवन फायदेमंद माना जाता है। काली मिर्च में एंटीऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं। काली मिर्च की मदद से फ्री रेडिकल्स को कम करने में मदद मिलती है। आंखों के लेंस का बचाव के लिए भी काली मिर्च का सेवन करना चाहिए। ध्यान रहे कि आप ज्यादा मात्रा में काली मिर्च का सेवन ना करें नहीं तो आपको पेट में जलन की समस्या हो सकती है।

धर्म मंत्र

अष्टविनायकों में से एक है मोरगांव का श्री मयूरेश्वर मंदिर

महाराष्ट्र का श्री मयूरेश्वर मंदिर श्री गणेश का प्रसिद्ध मंदिर है। यहां गणेश चतुर्थी को गणेश जी की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। वैसे भी महाराष्ट्र का सबसे बड़ा उत्सव गणपति उत्सव होता है जो गणेश चतुर्थी से प्रंभ हो कर अनंत चर्तुदशी तक पूरे दस दिन चलता है। उत्सव के अंतिम दिन गणपति प्रतिमा का विसर्जन किया जाता है। मयूरेश्वर मंदिर के बारे में जानने के पहले जान लें कि क्यों ये मंदिर अष्टविनायकों में सम्मिलित है और किन मंदिरों को इसमें शामिल किया गया है। महाराष्ट्र में पुणे के समीप अष्टविनायक के आठ पवित्र मंदिर 20 से 110 किलोमीटर के क्षेत्र में मौजूद हैं। इन मंदिरों का पौराणिक और इतिहास महत्व बताया जाता है। मान्यता है कि मंदिरों की गणेश प्रतिमाएं स्वयंभू यानि जो स्वयं प्रगट हुई हैं, मानी जाती हैं। 'अष्टविनायक' के ये सभी आठ मंदिर बहुत पुराने और प्राचीन हैं। इनके नाम इस प्रकार हैं, 1- मयूरेश्वर या मोरेश्वर मंदिर, पुणे, 2- सिद्धिविनायक मंदिर, अहमदनगर, 3- बल्लालेश्वर मंदिर, रायगढ़, 4- वरदविनायक मंदिर, रायगढ़, 5- चिंतामणी मंदिर, पुणे, 6- गिरिजात्मज अष्टविनायक मंदिर, पुणे, 7- विघ्नेश्वर अष्टविनायक मंदिर, ओझर और 8- महागणपति मंदिर, राजणगांव। इन सभी मंदिरों का महत्व गणेश और मुद्गल पुराण जैसे ग्रथों में भी वर्णित है। इन गणपति धामों की यात्रा को अष्टविनायक तीर्थ यात्रा के नाम से बुलाया जाता है। ये यात्रा इन पवित्र प्रतिमाओं के प्राप्त होने के क्रम के अनुसार ही की जाती है। क्रम के अनुसार दर्शन करने पर ही यात्रा पूर्ण मानी जाती है।

पर्यटन

सिंगापुर घूमने जा रहे हैं तो पहले जान लें यहां के अजीबोगरीब नियम

दुनिया के सबसे मशहूर विदेशी डेस्टिनेशन में से सबसे आगे है सिंगापुर। सिंगापुर में घूमने के लिए कई बेहतरीन जगहों है जो टूरिस्टों को झट से अपनी ओर अट्रैक्ट कर लेती हैं। यहीं वजह है कि अधिकतर लोग सिंगापुर में वेकेशन्स एन्जॉय करने आते है लेकिन यहां ट्रैवल करने से पहले आपको इस देश के कुछ जरूरी नियमों के बारे में पता होना चाहिए। तो चलिए जानते हैं सिगांपुर से जुड़ी कुछ जरूरी बातें। 1. च्यूइंग गम खाना है मना- आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन सिंगापुर में च्यूइंग गम खाना मना है। इतना ही नहीं, यहां च्यूइंग गम खरीदने और बेचने पर भी बैन लगा हुआ है। 2. कैश रखना है जरूरी- यहां पर्यटकों को खासतैर पर अपने साथ कैश रखने के लिए कहा जाता है। ऐसा पर्यटकों की सुविधा के लिए किया गया है, ताकि बाद में उन्हें एटीएम न ढूंढना पड़े। 3. सड़कों पर कूड़ा फेंकना है जुर्म- सिंगापुर दुनिया के स्वच्छ देशों में से हैं। यहां साफ-सफाई का खास ख्याल रखा जाता है और सड़कों पर कूड़ा फेंकने वाले को जुर्माना देना पड़ता है। फिर चाहे वह कोई टूरिस्ट ही क्यों न हो। सफाई के मामले में यहां के कानून काफी स्टिक है। 4. पब्लिक टॉयलेट में फ्लश करना है जरूरी- कई बार पब्लिक टॉयलेट में लोग फ्लश चलाना भूल जाते हैं या कुछ लोग तो आदतन ऐसा करते हैं। मगर सिंगापुर में ऐसा करना अपराध माना जाता है और अपराधी को 10,000 रुपए का जुर्माना भी भरना पड़ सकता है। 5. टेबल से पैरों को न निकालें बाहर- कुछ लोगों को सोफ़े या कॉफी टेबल पर बैठे हुए अपने पैर बाहर निकालने की आदत होती है। मगर आपको बता दें कि सिंगापुर में इसे जुर्म माना जाता है। सिंगापुर में टेबल या सोफ़े से पैर बाहर निकालना सख्त मना है। 6. पब्लिक स्मोक करनाः अगर आपको भी पब्लिक प्लेस पर स्मोक करने की आदत है तो उसे आज ही छोड़ दें क्योंकि सिगांपुर में ऐसा करने पर आपको सजा हो सकती है। इतना ही नहीं, ऐसा करने पर आपको 200 जुर्माना भी भरना पड़ सकता है। 7. वाई-फाई पर भी है रोक- कुछ लोगों की आदत होती है कि वो हर जगह फ्री वाला वाई-फाई ढूंढते हैं। मगर आपको बता दें कि सिंगापुर में ऐसा बिलकुल नहीं है। अगर इस देश में आपने बिना किसी की परमिशन के वाई-फाई यूज किया तो आपको जुर्माना और तीन साल तक जेल की हवा खानी पड़ सकती है।

साहब : आश्वासन की घुट्टी बहुत पी चुके पुल निर्माण शुरु होने तक धरना जारी रहेगा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी। कल्याणी नदी पारा हाजी बाजपुर घाट पर पीपा पुल बनाने की मांग को लेकर पाराहाजी के ग्रामीणों द्वारा दिये जा रहे धरने के छठवे दिन सोमवार को नायब तहसीलदार धरना स्थल पर पहुँचे तथा धरना दे रहे ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया लेकिन धरना पर बैठे ग्रामीण अपनी बात पर डटे रहे। तहसील रामसनेहीघाट क्षेत्र के अन्तर्ग पारा हाजी गांव के ग्रामीण पिछले कई वर्षो से पारा हाजी बाजपुर घाट कल्याणी नदी पर पीपा पुल बनाने की मांग कर रहे है, गत लोकसभा चुनाव में मतदान का बहिष्कार करने के बाद अधिकारियों ने नदी पर पीपापुल चुनाव के बाद बनवाने का आश्वासन दिया था लेकिन अभी तक पुल का निर्माण नही शुरू किया गया जिसको लेकर ग्रामीणों ने कल्याणी नदी बाजपुर घाट पर पुल बनाने को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया लेकिन लगातार जंगल व नदी के किनारे धरना दे रहे ग्रामीणों की सुध लेने के लिए पांचवे दिन तक लेखपाल के अलावा कोई भी प्रशासनिक अधिकारी मौके तक नही पहुँचा था, धरने के छठवें दिन नायब तहसीलदार उमेश द्विवेदी ने पहुंच कर धरना रत ग्रामीणों को मनाने का प्रयास किया और बताया कि पुल का प्रस्ताव शासन को भेजा है धन उपलब्ध होने पर निर्माण शुरू होगा, लेकिन ग्रामीण धरने पर अड़े रहे। धरना प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने ने आरोप लगाते हुए बताया कि स्थानीय लेखपाल धरने पर बैठे ग्रामीणों का मजाक उड़ाते हैं और अभद्र टिप्पणी करते

लेखपाल ने ग्रामीणो का उड़ाया मजाक फैला आक्रोश

हुए कहते हैं कि कुछ नहीं होगा धरना समाप्त कर दो। नायब तहसीलदार के साथ असंद्रा थाना प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र सिंह दल बल के साथ मौजूद रहे।इस मौके पर मुकेश कुमार, मिथलेश कुमार,नितेश कुमार ,शिवेंद्र कुमार, रामेश्वर, तुलसीराम,शिवानंद,निर्मल कुमार, कृष्ण बाबा, रमापति, दान बहादुर, प्रगाश, देवीदीन, पतिराम, धनीराम, मुनेश्वर, गुलई, राकेश, महावीर,अनिल कुमार, शिवबक्स, प्रमोद कुमार, ओमकार, कमलेश, अरुण कुमार, अंकित, कृष्ण, सहज राम, लालतू प्रसाद, पुत्तीलाल, रोहित, माताप्रसाद, जवाहरलाल, बृजु, इत्यादि सैकड़ो धरना रत ग्रामीण उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में खाद्य सतर्कता एवं पोषण समिति की बैठक आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित लोकसभागार में सोमवार को जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार झा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खाद्य सतर्कता समिति एवं सिंगल स्टेज डिलीवरी सिस्टम और बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की जनपद स्तरीय पोषण समिति की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने जिला स्तरीय खाद्य सतर्कता समिति एवं सिंगल स्टेज डिलीवरी सिस्टम की बैठक में सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कोटेदारों तक खाद्यान्न की उपलब्धता एवं वितरण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न होने पाए इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। जनपद स्तरीय पोषण समिति की मासिक समीक्षा बैठक एवं कन्वर्जेन्स बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर ऑगनबाडी कार्यकर्ताओं सहित बच्चों की उपस्थिति का विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि बच्चों का वजन किया जा रहा है या नहीं। उन्हें समय-समय पोषण मिल रहा है या नहीं, आदि की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। इसके अलावा पोषण ट्रैकर एप पर वजन फीडिंग, सैम बच्चों सम्बंधित सूचना, हॉटकुक्ड फूड योजना का संचालन,समुदाय आधारित गतिविधि, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि बिंदुओं पर समीक्षा करने के उपरांत सम्बन्धित अधिकारियों को डीएम ने आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन, जिला पूर्ति अधिकारी डॉ.राकेश कुमार तिवारी, डिप्टी आरएमओ रमेश कुमार श्रीवास्तव सहित समस्त पूर्ति निरीक्षक और अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मांगलिक बेला मे 172 जोड़ो का हुआ विवाह,एक का पढ़ा गया निकाह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत जल्द जिले में जोड़ो के हाथ पीले कराए जाने के आयोजन जारी हैं। इसी क्रम में जीआईसी ऑडिटोरियम में सोमवार को एक बड़ा आयोजन किया गया।

इस महत्वपूर्ण योजना के लिए समाज कल्याण विभाग को प्राप्त हुए आवेदनों जिनकी जांच की गई। जांच में सही पाए जाने वालों की सूची तैयार करके विभाग ने विवाह के आयोजन की तैयारी का सफल क्रियान्वयन कराया। इस दौरान 172 जोड़ों का विवाह मांगलिक बेला में कराया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत राजकीय इण्टर कालेज ऑडीटोरियम बाराबंकी में वैवाहिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

उक्त कार्यक्रम में 172 हिन्दू तथा एक मुस्लिम कुल 173 जोड़ों का विवाह सम्पन्न कराया गया। उक्त कार्यक्रम अंगद सिंह सदस्य विधान परिषद की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में अति विशिष्ठ अतिथि के रूप में राजरानी रावत जिला पंचायत अध्यक्ष उपस्थित रहीं। इसके अतिरिक्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, अपर सूचना अधिकारी, समस्त सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी, विभिन्न ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, अन्य गणमान्य व्यक्ति तथा विभिन्न विभागों के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

लड़कियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए रोटरी क्लब ने लगवाएं मुफ्त टीके

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी।नगर के जीजीआईसी और सिटी इंटर कॉलेज में सोमवार को रोटरी क्लब की तरफ से डिस्ट्रिक्ट गवर्नर परितोष बजाज (डिस्ट्रिक्ट 3120) के मार्गदर्शन में निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण अभियान चलाया गया। प्रोजेक्ट चेयरमैन डॉ सुधीर वर्मा ने बताया कि अभियान में 9-18 वर्ष की लगभग 300 गरीब लड़कियों को ये टीका (सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंडिया द्वारा निर्मित-सर्वावैक) लगाया गया। उन्होंने ये भी बताया कि यह टीका सीपीएए (कैंसर पेशेंट ऐड एसोसिएशन), महाराष्ट्र तथा रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3030, नासिक के सहयोग से हमारी डिस्ट्रिक्ट 3120 के प्रथम चरण में लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा तथा प्रयागराज शहरों में लगवाया जा रहा है।महाराष्ट्र के डॉ0 नूपुर खरे (डायरेक्टर सीपीएए), डॉ संगीता लोढ़ा (नेशनल कोऑर्डिनेटर फॉर एचपीवी वैक्सिनेशन अवेयरनेस एंड एलिमिनेशन प्रोग्राम-रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3030) तथा उनकी टीम के द्वारा यह देशव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य है कि गर्भाशय के मुख के कैंसर से महिलाओं को बचाना तथा भारतवर्ष को सन 2030 तक इस जानलेवा बीमारी से मुक्त कराना। ज्ञात हो कि इस कैंसर से भारतवर्ष में लगभग सवा लाख महिलाओं की मृत्यु प्रति वर्ष हो जाती है।इस टीके को लगवाने के लिए रोटरी क्लब के अध्यक्ष महाबीर जैन, सचिव डॉ विमल बैसवार, कोषाध्यक्ष संजय निगम, प्रोजेक्ट चेयरमैन डॉ सुधीर वर्मा, ज़ोनल सचिव डॉ नरेंद्र गुप्ता, प्रो डॉ आर आहुजा, डॉ जितेंद्र सिंह यादव तथा संपन्न कुमार निगम ने निरंतर दो माह तक नियमित रूप से कई स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम चलाया और प्रोजेक्ट चेयरमैन डॉ सुधीर वर्मा ने बताया कि रोटरी क्लब भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम करने का प्रयास करता रहेगा ताकि गर्भाशय मुख के सर्वाइकल कैंसर से भारतवर्ष को सन 2030 तक मुक्त किया जा सके। कार्यक्रम में रोटरी क्लब के अन्य सदस्यों के रूप में डॉ सुधीर वर्मा, एजी, डॉ आभा वर्मा, डॉ विमल बैसवार, डॉ आर आहुजा, पीडीजी केके श्रीवास्तव, सुनील वर्मा, संजय निगम, रजनी वर्मा, डॉ नरेन्द्र कुमार गुप्ता, स्वाति रस्तोगी, स्वाति शर्मा, नैनसी वर्मा, अमित गुप्ता, दिलीप यादव, विक्की,ललित किशोर आदि उपस्थित रहे।

20 नवम्बर को जिले के सांसद तनुज पुनिया संभालेंगे कांग्रेस अनुसूचित विभाग के प्रदेश अध्यक्ष का पदभार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। नव नियुक्त उत्तर प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष सांसद तनुज पुनिया के 20 नवम्बर 2024 दिन बुधवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर पदभार ग्रहण एवं स्वागत समारोह में प्रातः 11 बजे संसदीय क्षेत्र बाराबंकी से हजारो की संख्या में कांग्रेसजन प्रदेश कांग्रेस कार्यालय 10 माल एवन्यू नेहरू भवन पहुँचकर नव मनोनीत अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत करेगे तथा पदभार ग्रहण समारोह में सहभागिता निभायेगे।उक्त आशय की जानकारी जिला कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी सरजू शर्मा ने देते हुये बताया कि नवनियुक्त प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष युवा सांसद तनुज पुनिया का पदभार ग्रहण कार्यक्रम उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय,पूर्व चेयरमैन उत्तर प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग/उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी आलोक प्रसाद एवं वरिष्ठ कांग्रेसजनो की गरिमामयी उपस्थित में सम्पन्न होगा।

कांग्रेस प्रवक्ता सरजू शर्मा ने संसदीय क्षेत्र बाराबंकी के कांग्रेसजनो से 20 नवम्बर 2024 पूर्वाहन 11 बजे तक प्रदेश कांग्रेस कार्यालय 10 माल एवन्यू नेहरू भवन पर अधिक से अधिक संख्या मे पहुंचकर पदभार ग्रहण एवं स्वागत समारोह को सफल बनाये जाने का अनुरोध किया है।

फोटोग्राफर चिंटू को बाराबंकी फोटोग्राफर एसोसिएशन बाराबंकी ने शोकसभा कर दी श्रद्धांजलि

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। बाराबंकी फोटोग्राफर एसोसिएशन की एक आपात बैठक संरक्षक दिलीप कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जिलाध्यक्ष अखिल जायसवाल की स्टूडियो पर संपन्न हुई। बैठक मे शोकसभा कर होनहार, मृदुभाषी 32 वर्षीय युवा फोटोग्राफर चिंटू उर्फ संत कुमार के निधन पर दुख व्यक्त किया गया।2 मिनट का मौन रखकर प्रभु से प्रार्थना की गई कि मृतक को अपने चरणों में स्थान दें, तथा श्रद्धांजलि अर्पित की गई। लोकसभा में जिलाध्यक्ष अखिल जायसवाल ने बताया कि शुक्रवार को चिंटू के बुखार होने के कारण हालत खराब होने पर उनके परिवारजनो ने एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया था । जहां शनिवार को स्थिति बिगड़ने पर उसे लखनऊ लोहिया रेफर किया गया। जिसे रविवार को संरक्षक दिलीप कुमार श्रीवास्तव के प्रयासों से जिला अस्पताल के डेंगू वार्ड में भर्ती कराया गया था। जिला अस्पताल में शाम को हालत बिगड़ने पर उसे लखनऊ लोहिया रेफर कर दिया गया जहां आज सुबह उसका लीवर, किडनी काम न करने के कारण उसका देहांत हो गया।

चिंटू का अंतिम संस्कार उनके गांव थाना जैदपुर के अंतर्गत शेखपुर में किया गया जिसके अंतिम संस्कार में दिलीप कुमार श्रीवास्तव,अखिल जायसवाल, चमन भारती, विमलेश बाजपेई संजय मिश्रा रामू सोनी ,शिवम वर्मा, विजय मामा, शुभम वर्मा, सर्वेश कुमार, रोहित आजाद, रोहित, कमल वर्मा ,रवि धीमन, रोहित कुमार, संतोष श्रीवास्तव, नितिन श्रीवास्तव उम्मीद किरण स्पेशल स्कूल की अध्यक्ष अर्चना श्रीवास्तव सहित बाराबंकी के तमाम फोटोग्राफर एवं उम्मीद किरण स्कूल के समस्त कर्मचारी मौजूद थे।

मझवां विधानसभा में सपा को अब तक नहीं मिला जीत का स्वाद,बाधा तोड़ने की चुनौती

एजेंसी

वाराणसी। मीरजापुर के मझवां विधानसभा उपचुनाव में सोमवार शाम को चुनाव प्रचार अभियान थम गया। चुनाव में मतदान के एक दिन पूर्व मंगलवार को प्रत्याशियों के साथ उनके पार्टी के पदाधिकारियों और समर्थकों ने घर–घर दस्तक देने के साथ पर्ची पहुंचाने पर पूरा जोर दिया है। चुनाव में भाजपा और सपा के बीच ही मुख्य मुकाबला माना जा रहा है। चुनावी जंग में समाजवादी पार्टी (सपा) से डॉ. ज्योति बिन्द, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से सुचिस्मिता मौर्य और बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) से दीपक तिवारी 'दीपू' है। लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने के लिए बसपा उम्मीदवार दीपक तिवारी ने भी पूरी कोशिश की है। लेकिन पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के सक्रिय न होने के चलते लड़ाई में दिख नही रहे हैं । वहीं,सपा और भाजपा की उम्मीदवार के लिए दोनों दलों के शीर्ष नेताओं ने भी पूरी ताकत के साथ चुनाव प्रचार किया है। चुनाव में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा सुप्रीमों अखिलेश यादव के साख की भी परीक्षा होगी। 20 नवम्बर को होने वाले उपचुनाव में कुल 3,99,259 मतदाता प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। इसमें 1,88,136 महिलाएं और 2,11,105 पुरूष मतदाता है। 20 नवंबर को मझवां विधानसभा के 442 बूथों पर मतदान होगा। पोलिंग पार्टियों की रवानगी राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज से 19 नवंबर को होगी। 20 नवंबर को मतदान के बाद मतगणना 23 नवंबर को होगी। चुनाव के लिए जिला प्रशासन ने भी पूरी तैयारी की है।

विधानसभा उपचुनाव के लिए मीरजापुर पुलिस अधीक्षक व जिलाधिकारी मीरजापुर प्रियंका निरंजन ने पुलिस लाइन मैदान में फोर्स को ब्रीफ किया। दोनों अफसरों ने चुनाव को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए चुनाव प्रक्रिया में लगे पुलिस/प्रशासनिक/अर्धसैनिक बल के अफसरों और जवानों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

निपुण लक्ष्य एप पर शतप्रतिशत बच्चों का किया जाए एसेसमेंट : डीएम

जो बच्चे निपुण नहीं हो रहे है उनके लिये बनाई जाए विशेष कार्ययोजना

जिला शिक्षा एवं परियोजना समिति की बैठक आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित लोकसभागार में जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार झा की अध्यक्षता में जिला शिक्षा एवं परियोजना समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी श्री सत्येन्द्र कुमार ने कहा कि निपुण लक्ष्य एप पर सभी बच्चों का शतप्रतिशत एसेसमेंट किया जाए। जो बच्चे निपुण नहीं हो रहे है उनके लिये शिक्षक विशेष कार्ययोजना बनाकर रिमेडियल टीचिंग करे जिससे सभी बच्चे जल्द से जल्द निपुण हो सके। जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि सभी खंड शिक्षा अधिकारी अपने-अपने विकास खंडों में शतप्रतिशत शिक्षकों व बच्चों की उपस्थिति तथा छात्रों का निपुण एसेसमेंट सुनिश्चित कराए, जो शिक्षक अपने आवंटित सभी बच्चों को निपुण लक्ष्य अचीव करवा लें रहे है उनको सम्मानित भी किया जाए। इसके अलावा अनाधिकृत तरीके से स्कूल से गायब रहने वाले व पढ़ाई के प्रति लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों पर कठोर कार्यवाही की जाए।साथ ही समस्त विद्यालयों में शिक्षकों व छात्रों की शतप्रतिशत उपस्थिति एवं पठन-पाठन का माहौल सुनिश्चित करने के लिये शिक्षक डायरी भरने के साथ साथ बच्चों की डिजिटल अटेंडेंस भी प्रतिदिन भरी जाए। एमडीएम की गुणवत्ता पर भी चर्चा हुई। आगामी 25 व 26 नवम्बर को होने वाली नेट परीक्षा सम्बन्धी तैयारियों के विषय में जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार देव पांडेय, जिला समन्वयक प्रशिक्षण विनीता मिश्रा, समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारीगण, समस्त जिला समन्वयक, ईएमआईएस इंचार्ज तथा एसआरजी आदि सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बाइक व लूट की फर्जी सूचना देने वाले विरुद्ध कार्रवाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। दो दिन पहले थाना क्षेत्र के अतरौली पुल से 40 हजार की नगदी व बाइक लूटने की सूचना फर्जी निकली। खुलासा में भैंस खरीदार ने किसान का बकाया 40 हजार रूपये देने से बचने को लेकर फर्जी सूचना देना स्वीकार किया। मामले में पुलिस ने चार लोगों विरुद्ध कार्रवाई की है।

इंस्पेक्टर कोठी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि 16 नवंबर की रात क्षेत्र के देवकली गांव निवासी जमाल पुत्र वारिस अली ने पीआरवी पुलिस को सूचना दी। उससे अतरौली पुल समीप चार नकाबपोश लुटेरे ने बाइक व 40 हजार रूपये नगदी लूट ली। रात में ही सक्रिय हुई पुलिस ने सर्विसलांस व इंटेलिजेंस मदद से खुलासा किया।? तब पुलिस पूछताछ में पीड़ित ने फर्जी लूट की सूचना देना स्वीकार करते हुए बताया कि उसने करीब 12 दिन पहले क्षेत्र के लखनापुर गांव निवासी इंद्राज पुत्र रामखेलावन से 15 हजार देकर 67 हजार रूपये की कीमत की भैंस खरीदा थी। उसे 76 हजार रूपये में बेच दिया। मगर किसान इंद्राज के बकाया 40 हजार रुपए आए दिन तगदा कर रहा था?। जिससे बचने को लेकर फर्जी सूचना देना स्वीकार किया। इसमे रामअचल पुत्र बाबूलाल, अमित पुत्र जगतपाल व अमरेश पुत्र मोल्हे निवासीगण सरायपुरखो भी शामिल हैं। पुलिस ने इनके विरुद्ध शांतिभंग की कार्रवाई की है।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024: जापान के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले के लिए तैयार भारत

एजेंसी

राजगीर। बिहार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024 में भारत और जापान के बीच रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले के लिए मंच तैयार है। दोनों टीमों ने सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है और वे 20 नवंबर को होने वाले फाइनल में पहुंचने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। भारत शानदार फॉर्म में है, 5 मैचों में 15 अंकों के शानदार रिकॉर्ड के साथ ग्रुप स्टेज में शीर्ष पर रहा। उन्होंने 26 गोल किए हैं और केवल दो खाए हैं। इस बीच, जापान 5 अंकों के साथ ग्रुप स्टेज में चौथे स्थान पर रहा, जिसने छह गोल किए और नौ खाए। उनका आखिरी मुकाबला, 17 नवंबर को भारत के खिलाफ था, जिसे भारतीय टीम ने 3-0 से जीता। भारतीय कप्तान सलीमा ने सेमीफाइनल मुकाबले से पहले टीम के मूड के बारे में बताते हुए कहा, ''जैसे ही हम बस से उतरते हैं, नेहा सभी को नाचने

पर मजबूर कर देती है, और इससे माहौल पूरी तरह बदल जाता है। हम सभी उसके नेतृत्व का अनुसरण करने की कोशिश करते हैं, भले ही हम उसके करीब न हों, लेकिन यह साधारण कार्य पूरी टीम को उत्साहित करता है। हम मुस्कुराते हुए मैदान पर उतरते हैं, और परिणाम खुद ही सब कुछ बयां कर देते हैं। जापान एक मजबूत टीम है, और ग्रुप चरण में हमने उनके खिलाफ एक कठिन मैच खेला था, लेकिन हमें अपनी तैयारी और अपने साथियों पर भरोसा है। हम सेमीफाइनल में भी अच्छा प्रदर्शन करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। मेजबान टीम ने टूर्नामेंट में अब तक सभी सिलेंडरों पर फायर किया है, जिसकी अगुआई दीपिका कर रही हैं, जिन्होंने अब तक पांच मैचों में 10 गोल किए हैं। संगीता कुमारी भी फॉरवर्ड लाइन में सक्रिय रही हैं, जिन्होंने चार गोल किए हैं। जापान अपने मजबूत डिफेंसिव संगठन के लिए जाना जाता है, जिसने अपने पिछले मुकाबले में भारत को आधे समय तक चुनौती दी थी। और मियू हसेगावा दो गोल के साथ जापान की सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी हैं। मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, ''पूल मैच अलग तरह के होते हैं और सेमी-फ़ाइनल भी अलग तरह का होता है। सभी टीमें अपनी-अपनी योजनाएँ लेकर आती हैं और हमें जापान से कुछ प्रतिरोध का सामना ज़रूर करना पड़ेगा; वे एक मजबूत टीम हैं। लेकिन हमें अपना होमवर्क करना होगा, हमें यह पता लगाना होगा कि हम कहाँ ज़्यादा मौके बना सकते हैं। अपने खेल पर ध्यान देना और जिस तरह से हम खेलना चाहते हैं, उस तरह से खेलना ज़्यादा ज़रूरी है। यह सब खेल की एक नई शैली बनाने और ओलंपिक और विश्व कप के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ अपने निर्णय लेने में सुधार करने की प्रक्रिया का हिस्सा है। अब तक, टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है और हमें उम्मीद है कि कल भी यही गति जारी रहेगी।''

हॉकी इंडिया ने जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित की, आमिर अली होंगे कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने सोमवार को 26 नवंबर से 4 दिसंबर 2024 तक ओमान के मस्कट में होने वाले पुरुष जूनियर एशिया कप के लिए 20 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की। भारत ने 2023, 2015, 2008 और 2004 सहित रिकॉर्ड चार बार यह टूर्नामेंट जीता है। पिछले साल भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को 2-1 से हराकर खिताब जीता था। इस साल, इस आयोजन में महाद्वीप की 10 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें दो पूल में बांटा गया है। पूल ए में भारत, चीनी ताइपे, जापान, कोरिया और थाईलैंड तथा पूल बी में बांग्लादेश, मलेशिया, चीन, ओमान और पाकिस्तान होंगे। हालांकि भारत मेजबान होने के कारण एफआईएच जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुका है, लेकिन कोच पीआर श्रीजेश के नेतृत्व में टीम सुल्तान जोहोर कप में हाल ही में मिली सफलता की लय को जारी

रखने की कोशिश करेगी, जहां टीम तीसरे स्थान पर रही थी। इंडिया कोल्ट्स की टीम का नेतृत्व आमिर अली करेंगे और उप कप्तान रोहित होंगे। मुख्य कोच और भारत के पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा, ''सुल्तान जोहोर कप हमारे कई खिलाड़ियों के लिए पहली बार का अनुभव था, फिर भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन करते हुए शानदार जज्बा दिखाया और मैं उनके प्रदर्शन से काफी खुश हूं। टीम उस प्रदर्शन से आत्मविश्वास हासिल करेगी और जूनियर एशिया कप में सफल प्रदर्शन की दिशा में काम करेगी। उन्होंने कहा, ''खिलाड़ी बेंगलुरु के साई में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में काफी मेहनत कर रहे हैं और हमने डिफेंस में अधिक प्रभावी होने और गोल करने में कुशल होने के लिए अपने खेल में कुछ बदलाव किए हैं।

भारतीय टीम इस प्रकार है

गोलकीपर: प्रिंसदीप सिंह, बिक्रमजीत सिंह।

डिफेंडर: आमिर अली (कप्तान), तालेम प्रियोबार्ता, शारदानंद तिवारी, योगेम्बर रावत, अनमोल एक्का, रोहित (उपकप्तान)।

मिडफील्डर: अंकित पाल, मनमीत सिंह, रोसन कुजूर, मुकेश टोप्पो, थोकचोम किंग्सन सिंह।

फॉरवर्ड: गुरजोत सिंह, सौरभ आनंद कुशवाहा, दिलराज सिंह, अर्शदीप सिंह, अरिजीत सिंह हुंदल।

रिजर्व: सुखविंदर, चंदन यादव।

पश्चिम बंगाल ने जीती चौथी राष्ट्रीय फ़िनस्विमिंग टीम चैम्पियनशिप

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के तैराकों ने यहां डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स में आयोजित चौथी राष्ट्रीय फ़िनस्विमिंग चैंपियनशिप 2024 में टीम चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है। पश्चिम बंगाल स्विमिंग पूल पर राज करते हुए कुल 151 पदक जीते, जिसमें 67 स्वर्ण, 43 रजत और 41 कांस्य पदक शामिल हैं। उपविजेता कर्नाटक ने कुल 50 पदक जीते। इनमें 17 स्वर्ण, 18 रजत और 15 कांस्य पदक हैं। 21 पदकों के साथ उत्तराखंड को तीसरा स्थान मिला। उन्होंने 8 स्वर्ण, 6 रजत और 7 कांस्य पदक जीते। हरियाणा ने भी 21 पदक (6 स्वर्ण, 10 रजत और 5 कांस्य) जीते लेकिन उत्तराखंड से 2 स्वर्ण कम जीतने के कारण उसे चौथा स्थान मिला। महाराष्ट्र ने 13 पदक (4 स्वर्ण, 4 रजत और 5 कांस्य) जीतकर 5वां स्थान प्राप्त किया। मणिपुर को 8 पदक (4 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य) के साथ छठा स्थान मिला। मेजबान दिल्ली ने 11 पदक (3 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य) जीते और पदक तालिका में सातवां स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि द्रोणाचार्य अवार्डी हॉकी कोच डॉ. ए के बंसल ने विजेताओं को ट्रॉफी और पदक प्रदान किए। बता दें कि अंडरवाटर स्पोर्ट्स फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया (यूएसएफआई) द्वारा युवा मामले और खेल मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय इस चैंपियनशिप में 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 1500 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

दक्षिण अफ्रीका टेस्ट के लिए मुख्य कोच बने रहेंगे जेसन गिलेस्पी : पीसीबी

एजेंसी

नई दिल्ली। जेसन गिलेस्पी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी दो टेस्ट मैचों की जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने उस दौरे से आगे किसी भी अनुबंध के लिए उनकी पुष्टि नहीं की है, गिलेस्पी का पीसीबी के साथ 2026 तक का अनुबंध है। पिछले कुछ दिनों में, कई स्थानीय रिपोर्टों ने संकेत दिया कि गिलेस्पी का पाकिस्तान क्रिकेट के साथ समय सीमित है, और आकिब जावेद को उनकी जगह लेने के लिए तैयार किया गया है। पिछले महीने गैरी कर्स्टन के इस्तीफ़ा देने के बाद से व्हाइट-बॉल कोचिंग की भूमिका खाली है, और आकिब उनकी जगह लेने के लिए सबसे आगे हैं, पाकिस्तान का जिम्बाब्वे का टी20 और एकदिनी दौरा अगले रविवार से शुरू हो रहा है। हालांकि, पीसीबी ने इस बात से इनकार किया है कि गिलेस्पी की नौकरी पर तत्काल कोई खतरा मंडरा रहा

है। पीसीबी की ओर से एक्स पर जारी बयान में कहा गया है, ''जैसा कि पहले बताया गया था, जेसन गिलेस्पी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो रेड-बॉल मैचों के लिए पाकिस्तान टीम के कोच बने रहेंगे। पीसीबी ने इस बात की पुष्टि की है कि गिलेस्पी उन दो टेस्ट मैचों के बाद किसी और सीरीज के लिए मुख्य कोच होंगे या नहीं। पाकिस्तान को दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट मैचों के तुरंत बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज खेलनी है। इस सप्ताह की शुरुआत में, पीसीबी ने गिलेस्पी को चैंपियंस ट्रॉफी के समापन तक व्हाइट-बॉल कोच के रूप में कार्यभार संभालने की संभावना के बारे में बताया। हालाँकि, बढ़ी हुई जिम्मेदारी उनके वित्तीय मुआवजे में समान वृद्धि के साथ नहीं आई, जिसे गिलेस्पी द्वारा ठुकराए जाने का कारण माना जाता है। नतीजतन, पीसीबी ने कर्स्टन की जगह किसी स्थानीय नियुक्ति पर अपना ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने शुरू में अजहर महमूद को पदोन्नत करने या सकलैन मुश्ताक को नियुक्त करने की संभावना पर विचार किया, जिन्होंने 2021-22 में कोच के रूप में काम किया। हालांकि, दोनों में से कोई भी पीसीबी के सलाहकार मंडल के भीतर से पर्याप्त समर्थन प्राप्त नहीं कर पाया, जिसके कारण आकिब को यह पद दिया गया। यह समझा जाता है कि उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी के अंत तक भूमिका निभाने के लिए कहा जाएगा, जिसके बाद पीसीबी पुनर्मूल्यांकन करेगा। गिलेस्पी की अगली तत्काल प्रतिबद्धता ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरा टी20 मैच है, जिसके लिए उन्होंने अंतरिम कोच के रूप में कार्यभार संभाला था। पाकिस्तान की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज, एकमात्र अन्य प्रतिबद्धता जिसके लिए पीसीबी ने अभी तक औपचारिक रूप से उनकी पुष्टि नहीं की है, 26 दिसंबर से शुरू होगी।

गावस्कर को आस्ट्रेलिया में कोहली के अच्छे प्रदर्शन का यकीन

नयी दिल्ली। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर को यकीन है कि आस्ट्रेलिया के पिछले दौरों पर पर्थ और एडीलेड में बेहतरीन पारियां खेलने वाले चैम्पियन बल्लेबाज विराट कोहली पांच टेस्ट मैचों की आगामी श्रृंखला में भी अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौटेंगे। गावस्कर ने 22 नवंबर से पर्थ में शुरू हो रही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला से पहले स्टार स्पोर्ट्स से कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ विराट रन नहीं बना सका था लिहाजा वह रनों का भूखा होगा। उन्होंने कहा कि पिछली बार एडीलेड टेस्ट में जब दूसरी पारी में पूरी भारतीय टीम 36 रन पर आउट हो गई थी, जहां तक मुझे याद है कोहली ने रन आउट होने से पहले पहली पारी में 70 से ज्यादा रन बनाये थे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा एडीलेड में तो उसने हमेशा रन बनाये हैं। पर्थ में 2018-19 में उसने बेहतरीन टेस्ट शतक जड़ा था। उसके सबसे शानदार टेस्ट शतकों में से एक।

जिंका लॉजिस्टिक्स का आईपीओ दो दिनों में 32 फीसदी सब्सक्राइब, शेयर 21 नवंबर को होगा सूचीबद्ध

एजेंसी

नई दिल्ली। ट्रक मालिकों का डिजिटल प्लेटफॉर्म जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में सोमवार को निवेश का तीसरा और आखिरी दिन है। पिछले दो दिनों में यह इश्यू कुल 32 फीसदी सब्सक्राइब हुआ है। खुदरा कैटेगरी में यह 92 फीसदी, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) कैटेगरी में 25 फीसदी और गैर-संस्थागत निवेशक (एनआईआई) कैटेगरी में चार फीसदी सब्सक्राइब हो चुका है। जिंका लॉजिस्टिक्स के आईपीओ का साइज 1114.72 करोड़ रुपये है। ट्रक मालिकों का डिजिटल प्लेटफॉर्म वाली कंपनी के आईपीओ में 550 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी होंगे। वहीं, मौजूदा शेयरहोल्डर्स और प्रमोटर्स की ओर से 2.16 करोड़ शेयरों का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) रहेगा। अपर प्राइस बैंड पर

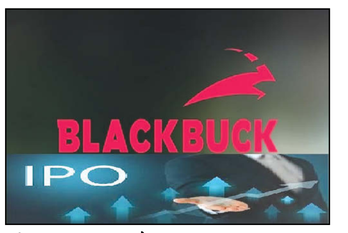

ओएफएस की वैल्यू लगभग 564.72 करोड़ रुपये होगी। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 1,115 करोड़ रुपये जुटाने की है। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 21 नवंबर को सूचीबद्ध होंगे। जिंका लॉजिस्टिक्स नए निर्गम से प्राप्त 200 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग बिक्री और विपणन पहल के लिए करेगी। इसके अलावा 140 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल ब्लैकबक फिनसर्व में निवेश के लिए किया जाएगा, जबकि 75 करोड़ रुपये उत्पाद विकास से संबंधित व्यय के वित्तपोषण के लिए तथा एक हिस्सा सामान्य कंपनी अपने कामकाज में लगाएगी। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड ने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा 259-273 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 54 इक्विटी शेयर और उसके बाद 54 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस की कंपनी पात्र कर्मचारियों को 25 रुपये प्रति इक्विटी शेयर का डिस्काउंट का ऑफर दे रही है। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस लिमिटेड कंपनी ट्रक ऑपरेटरों (यूजर्स की संख्या के हिसाब से) के लिए भारत का सबसे बड़ा डिजिटल प्लेटफॉर्म है। देश में 963,345 ट्रक ऑपरेटर्स ने वित्त वर्ष 2023-24 में इस प्लेटफॉर्म पर ट्रांजेक्शन किया। ये कंपनी ट्रक ऑपरेटरों को अपना बिजनेस मैनेज करने और उनकी कमाई बढ़ाने के लिए डिजिटल रूप से सशक्त बनाकर भारत में ट्रकिंग इंडस्ट्री को बदलने के लिए डेडिकेटेड है।

इंग्लैंड की सफ़ेद गेंद टीम से बाहर होंगे कार्ल हॉपकिंसन, रिचर्ड डॉसन

एजेंसी

लंदन। इंग्लिश पुरुष क्रिकेट टीम के सहायक कोच कार्ल हॉपकिंसन और रिचर्ड डॉसन व्हाइट-बॉल कोचिंग सेटअप से हट जाएंगे, इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने रविवार (17 नवंबर) को उक्त पुष्टि की। यह कदम व्हाइट-बॉल टीमों के लिए कोचिंग समूह के पुनर्गठन का हिस्सा है, जिसमें ब्रेंडन मैकुलम जनवरी से ऑल-फॉर्मेट कोच के रूप में कार्यभार संभालेंगे। हॉपकिंसन 2019 में घरेलू धरती पर इंग्लैंड की वनडे विश्व कप जीत के साथ-साथ 2022 में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप की सफलता में शामिल थे, जबकि डॉसन-जो पहले इंग्लैंड यंग लायंस के कोच थे- ऑस्ट्रेलिया में उन जीतों में से बाद की जीत का हिस्सा थे। पिछले 12 महीनों में भारत और यूएसए-वेस्टइंडीज में खिताब बचाने में दो बार विफल होने के कारण इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल वापसी में

भारी गिरावट आई है, जिसके कारण इस साल की शुरुआत में तत्कालीन मुख्य कोच मैथ्यू मॉट ने इस्तीफ़ा दे दिया था। क्रिकेट निदेशक रॉब की ने कहा, ''हॉपो और डॉस दो बेहतरीन कोच हैं जिन्होंने हमारी व्हाइट-बॉल टीमों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमारी सीनियर टीमों के साथ उनकी कोचिंग विशेषज्ञता के अलावा उन्होंने हमारी व्हाइट-बॉल टीमों के अगले युग की स्थापना में मदद करने के लिए आयु समूहों के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को भी विकसित किया है। उनकी वजह से इंग्लैंड क्रिकेट बेहतर स्थिति में है और मैं उनके करियर के अगले अध्याय में उनकी अच्छी किस्मत की कामना करता हूँ।

संक्षिप्त समाचार

डेविस कप के जरिये विदाई की तैयारी में जुटे नडाल

मालागा (स्पेन)। स्पेन के महान खिलाड़ी रफेल नडाल मंगलवार से यहां घरेलू दर्शकों के सामने होने वाले डेविस कप फाइनल्स के जरिये टेनिस से विदा लेने की तैयारी में हैं। 38 वर्ष के नडाल 20 साल से अधिक समय से खेल रहे हैं और टेनिस के 'बिग थ्री' में से रिटायर होने जा रहे दूसरे खिलाड़ी हैं। रोजर फेडरर ने 2022 में खेल से विदा ली थी जबकि नोवाक जोकोविच अभी खेल रहे हैं। पिछले सप्ताह से मालागा में लगातार अभ्यास कर रहे नडाल ने कहा, '' यह कठिन फैसला है जिसे लेने में मुझे समय लगा। लेकिन जीवन में जो शुरू हुआ है, वह खत्म होना ही है। मुझे लगता है कि यह विदा लेने का सही समय है। मेरा कैरियर इतना लंबा और सफल रहा जितना मैंने सोचा भी नहीं था। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि नडाल का आखिरी मैच कब होगा क्योंकि डेविस कप टीम स्पर्धा है और अभी तय नहीं है कि आगे के नतीजे क्या होते हैं। स्पेन को मंगलवार को नीदरलैंड से खेलना है जिसमें जीतने पर कनाडा या जर्मनी से शुक्रवार को सेमीफाइनल खेलना होगा। एकल में दो और युगल में एक मैच होना है। अभी पता नहीं है कि नडाल एकल खेलेंगे, युगल या दोनों या एक भी नहीं। नडाल के साथ स्पेन की टीम में चार बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन कार्लोस अल्काराज, रॉबर्टो बतिस्ता एगुट , पेड्रो मार्तिनेज और मार्शेल ग्रानोलेर्स हैं।

आस्ट्रेलिया दौरे पर अभ्यास मैच नहीं खेलने के भारत के फैसले पर हैरान वॉन

सिडनी। आस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से पहले अभ्यास मैच नहीं खेलने के भारत के फैसले से हैरान इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने आशंका जताई है कि मैच अभ्यास के बिना भारतीय टीम 'प्रतिस्पर्धी मानसिकता' के साथ कैसे खेलेगी। भारत ने पर्थ में 22 नवंबर से शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले आस्ट्रेलिया ए या घरेलू टीम के खिलाफ कोई मैच नहीं खेलने का फैसला किया है जबकि पिछले दो दौरों पर ऐसा नहीं हुआ था। वॉन ने 'फॉक्स स्पोर्ट्स ' से कहा, '' मुझे समझ में नहीं आ रहा कि भारत जैसी टीम आस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर खेलने से पहले 'इंट्रा स्क्वाड' (आपस में मुकाबला) मैच ही क्यो खेलना चाहती है। उन्होंने कहा , '' ऐसे में प्रतिस्पर्धी मानसिकता के साथ कैसे उतरेंगे। यह समय ही बतायेगा। भारत ने अपनी 'ए ' टीम के साथ तीन दिवसीय 'इंट्रा स्क्वाड ' मैच भी नहीं खेलने का फैसला किया है। वे पर्थ में वाका की मुख्य पिच पर अभ्यास पर फोकस कर रहे हैं। भारतीय टीम प्रबंधन का मानना है कि वाका की मुख्य पिच पर उछाल पर्थ स्टेडियम की पिच तैसा है और इस पर अभ्यास करने से शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को फायदा होगा। वॉन ने कहा , '' मैं हैरान हूं कि यह भारतीय टीम एक भी अभ्यास मैच नहीं खेलना चाहती। वाका की विच मुख्य पिच के जैसी है जिस पर समान उछाल है। आस्ट्रेलिया ने भी पिछले साल भारत और इंग्लैंड के टेस्ट दौरों पर अभ्यास मैच नहीं खेला थी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी मैच रद्द होने के बाद इंग्लैंड ने श्रृंखला जीती

ग्रोस आइलेट। वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवां और आखिरी मैच बारिश के कारण पांच ओवर बाद ही रद्द होने से इंग्लैंड ने टी20 श्रृंखला 3-1 से जीत ली। वेस्टइंडीज ने पांचवें ओवर के आखिर में बिना किसी नुकसान के 44 रन बना लिये थे जब बारिश होने लगी। एविन लुईस 29 और शाइ होप 14 रन बनाकर खेल रहे थे। बारिश रूकती नहीं देखकर अंपायरों ने मैच रद्द करने का फैसला किया। इंग्लैंड ने पहले तीन मैच जीते थे जबकि वेस्टइंडीज ने चौथा मैच जीता था।

एचसीएलसॉफ्टवेयर ने विक्रांत चौधरी को भारत के लिए वरिष्ठ उपाध्यक्ष किया नियुक्त

नयी दिल्ली। एचसीएलटेक की शाखा एचसीएलसॉफ्टवेयर ने विक्रांत चौधरी को तत्काल प्रभाव से भारत के लिए वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं 'कंट्री हेड' नियुक्त करने की सोमवार को घोषणा की। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, वह भारत में एचसीएलसॉफ्टवेयर के व्यावसायिक परिचालन का नेतृत्व करेंगे। साथ ही उत्पाद, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं व बीमा (बीएफएसआई) और सरकार जैसे प्रमुख क्षेत्रों में विकास एवं नवाचार पर ध्यान केंद्रित करेंगे। वह कंपनी के मुख्य राजस्व अधिकारी (सीआरओ) राजीव शेष के अधीन काम करेंगे। शेष ने कहा, '' भारत में विकास व नवाचार को आगे बढ़ाने में विक्रांत का नेतृत्व और विशेषज्ञता महत्वपूर्ण होगी। हम बाजार में एचसीएलसॉफ्टवेयर के नेतृत्व को मजबूत करने के लिए उनका स्वागत करते हुए खुश हैं। इससे पहले, चौधरी क्लेवरटैप में मुख्य विकास अधिकारी के पद पर कार्यरत थे।

बंदरगाह पर देरी, लालफीताशाही से भारत की इस्पात पर निर्भर इकाइयों को नुकसान: जीटीआरआई

एजेंसी

नयी दिल्ली। बंदरगाहों पर देरी और बोझिल नियामकीय जरूरतों से देश की आयातित इस्पात पर निर्भर 10,000 से अधिक इकाइयां संकट में आ गई हैं। शोध संस्थान जीटीआरआई ने सोमवार को कहा कि सरकार को इस क्षेत्र की मदद के लिए आयात प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और प्रणालियों को डिजिटल बनाने पर विचार करना चाहिए। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने बयान में कहा, आयात प्रतिबंध तथा गुणवत्ता नियंत्रण उपायों सहित घरेलू इस्पात विनिर्माताओं की सुरक्षा के मकसद से बनाई गई नीतियों ने अनजाने में आयातित इस्पात पर निर्भर उद्योगों को परेशानी में डाल दिया है। इसमें कहा गया, 10,000 से अधिक इकाइयां परिचालन तथा वित्तीय चुनौतियों से जूझ रही हैं, जिससे उनकी उत्पादन और निर्यात क्षमता पर खतरा मंडरा रहा है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, '' बंदरगाहों पर देरी और लालफीताशाही भारत के इस्पात उपयोगकर्ता उद्योगों के लिए परेशानी बनी हुई है। बंदरगाहों पर देरी और अस्पष्ट नियामक आवश्यकताओं के कारण इस्पात पर निर्भर 10,000 से अधिक इकाइयों को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है। विनिर्माण उद्योगों के लिए आवश्यक आयात अत्यधिक जांच से गुजरते हैं। सरकार ने आयात पर निगरानी रखने के लिए इस्पात आयात निगरानी प्रणाली (एसआईएमएस) शुरू की, जिसके तहत माल आने से पहले विस्तृत घोषणा करना अनिवार्य कर दिया गया। इसके अतिरिक्त, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) विशिष्ट इस्पात उत्पादों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के साथ पंजीकरण अनिवार्य करता है।

सर्राफा बाजार में कमजोरी जारी, सोना और चांदी के भाव में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन सोना मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 75,790 रुपये से लेकर 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 69,490 रुपये से लेकर 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में भी आज मामूली गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 89,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 75,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 69,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 75,640

रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 69,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 75,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 69,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 69,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 75,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में सांकेतिक गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

हिंसाग्रस्त मणिपुर का दौरा करें मोदी, सर्वदलीय बैठक बुलायें: कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि मणिपुर में फिर हिंसा भड़कने से वहां की स्थिति और बिगड़ रही है, इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तुरन्त मणिपुर का दौरा कर समस्या के समाधान के लिए राज्य के नेताओं की सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए।

कांग्रेस के मणिपुर के प्रभारी महासचिव गिरिश चोडनकर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के. मेघचंद्रा तथा कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री मोदी विदेश यात्रा के दौरान बड़ी बातें करते हैं लेकिन खुद के देश में मणिपुर पिछले साल तीन मई से जल रहा है लेकिन उसके बारे में कुछ नहीं सोचते और ना वहां जाकर समस्या पर बात कर उसका समाधान निकालते हैं। प्रधानमंत्री से मणिपुर जाने और समस्या का निदान करने की मांग करते हुए उन्होंने कहा श्री मोदी मणिपुर जाएं, वहां के राजनीतिक दलों के नेताओं और राहत शिविर में रहने वाले लोगों से मिलें, मणिपुर के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करें। कांग्रेस नेताओं ने कहा, गत 31 जुलाई से मणिपुर में पूर्णकालिक राज्यपाल नहीं है इसलिए जल्द से जल्द वहां पूर्णकालिक राज्यपाल नियुक्त किया जाना चाहिए। विफलताओं के बावजूद मणिपुर के मुख्यमंत्री को क्यों बचाया जा रहा है। श्री मोदी तथा श्री अमित शाह ईमानदारी से यदि ड्रग माफिया के खिलाफ लड़ाई लड़ना चाहते हैं, तो हाईकोर्ट में लंबित सभी केसेज में कारवाई शुरू करवाइए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मणिपुर में संवैधानिक तंत्र टूट चुका है इसके बावजूद मणिपुर के मुख्यमंत्री को पद से नहीं हटाया गया - ये समझ से परे है। हजारों लोग अपने घरों से विस्थापित हुए हैं, कई लोग मारे गए हैं। वहां डबल इंजन सरकार फ़ेल हो गई है। हम उम्मीद करते हैं कि मामले की गंभीरता को समझते हुए, कांग्रेस की मांग को माना जाएगा। मणिपुर में महंगाई, बेरोजगारी बहुत बढ़ गई है और प्रदेश के बच्चों की पढ़ाई का भी बहुत नुकसान हुआ। लोगों की नौकरियां चली गईं।

मुंबई की जमीन उद्योगपति को बिकने नहीं देंगे: राहुल

एजेंसी

मुम्बई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा निशाना साधते हुए सोमवार को कहा कि वह महाराष्ट्र की परियोजनाओं को दूसरे राज्यों में भेज रहे हैं और मुंबई की जमीन को अपने एक करीबी उद्योगपति को बेचना चाहते हैं लेकिन उनकी इस मंशा को पूरा नहीं होने दिया जाएगा।

श्री गांधी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में 'एक है तो सेफ है' नारे को लेकर श्री मोदी से सवाल किया और कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्लोगन है : एक हैं तो सेफ हैं। सवाल है- एक कौन हैं, सेफ कौन हैं और सेफ किसका है। जवाब है- एक नरेंद्र मोदी, अडानी, अमित शाह हैं और सेफ अडानी हैं।वहीं, इसमें नुकसान महाराष्ट्र की जनता का है, धारावी की जनता का है। धारावी की जमीन वहां रहने वाले लोगों की है। वे कई वर्षों से रह रहे हैं। धारावी को कन्वर्ट करने में कई सारी समस्याएं हैं। मैंग्रोव की जमीन छीनी जा रही है। एक व्यक्ति के लिए सारे नियम बदल दिए गए। उन्होंने कहा, छ्देश के पोर्ट, एयरपोर्ट, डिफेंस इंडस्ट्री, धारावी सारा कुछ उस एक व्यक्ति को सौंपा जा रहा है, जिसका प्रधानमंत्री से पुराना रिश्ता है। अडानी ये काम अकेले नहीं कर सकते। वो प्रधानमंत्री की मदद लिए बिना धारावी की जमीन लोगों से नहीं ले सकते हैं। महाराष्ट्र का धन यहां की जनता को मिलेगा या फिर एक व्यक्ति को मिलेगा -यही चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा है। धारावी का डेवलपमेंट वहां रहने वाले लोगों के हित को लेकर होगा। आज धारावी के लोगों के हित को नकारा जा रहा है और अडानी के हित को पूरा समर्थन दिया जा रहा है।यहां सिर्फ धारावी की बात नहीं है। इसके अलावा मैंग्रोव की जमीन और बाढ़ का मुद्दा भी बड़ा है। कांग्रेस नेता ने कहा, हम चाहते हैं कि धारावी के लोगों को और

महाराष्ट्र की जनता को फायदा हो। जो भी होगा धारावी के लोगों से पूछकर, उनके सहयोग से होगा, सिर्फ एक व्यक्ति के लिए नियम तोड़कर काम नहीं होगा।महाराष्ट्र का चुनाव गरीबों और चंद अरबपतियों के बीच का चुनाव है। अरबपति चाहते हैं कि मुंबई की जमीन उन्हें मिले। करीब 1 लाख करोड़ रुपए एक अरबपति को देने की तैयारी है। कांग्रेस पार्टी की सोच है कि महाराष्ट्र के किसानों, गरीबों , बेरोजगारों की मदद हो। राज्य के लिए महंगाई, बेरोजगारी मुख्य मुद्दे हैं।

महाराष्ट्र के लोगों से किए वादे को लेकर कांग्रेस नेता ने कहा, महिलाओं को हर महीने 3000 रुपए देंगे और बसों में उन्हें निशुल्क सफर की सुविधा दी जाएगी। किसानों का 3 लाख रुपए तक का कर्ज माफ होगा, सोयाबीन पर 7,000 रुपए प्रति क्विंटल मिलेगा और प्याज के किसानों के लिए फ़ेयर प्राइस कमेटी होगी तथा कपास के लिए फ़ेयर एमएसपी होगी। महाराष्ट्र में जातिगत जनगणना कराने के साथ ही 25 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा, बेरोजगारों को हर महीने 4000 रुपए की मदद और ढाई लाख सरकारी नौकरियां देंगे।

उन्होंने कहा, भाजपा की आदत लोगों का ध्यान भटकाना है। यहां मुख्य मुद्दा रोजगार का है। करीब 7 लाख करोड़ रुपए के कई सारे प्रोजेक्ट महाराष्ट्र से बाहर भेज दिए गए। लाखों रोजगार ख़त्म हो गए।धारावी की जमीन बड़ा मुद्दा है। किसानों को फसलों का सही दाम नहीं मिल रहा है। बेरोजगारी, महंगाई है। अब भाजपा इन सवालों के जवाब दे नहीं सकती, तो लोगों का ध्यान ही भटकाएगी, लेकिन हम मुद्दों से भटकने वाले नहीं हैं। ये उन प्रोजेक्ट्स की लिस्ट है, जो महाराष्ट्र के युवाओं से छीनकर बाहर भेज दिए गए हैं, उनमें 1.5 लाख करोड़ रुपए का वेदांता- फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर प्लांट, 1.8 लाख करोड़ रुपए का टाटा एयरबस मैन्युफैक्चरिंग यूनिट- इससे 6 हजार युवाओं को रोजगार मिलता, 2 लाख करोड़ रुपए का आईफोन प्लांट- इससे 75 हजार युवाओं को रोजगार मिलता, 3,000 करोड़ रुपए का ड्रग पार्क- इससे 80 हजार युवाओं को रोजगार मिलता, 1.63 लाख करोड़ रुपए का इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विस सेंटर- इससे 2 लाख युवाओं को रोजगार मिलता, 7,000 करोड़ रुपए का गेल पेट्रोकेमिकल प्लांट- इससे 21 हजार युवाओं को रोजगार मिलता, ये भी दूसरे प्रदेश में भेज दिया गया है।

राष्ट्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा आयोग विधेयक शीघ्र पारित होगा : मेघवाल

नयी दिल्ली। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा है कि राष्ट्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा आयोग विधेयक 2023 संसद से शीघ्र पारित होगा।

श्री मेघवाल ने सोमवार को यहां प्राकृतिक चिकित्सा दिवस के अवसर पर सूर्या फाउंडेशन और अंतर्राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संगठन तथा केंद्रीय आयुष मंत्रालय के सहयोग से आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार संसद में राष्ट्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा आयोग विधेयक 2023 को पारित कराने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक का उदाहरण देते हुए कहा कि इसे संसद में सफलतापूर्वक पारित कर इतिहास रच दिया गया है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि राष्ट्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा आयोग 2023 को संसद पारित कराने के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसमें भी बाधाएं आ रही हैं लेकिन मोदी सरकार इसे मुमकिन बनायेंगी है। सम्मेलन में देश भर से तीन हजार से अधिक योग और प्राकृतिक चिकित्सा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में राष्ट्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा आयोग 2023 को पारित करने और इसे लागू करने की प्रमुख मांग की गई। सम्मेलन का उद्घाटन श्री मेघवाल ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा और आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने आनलाइन कार्यक्रम में भाग लिया। इस सम्मेलन में लोकसभा सांसद भोला सिंह, जैन धर्मगुरु आचार्य लोकेश मुनि और कर्नाटक के पंचमशाली पीठ के जगतगुरु श्री श्री वचनानंद स्वामी भी मौजूद रहे। सम्मेलन में प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सात वरिष्ठ प्राकृतिक चिकित्सकों को सम्मानित किया गया। प्रतिष्ठित महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय महायोग एवं प्राकृतिक स्वच्छता संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. अरुण शर्मा और न्यूजीलैंड ऑकलैंड में प्राकृतिक चिकित्सा योग एवं आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. पूजा माडेला को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। ल्ल डॉ. वेंकट राव राष्ट्रीय पुरस्कारङ्क नागालैंड के दीमापुर में वैश्विक मुक्त विश्वविद्यालय के उप कुलपति डॉ. एस.एन. पांडे, ल्ल डॉ. विट्ठल दास मोदी राष्ट्रीय पुरस्कारङ्क महाराष्ट्र में रायगढ़ में कुष्टरोग निवारण समिति की उपाध्यक्ष डॉ. कुमुद जोशी, ल्ल डॉ. राजकुमारी अमृत कौर राष्ट्रीय पुरस्कार तेलंगाना हैदराबाद की डॉ. जी. विजयलक्ष्मी रेड्डी, बालकोबा भावे राष्ट्रीय पुरस्कार गुजरात के वडोदरा में विनोबा आश्रम में निसर्गोपचार के निदेशक डॉ. भरत भाई शाह और ल्ल महावीर प्रसाद पोद्दार राष्ट्रीय पुरस्कार मध्यप्रदेश में भोपाल के संत हृदयराम योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अस्पताल के उपाध्यक्ष डॉ. रमेश तेवानी को दिया गया। श्री नड्डा ने कहा कि सरकार पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के विकास और अनुसंधान की दिशा में लगातार काम कर रही है। श्री जाधव ने कहा कि सरकार को प्राकृतिक चिकित्सा के कई प्रस्ताव मिले हैं, जिन पर मंत्रालय सक्रिय रूप से काम कर रहा है और आश्वासन दिया कि इन प्रयासों के परिणाम जल्द ही दिखाई देंगे।

देश में कहां लोकतंत्र, आरक्षण खत्म हुआ कांग्रेस पार्टी को बतानी चाहिए : चिराग पासवान

एजेंसी

रांची। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा की आज राहुल गांधी संविधान लेकर पूरे देश में घूम रहे हैं लेकिन संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की तस्वीर भी संसद में 1989 के पहले नहीं लगी थी।

श्री पासवान ने कहा कि 1989 में तत्कालीन प्रधानमंत्री बीपी सिंह ने संसद में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की तस्वीर लगाने का काम किया था। उस समय के तत्कालीन केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान ने संसद में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की तस्वीर लगाने के लिए पहल की थी। कांग्रेस पार्टी ने बाबासाहब भीमराव अंबेडकर चुनाव जीतकर संसद नहीं पहुंचे इसके लिए भी हर संभव प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के एक ही परिवार के तीन-तीन लोगों की तस्वीर संसद में लगाई गई है लेकिन बाबा साहेब की तस्वीर कांग्रेस पार्टी ने संसद में नहीं लगाया। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के पहले राहुल गांधी लोकतंत्र खत्म होने आरक्षण खत्म होने की बात करते थे लेकिन लोकसभा चुनाव हुए भी लगभग 6 माह हो गए हैं लेकिन देश में कहां लोकतंत्र खत्म हुआ कहां आरक्षण खत्म हुआ यह बात भी कांग्रेस पार्टी को बतानी चाहिए। श्री पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहेब को श्रद्धांजलि देते हुए उनसे जुड़ी पाँच स्थानों को पंच तीर्थ के रुप मे विकसित किया । इसमें मध्यप्रदेश का महू जहाँ बाबा साहेब के जन्म हुआ ,उनके जन्म स्थली के रूप में विकसित किया है। दूसरी दीक्षा भूमि नागपुर , तीसरी मुम्बई का इंदुमिल , चौथा लंदन का वह घर जहाँ बाबा साहेब रह कर वकालत की शिक्षा ली उसे भारत सरकार खरीद कर विकसित किया है और पांचवाँ दिल्ली के हलीपुर में वो घर जहाँ बाबा साहेब ने अंतिम सांस ली , उस स्थान को भारत सरकार संविधान निर्माता के स्मृति के रूप में विकसित किया है । श्री पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बाबा साहेब के सम्मान के लिए जो काम किया उसे सदैव याद रखा जाएगा जबकि बाबा साहेब के प्रति कांग्रेस के रवैये को भी समाज नहीं भूलेगा।

श्री पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड में जल जीवन मिशन के लिए हजारों करोड़ रूपए भेजे थे। जिससे पाइप लाइन बिछाकर हर गांव, घर में नल लगाए जाने थे, लेकिन किसी भी गांव या घर में नल नहीं लगे। झारखंड सरकार जल जीवन मिशन का पैसा भी डकार गई। इतना ही नहीं मनरेगा और गरीबों के पक्के आवास का पैसा भी राज्य की गठबंधन की सरकार ने हज़म कर लिया।

मोदी पर टिप्पणी करने के लायक नहीं हैं राहुल गांधी : मंगल

पटना। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मंगल पांडे ने आज कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद राहुल गांधी और उनके गठबंधन के अन्य नेता देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर टिप्पणी करने के लायक नहीं हैं। श्री पांडे ने सोमवार को यहां कहा कि अपनी छिछली राजनीति के लिए कांग्रेस सांसद श्री गांधी का प्रधानमंत्री श्री मोदी पर बयान देना अशोभनीय है। श्री मोदी के नेतृत्त्व में आज देश जहां विकसित भारत 2047 के अपने लक्ष्यों पर तेजी से आगे बढ़ रहा है वहीं भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है और इसके कैलेंडर वर्ष 2024 में 7.2 प्रतिशत और इसके अगले साल 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि मूडीज रेटिंग्स ने इस बात की पुष्टि की है। मूडीज के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था ठोस वृद्धि और नरम मुद्रास्फीति के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि रेटिंग एजेंसी ने अपने 'वैश्विक वृहद परिदृश्य 2025-26' में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने महामारी के दौरान आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान, रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद ऊर्जा और खाद्य संकट, उच्च मुद्रास्फीति और इसके चलते सख्त मौद्रिक नीति से उबरने में उल्लेखनीय जुझारू क्षमता दिखाई है। श्री पांडे ने कहा कि विपक्ष के नेता प्रधानमंत्री श्री मोदी की वैश्विक लोकप्रियता से घबराए हुए हैं। देश और विदेशों में भारत और इसके नेतृत्व की आलोचना करने वाले विपक्ष को अगले सप्ताह झारखंड और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव परिणामों से एक बार झटका लगने वाला है।

शोपियां में आतंकवादियों के भूमिगत ठिकाने का भंडाफोड़

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों ने एक भूमिगत आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शोपियां पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने शुक्रू केलर के जंगलों में छिपे द रेजिस्टेंस फ्रंट नामक संगठन के ठिकाने का भंडाफोड़ किया, जिसके बारे में माना जाता है कि यह लश्कर-ए-तैयबा का एक छद्म संगठन है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान हथियार एवं गोला-बारूद , कंबल, खाद्य पदार्थ और निजी इस्तेमाल की वस्तुएं ट्रंक जैसी वस्तुएं बरामद की गईं। उन्होंने बताया कि इस भूमिगत ठिकाने का इस्तेमाल करने वाले आतंकवादियों का पता लगाने के लिए अभी भी व्यापक तलाशी अभियान जारी है। अधिकारी ने बताया कि ठिकाने का भंडाफोड़ पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों द्वारा क्षेत्र में आतंकवादी अभियानों को बाधित करने और उन्हें खत्म करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है।

इसरो के जीसैट-एन2 के लिये उल्टी गिनती शुरू

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के उन्नत संचार उपग्रह जीसैट-एन2 कोस्पेसएक्स को अमेरिका के फ्लोरिडा में केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन के स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स 40 (एसएलसी-40) से जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में प्रक्षेपित करने के लिए उलटी गिनती सोमवार सुबह शुरू हो गई। इसरो ने कहा जीसैट-20 इसरो द्वारा विकसित एक संचार उपग्रह है और इसे स्पेसएक्स फाल्कन 9 द्वारा लॉन्च किया जाएगा। यह फाल्कन की 19वीं उड़ान होगी। यह एक वाणिज्यिक मिशन होगा। इसरो के एलएमवी-3 में जीटीओ में 4,000 किलोग्राम तक के उपग्रहों को प्रक्षेपित करने की क्षमता है लेकिन भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने इसे एलन मस्क के स्वामित्व वाले स्पेसएक्स के अमेरिका से फाल्कन-9 लॉन्च वाहन का उपयोग करके लॉन्च करने का विकल्प चुना। इसका वजन 4,700 किलोग्राम है। न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) द्वारा वित्तपोषित, स्वामित्व और संचालित जीसैट-20, संचार उपग्रहों की जीसैट श्रृंखला की निरंतरता होगी और इसका उद्देश्य भारत के स्मार्ट सिटी मिशन द्वारा आवश्यक संचार अवसंरचना में डेटा संचरण क्षमता को जोड़ना है। इसको विद्युत ऊर्जा प्रणाली को लगभग 6 किलोवाट की बिजली की आवश्यकता को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। उपग्रह में एक सन सेंसर, अर्थ सेंसर, इनर्शियल रेफरेंस यूनिट (आईआरयू) और स्टार सेंसर है। सभी सेंसर पूर्ण दृष्टिकोण के रूप में दृष्टिकोण डेटा प्रदान करते हैं।

पेज एक का शेष

प्रदूषण पर सुप्रीम...

धूल उड़ रही है। इस पर जस्टिस ओका ने गंभीरता दिखाते हुए सुप्रीम कोर्ट के सेक्रेटरी जनरल को कोर्ट में पेश होने को कहा। कोर्ट ने कहा कि हम राज्यों को कमेटी गठित कर यह सुनिश्चित करने का निर्देश देंगे कि कोई निर्माण कार्य न हो। कोर्ट ने दिल्ली सरकार से कहा कि जैसे ही एक्यूआई 401 पार हुआ आपको तुरंत ग्रैप-3 लागू करना चाहिए था। आपने लागू करने के लिए 24 घंटे का इंतजार क्यों किया। कोर्ट ने कहा कि मौसम विभाग की भविष्यवाणियों पर भरोसा क्यों किया गया। एक बार जब एक्यूआई 300 पार हो गया तो ग्रैप 3 लागू करना चाहिए था। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से कहा गया कि इस साल मौसम की स्थिति अलग रही है। पश्चिमी विक्षोभ था और इस तरह तापमान में अचानक गिरावट आई। तब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि यह अनुमान लगाने के बजाय कि एक्यूआई पार हो जाएगा और आप इसका इंतजार करेंगे और यह देखेंगे कि एक्यूआई नीचे जाएगा। कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश दिया कि वो 21 नवंबर तक हलफनामा दायर कर ताजा स्टेटस रिपोर्ट बताएं। मामले की अगली सुनवाई 22 नवंबर को होगी।

राजोआना की दया याचिका...

कभी जेल से बाहर नहीं आया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तब कहा था कि उन्हें इस मामले में निर्देश लेने की आवश्यकता है। शीर्ष अदालत ने 3 मई 2023 को भी दया याचिका पर फैसला करने में 10 साल से अधिक की अत्यधिक देरी के कारण राजोआना की मौत की सजा को कम करने की याचिका को खारिज कर दी थी। तब अदालत ने कहा था कि ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर निर्णय लेना कार्यपालिका का अधिकार क्षेत्र है। पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह सहित 16 अन्य लोगों की 31 अगस्त 1995 को एक बम विस्फोट में मृत्यु हो गई थी, जबकि 10 से अधिक अन्य घायल हो गए थे। इस मामले में याचिकाकर्ता राजोआना को 27 जनवरी 1996 को गिरफ्तार किया गया था। जिला अदालत ने 27 जुलाई 2007 को याचिकाकर्ता के साथ-साथ सह-आरोपी जगतार सिंह हवारा, गुरमीत सिंह, लखविंदर सिंह, शमशेर सिंह और नसीब सिंह को दोषी ठहराया था। याचिकाकर्ता के साथ-साथ सह-आरोपी जगतार सिंह हवारा को मौत की सजा सुनाई गई थी। उच्च न्यायालय ने 10 दिसंबर 2010 को याचिकाकर्ता की दोषसिद्धि और सजा की पुष्टि की थी। उच्च न्यायालय ने हालांकि जगतार सिंह की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया था।

सरकार बनने ...

को खोखला बना रहे हैं, जबकि यूपी में माफिया पर सख्ती है। खनन, कोल, वन, पशु, भूमाफिया झारखंड को खोखला, नागरिकों को गरीब और नौजवानों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। झामुमो सरकार ने रोटी, बेटी व माटी पर संकट खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवघर का कंकड़-कंकड़ शंकर है। श्रावण मास में उत्तर प्रदेश से यहां लाखों श्रद्धालु आते हैं। उन्होंने अपील की कि बाबा की नगरी में बाबा का भक्त ही जीतकर जाना चाहिए। झामुमो, कांग्रेस व राजद पर हमला करते हुए योगी ने कहा कि राजनीतिक स्वार्थ के लिए यह लोग आपके जीवन, सुरक्षा और भोलीभाली बेटियों के इज्जत से खिलवाड़ करते हैं। लव जेहाद को बढ़ावा दे रहे हैं। लैंड जेहाद के नाम पर जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। यूपी में लैंड व लव जेहाद नहीं है, वहां कोई ऐसा करेगा तो उसका यमलोकपुरी का टिकट कटता है। उसे धरती माता में भी जगह नहीं मिलती है। योगी ने यहां सांसद निशिकांत दुबे के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जब हम कहते थे कि रामलला आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे तो यह लोग कहते थे कि तारीख नहीं बताएंगे। हम लोगों ने मंदिर भी बना दिया। अब बाबा विश्वनाथ व कृष्ण कन्हैया भी चुप बैठने वाले नहीं हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहली रैली राजमहल विधानसभा क्षेत्र में की। यहां से विधायक अनंत ओझा को टिकट मिला है। दूसरी रैली नाला विधानसभा क्षेत्र में हुई। यहां से भाजपा ने माधव चंद्र महतो को मैदान में उतारा है। तीसरी जनसभा देवघर में हुई। यहां सीएम ने विधायक व प्रत्याशी नारायण दास के पक्ष में रैली कर उन्हें फिर से विधानसभा भेजने की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी...

रैली की। फूलपुर से दीपक पटेल भाजपा प्रत्याशी हैं। इसके बाद 15 नवंबर को मुख्यमंत्री ने कटेहरी से धर्मराज निषाद व मझवा से सुचिस्मिता मौर्य के लिए फिर जनसभा की। 16 नवंबर को मुख्यमंत्री ने फूलपुर व खैर में जनसभा तथा सीसामऊ व गाजियाबाद में रोड शो किया।

झांसी हादसा : एक...

गयी। गौरलतब है कि शुक्रवार रात एनआईसीयू में हुए दिल दहला देने वाले भीषण अग्निकांड में 10 नवजात शिशुओं की बुरी तरह झुलसने के कारण मौत हो गयी थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी शिशुओं को की मौत का कारण 80 प्रतिशत से अधिक जलने के कारण बताया गया है। अस्पताल प्रशासन द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार एनआईसीयू में भर्ती 49 शिशुओं में से 38 शिशुओं को सुरक्षित बचा लिया गया था इनमें से तीन की हालत गंभीर थी। इस तीन में से ही दो शिशुओं की और मौत हो गयी है। इस तरह इस हादसे में मरने वाले शिशुओं का आंकडा अब बढकर 12 हो गया है।

प्राथमिकी में त्रुटि को ...

जिन्होंने उस आरोप पत्र का संज्ञान लिया, जिसमें उक्त आवश्यक विवरण नहीं थे। अदालत ने देखा कि मामले में एफआईआर में महत्वपूर्ण विवरण, विशेष रूप से तारीख और समय का अभाव है। एकल न्यायाधीश ने कहा कि मजिस्ट्रेट को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 190 के तहत संज्ञान लेने से पहले इन कारकों पर विचार करना चाहिए। प्रस्तुत मामले में याची जगत सिंह के खिलाफ रास्ते के अधिकार को लेकर हुए विवाद के सिलसिले में आईपीसी की धारा 143, 341, 504 और 506 के तहत मिर्ज़ापुर में प्राथमिकी दर्ज की गई। इस मामले में चार्जशीट दाखिल की गई, जिस पर सम्बंधित मजिस्ट्रेट ने 1 अक्टूबर, 2018 को संज्ञान लिया। याचिकाकर्ता ने इस आदेश को पुनर्विचार याचिका दायर कर चुनौती दी, जिसे एडिशनल जिला एवं सेशन जज, मिर्ज़ापुर ने 20 जुलाई, 2022 को स्वीकार करते हुए मजिस्ट्रेट का आदेश खारिज कर दिया और मामले को नए सिरे से निर्णय के लिए भेज दिया। हालांकि, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने 1 दिसम्बर, 2023 को फिर से संज्ञान लिया जिसे फिर से पुनर्विचार अदालत के समक्ष चुनौती दी गई। इस बार उनकी चुनौती खारिज कर दी गई और मजिस्ट्रेट के आदेश की पुष्टि की गई। पुनर्विचार न्यायालय के आदेश और सीजेएम के संज्ञान लेने के आदेश दोनों को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट का रुख किया। जिसमें कहा गया कि प्राथमिकी में आवश्यक विवरण जैसे कि विशिष्ट तिथि, समय और गवाहों का अभाव है, जो धारा 154 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत दायर किसी भी जानकारी के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसके बावजूद, यह तर्क दिया गया कि सीजेएम ने यंत्रवत संज्ञान लिया और पुनर्विचार न्यायालय ने भी इस आदेश की गलत पुष्टि की है। दोनों आदेशों को अत्यधिक अवैध और गलत पाते हुए न्यायालय ने पूरे मामले की कार्यवाही को अलग रखते हुए याचिका को मंजूर कर ली। हालांकि, कोर्ट ने प्रतिवादी नंबर 2 को किसी भी घटना के बारे में जानकारी, यदि वह हुई हो तो उसकी तिथि और समय के साथ अपनी शिकायत के निवारण के लिए उपयुक्त प्राधिकारी को देने करने की स्वतंत्रता दी है।

50 केंद्रीय बल...

अधिकारियों के साथ आपात बैठक में मणिपुर की स्थिति की समीक्षा की थी। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में हिंसा की ताजा घटनाओं के बाद कई जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया है और कुछ अन्य क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएं भी बंद हैं। हिंसा की घटनाओं के बाद उग्र भीड़ ने कुछ विधायक को और मंत्रियों के घरों पर तोड़फोड़ तथा आगजनी भी की है जिससे राज्य के कुछ हिस्सों में तनाव की स्थिति बनी हुई है।

महाराष्ट्र, झारखंड...

आज कई बड़ी रैलियां कीं। चुनाव आयोग के मुताबिक महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावी मैदान में 3771 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे है। राज्य की 288 सीटों में से अनुसूचित जाति के लिए 29 और अनुसूचित जनजाति के लिए 25 सीटें आरक्षित हैं। राज्य में कुल 9,70,25,119 मतदाताओं को नाम पंजीकृत हैं। जिनमें 5,00,22,739 पुरुष, 4,69,96,279 महिला तथा 6031 उभयलिंगी मतदाता हैं। इसके अलावा 1,16,355 सेवा मतदाता, 01 जनवरी और 01 जुलाई 2024 के बीच 18 से 19 वर्ष की आयु वाले 20,93,206 युवा मतदाताओं का नाम पंजीकृत किया गया है जो इस बार पहली बार मतदान करेंगे। इसके अलावा 6,36,278 दिव्यांग और 85 वर्ष से अधिक आयु के 12,43,192 मतदाता मताधिकार को इस्तेमाल करेंगे। महाराष्ट्र में इसबार मतदाताओं के मतदान के लिए 1,011,186 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं। पिछली विधानसभा के चुनाव में आयोग ने 96,653 मतदान केन्द्र बनाये गये थे। झारखंड में 81 सीटों वाली विधानसभा के पहले चरण में 43 सीटों पर मतदान 13 नवंबर को संपन्न हुआ था। राज्य में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले इंडिया समूह और भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के बीच है। आदिवासी बहुल झारखंड में दोनों गठबंधनों के प्रचार अभियान में आदिवासियों से जुड़े मुद्दों का बोलबाला रहा। भाजपा के नेतृत्व में राजग ने 15 नवंबर को आदिवासी नायक बिरसा मुंडा के जयंती पर जनजातिय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों के जरिये इस समुदाय के मतदाताओं को लुभाने का जोरदार प्रयास किया। राजग ने बंगाल से सटे आदिवासी इलाकों में आबादी के स्वरूप में बदलाव का भी मुद्दा उठाया। जबकि इंडिया समूह के स्टार प्रचारकों ने भाजपा पर महंगाई, बेरोजगारी और केन्द्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया । झारखंड के दूसरे एवं अंतिम चरण में 38 सीटों पर 20 नवंबर को मतदान होगा। इस चरण के मतदान में ज्यादातर सीटें संताल प्रमंडल और कोयलांचल क्षेत्रों की हैं। दूसरे चरण में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, स्पीकर रबींन्द्रनाथ महतो, पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश महतो, वर्तमान मंत्री इरफान अंसारी, हफीजुल हसन, दीपिका पांडेय सिंह, बेबी देवी की किस्मत को फैसला होगा। दूसरे चरण में जरमुंडी, महगामा, पोड़ैयाहाट सहित 17 सीटों पर भाजपा और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के बीच सीधी टक्कर देखने को मिलेगी। चुनाव आयोग के मुताबिक झारखंड के दूसरे चरण में 528 प्रत्याशी किस्मत आजमा रहे हैं। इन प्रत्याशियों में 472 पुरुष और 55 महिला के अलावा एक उभयलिंग भी चुनाव मैदान में उतरा है। इस चरण में कुल 14,218 बूथों में से 2,414 शहरी और 11,804 ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गये हैं। दूसरे चरण की 38 सीटों के लिए कुल 1.23 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर चुनावी मैदान में उतरे प्रत्याशियों के किस्मत का पिटारा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में बंद करेंगे। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के अलावा 15 विधानसभा और एक लोकसभा सीट पर भी बुधवार को उपचुनाव होने हैं। इनमें उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीट पर वोटिंग करवाई जाएगी, जिसमें गाजियाबाद, मझवां, खैर, मीरापुर, सीसामऊ, फूलपुर, कटेहरी, करहल और कुंदरकी शामिल हैं. इसके अलावा पंजाब की डेरा बाबक नानक, छब्बेवाल, गिद्दड़बाहा और बरनाला सीटें हैं। इसके अलावा केरल की पलक्कड़ और उत्तराखंड की केदारनाथ सीट है और महाराष्ट्र के नांदेड़ लोकसभा सीट पर भी वोटिंग होगी। इन सभी सीटों पर भी उपचुनाव के लिए आज प्रचार थम गया। दोनों राज्यों के विधानसभा चुनाव के साथ-साथ 14 राज्यों की विभिन्न सीटों पर उपचुनाव की मतगणना 23 नवंबर को होगी।

1000 करोड़ रुपये की नकदी...

पर्यवेक्षकों की बैठकों और पड़ोसी राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकों के दौरान लगातार चुनावों में धनबल की भूमिका पर अंकुश लगाने पर जोर दिया है।

चारधाम यात्रा की कम अवधि में भी रिकॉर्ड संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

- चारों धामों में कुल 48 लाख 11279 तीर्थयात्रियों ने नवाया शीश, केदारनाथ में सबसे अधिक
- उच्च हिमालय पर केदारनाथ धाम में 1,26393 तीर्थयात्रियों ने हेलीकाप्टर से भरी उड़ान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की विश्वविख्यात चारधाम यात्रा अब समाप्त हो चुकी है और शीतकाल के लिए चारों धाम केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट बंद हो गए हैं। अब दर्शन के लिए देश-दुनिया के तीर्थयात्रियों को छह माह तक का इंतजार करना होगा। इस वर्ष चारधाम यात्रा पर रिकार्ड 48 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए हैं। इस वर्ष चारधाम की कम यात्रा अवधि और आपदा के बाद भी रिकॉर्ड तीर्थयात्री दर्शन को पहुंचे हैं। 10 मई से 17 नवंबर तक चारधाम यात्रा में कुल 48 लाख 11 हजार 279 तीर्थयात्रियों ने चारों धामों में दर्शन पूजन किया। सबसे अधिक केदारनाथ धाम 16 लाख 52 हजार 76 तीर्थयात्री पहुंचे, जबकि बद्रीनाथ धाम में 14 लाख 35 हजार 341 पहुंचे। इसी तरह यमुनोत्री धाम में सात लाख 14 हजार 755, गंगोत्री धाम में आठ लाख 15 हजार 273, हेमकुंड साहिब दरबार में एक लाख 83 हजार 722 तो गौमुख धाम में 10 हजार 112 तीर्थयात्रियों ने हाजिरी लगाई है। यात्रा काल में कुल पांच लाख 44 हजार 24 वाहन आए हैं, जबकि उच्च हिमालय स्थित केदारनाथ धाम में एक लाख 26 हजार 393 तीर्थयात्री हेलीकाप्टर से पहुंचे हैं।

मानकों को बच्चों तक पहुंचाना बेहद जरूरी : मदन कौशिक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भूपतवाला स्थित एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में विधायक मदन कौशिक ने शिक्षकों को बच्चों को मानकों के बारे में सिखाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक इस ज्ञान को स्कूलों में ले जाकर बच्चों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को मजबूत कर सकते हैं।

भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा आयोजित मानकों के माध्यम से विज्ञान सीखना कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने यह बात कही। विधायक मदन कौशिक ने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो के पास विभिन्न वस्तुओं को प्रमाणित करने की जिम्मेदारी है। यह बेहद महत्वपूर्ण कार्य है और इससे देश विकास की राह में आगे बढ़ रहा है। बीआईएस देहरादून शाखा के निदेशक व प्रमुख सौरभ तिवारी ने कहा कि इस तरह की कार्यशाला का उद्देश्य मानकों में निहित विज्ञान का सार बच्चों तक पहुंचाना है, जिसमें शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि मानक बनाने की प्रक्रिया में बच्चे भी शामिल हों तथा अपने सुझाव दें, इसे लेकर स्कूलों में स्टैंडर्ड क्लब संचालित किए गए हैं। कार्यशाला में बीआईएस के वैज्ञानिक सचिन चौधरी, रिसोर्स पर्सन अनन्त भास्कर व डॉ. मनीषा गर्ग ने बीआईएस तथा स्टैंडर्ड क्लब की गतिविधियों के संबंध में प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों को मानकों के माध्यम से विज्ञान सीखने को लेकर जानकारी दी गई। कार्यशाला में शामिल प्रतिभागियों को भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा तैयार किए गए 52 लेसन प्लान उपलब्ध कराए गए। इनके आधार पर शिक्षक अब अपने विद्यालयों में बच्चों को मानकों के विषय में जानकारी उपलब्ध कराएंगे। हरिद्वार, पौड़ी, टिहरी, चमोली, रुद्रप्रयाग और सिरमौर जिले के विभिन्न विद्यालयों में स्थापित स्टैंडर्ड क्लब के मेंटर व अन्य विज्ञान शिक्षकों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

सुखबीर सिंह बादल के इस्तीफ़े पर व्यापक रायशुमारी के बाद लिया जायेगा फैसला: भूंदड़

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के इस्तीफ़े पर विचार करने के लिये सोमवार को हुई कार्यकारी समिति की बैठक में कोई फैसला नहीं लिया जा सका। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बलविंदर सिंह भूंदड़ ने बताया कि बैठक में शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष पद से सुखबीर सिंह बादल के इस्तीफ़े पर चर्चा की गयी है। फिलहाल आज इस्तीफ़े पर फैसला टाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि बैठक में तय हुआ है कि जल्द ही विधानसभा क्षेत्र प्रभारियों के साथ-साथ जिला अध्यक्षों से भी 'फीडबैक' लेकर कोई फैसला लिया जायेगा। इसके अतिरिक्त जिला स्तरीय इकाइयों की बैठकें कर इस संबंध में राय ली जायेगी। इसके बाद निर्णय लिया जायेगा। श्री भूंदड़ ने बताया कि कार्यसमिति की बैठक में चार मुख्य मुद्दों पर चर्चा की गयी, जिनमें चंडीगढ़ में हरियाणा को विधानसभा के लिये जगह दिया जाना, किसानों के मुद्दे , बंदी सिख और श्री बादल का इस्तीफा आदि शामिल हैं। इसी दौरान एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में, पूर्व विधायक एन के शर्मा ने शिरोमणि अकाली दल से इस्तीफा दे दिया है। यह कदम पार्टी के अन्य नेताओं द्वारा भी उठाये गये हैं, जो पार्टी अध्यक्ष पद से श्री बादल के इस्तीफ़े के बाद उनका समर्थन कर रहे हैं। इससे पहले, युवा अकाली दल के अध्यक्ष सरबजीत सिंह झिंजर ने श्री बादल के प्रति समर्थन व्यक्त किया और अपने इस्तीफ़े की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अगर श्री बादल का इस्तीफा स्वीकार किया जाता है, तो कार्यसमिति को भी उनका इस्तीफा स्वीकार करना चाहिये। पूर्व मुख्यमंत्री श्री बादल के इस्तीफ़े के मद्देनजर शिरोमणि अकाली दल के जिला अध्यक्ष (शहरी) भूपिंदर सिंह भिंडा ने भी इस्तीफा दे दिया है। श्री बादल ने नये नेता के चुनाव के लिये शनिवार को शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था।

सदर उप जिलाधिकारी ने ऋषिकेश के आईसीयू का किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

ऋषिकेश। जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर सदर उप जिलाधिकारी हरी गिरी व जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी संजय जैन ने संयुक्त रुप से ऋषिकेश में शुरू किए गए आईसीयू का सोमवार को निरीक्षण किया।

इस दौरान सदर उप जिलाधिकारी हरी गिरी ने ऋषिकेश चिकित्सालय के अधिकारियों के साथ आईसीयू में लगाए गए सभी उपकरणों की भी बारीकी से जांच करने के उपरांत पत्रकारों से बताया कि आईसीयू में जो उपकरण लगाए गए हैं, वह पूरी तरह से आधुनिक है। जहां पांच मरीजों का भी उपचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अस्पताल की अन्य सुविधाओं को भी शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा, उनका कहना था कि ऋषिकेश का राजकीय चिकित्सालय गढ़वाल की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जहां गढ़वाल में होने वाली अधिकांश दुर्घटनाओं के मरीजों को लाया जाता है। परंतु आईसीयू की सुविधा न होने के कारण मरीज को अन्य हायर सेंटर में रेफर किया जा रहा था, इस समस्या के समाधान के लिए ऋषिकेश में आईसीयू की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस अवसर पर उपस्थित देहरादून के मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी संजय जैन ने बताया कि ऋषिकेश में ब्लड कंपोनेंट की सुविधा उपलब्ध करवाई जाने के लिए उच्च स्तर पर? प्रक्रिया जारी है। उनका कहना था कि सुविधाओं के मामले में काया कल्प में ऋषिकेश को प्रदेश में नंबर वन पर रखा गया है। इस दौरान सदर उप जिलाधिकारी हरी गिरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी संजय जैन, ऋषिकेश उप जिलाधिकारी स्मिता परमार, ऋषिकेश चिकित्सा अधीक्षक पीके चंदोला भी उपस्थित थे।

खराब मौसम के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर पांच विमानों का मार्ग बदला गया

नई दिल्ली। राजधानी नई दिल्ली आजकल उच्च प्रदूषण स्तर से जूझ रही है, जिसका असर विमानों के आवाजाही पर पड़ा है। खराब मौसम के कारण सोमवार सुबह इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पांच उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में खराब मौसम के कारण सुबह दिल्ली हवाई अड्डे पर पांच उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया। इनमें चार विमान को जयपुर और एक विमान को देहरादून की ओर मोड़ दिया गया। राष्ट्रीय राजधानी उच्च प्रदूषण स्तर से जूझ रही है, जिसके कारण शहर के विभिन्न हिस्सों में दृश्यता का स्तर भी कम हो गया है। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि दिल्ली हवाई अड्डे पर कम दृश्यता प्रक्रिया चल रही है। सभी उड़ान संचालन वर्तमान में सामान्य हैं। डायल ने यात्रियों को अपडेट उड़ान के लिए संबंधित एयरलाइनों से संपर्क करने की भी सलाह दी है।

रिपुदमन सिंह 'रूप' के नये उपन्यास 'तीला' का लोकार्पण हुआ

चंडीगढ़। वयोवृद्ध पंजाबी साहित्यकार रिपुदमन सिंह 'रूप' के नये उपन्यास 'तीला' पंजाबी साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित साहित्य उत्सव-2024 के दौरान लोकार्पित किया गया। इस अवसर पर श्री रूप के अलावा डॉ. सुखदेव सिंह सिरसा, डॉ. सरबजीत सिंह, बिहारी लाल सड्डी, डॉ. ज्ञान सिंह, परमजीत सिंह ढींगरा, हरि सिंह जाचक, गुरप्रीत सिंह तूर और श्री रूप के पुत्र संजीवन सिंह मौजूद थे। संजीवन सिंह ने बताया कि उपन्यास न्यायिक व्यवस्था के उन आंतरिक पहलुओं को उजागर करता है, जिनसे आम लोग अक्सर अनजान रहते हैं। श्री रूप के लेखन में काव्य संग्रह 'रानी रुत' और 'लालगढ़', कहानी संग्रह 'दिल दी आग', 'बहाने बहाने', 'ऊपरी हवा', और 'हू फूटाले तक', लघु कथा संग्रह 'बदमाश', उपन्यास 'झखड़ों में झूलता वृक्ष' और 'प्रीति', निबंध संग्रहः 'बन्ने चन्ने' और कविता संपादन 'धूल के नीचे की कविता' शामिल हैं।

श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षान्त समारोह में राज्यपाल होंगे मुख्य अतिथि

कैनविज टाइम्स संवाददाता

ऋषिकेश। श्री देव सुमन उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय का पंचम दीक्षान्त समारोह 19 नवम्बर को विश्वविद्यालय परिसर पण्डित ललित मोहन शर्मा परिसर, ऋषिकेश में आयोजित किया जा जाएगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति एनके जोशी ने सोमवार को पत्रकार वार्ता के दौरान देते हुए बताया कि दीक्षांत समारोह में राज्यपाल, उत्तराखण्ड और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ले जरनल गुरमीत सिंह (से. नि.) मुख्य अतिथि होंगे, दीक्षान्त समारोह के अतिविशिष्ट अतिथि प्रदेश के मुख्यमन्त्री पुष्कर सिंह धामी , उच्च शिक्षा मन्त्री, डॉ. धन सिंह रावत एवं वित्त मन्त्री, प्रेमचन्द अग्रवाल दीक्षान्त समारोह में विशिष्ट अतिथि होंगे। इस दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के पारम्परिक एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं के कुल 21230 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की जा रही है, जिसमें स्नातक स्तर पर कुल 17827 छात्र-छात्राएं तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 3403 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं में उच्चतम अंक पाने वाले 81 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किये जा रहे हैं, जिसमें 18 छात्र एवं 63 छात्रायें शामिल हैं। साथ ही स्नातक स्तर पर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य तीनों संकायों में से सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 'श्रीदेव सुमन गोल्ड मेडल' से अलंकृत किया जा रहा है। परास्नातक स्तर पर तीन विषयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 'कैप्टेन शूरवीर सिंह पंवार पदक से एवं स्नातक स्तर पर वाणिज्य संकाय में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता को 'स्व0 श्री नन्दराम पुरोहित स्वर्ण पदक' से अलंकृत किया जा रहा है। पत्रकार वार्ता में दिनेश चंदोला, निदेशक प्रोफ़ेसर एस रावत, डॉक्टर अशोक कुमार मंदोला, प्रोफ़ेसर जी के ढींगरा भी उपस्थित थे।

गुरुकुल विवि में 19 से 25 नवम्बर तक विश्व धरोहर सप्ताह का होगा आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी सम विश्वविद्यालय में आगामी 19 से 25 नवम्बर तक विश्व धरोहर सप्ताह 2024 का आयोजन किया जा रहा है। यूनेस्को के कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग के द्वारा विश्व धरोहर सप्ताह 2024 का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया जा रहा है। विभागाध्यक्ष प्रोफ़ेसर प्रभात कुमार ने बताया कि हरिद्वार में पहली बार प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग बड़े स्तर पर विश्व धरोहर सप्ताह-2024 का आयोजन कर रहा है। 19 नवम्बर को कार्यक्रम का शुभारम्भ हरिद्वार सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत द्वारा किया जाएगा। समापन 25 नवम्बर को गुरुकुल पुण्यभूमि, कांगड़ी ग्राम में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. सत्यपाल सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री के द्वारा किया जाएगा। सात दिन चलने वाले इस कार्यक्रम मे प्रतिदिन अलग अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे । प्रो. देवेंद्र कुमार गुप्ता ने सातों दिनो के कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से लेकर समाज को अपनी धरोहरों के संदर्भ में जागरुक करने के लिए तथा अपनी प्राचीन धरोहर का सम्मान करने के लिए यह सप्त दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम मे मृदभांड कार्यशाला, रंगोली ,पेंटिंग प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ 24 नवम्बर के दिन हेरिटेज वॉक का भी आयोजन किया जाएगा।

ऋषिकेश निगम ने दिखाई प्लास्टिक कूड़ा प्रबंधन की राह

- प्रधानमंत्री के रिड्यूस, रियूज और रिसाइकल के सिद्धांत को आगे बढ़ा रहे हैं मुख्यमंत्री

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी राज्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रिड्यूस, रियूज और रिसाइकल के सिद्धांत को आगे बढ़ा रहे हैं। इसी के तहत ऋषिकेश नगर निगम ने प्लास्टिक कूड़े का प्रबंधन कर नगर निकायों के सामने एक उदाहरण पेश किया है। प्लास्टिक कूड़े को ना सिर्फ सफलतापूर्वक एकत्रित कर रहा है बल्कि इसे रिसाइकिल कर फिर कई तरह से इस्तेमाल भी कर रहा है। सोमवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक बयानजारी कर कहा कि सभी निकायों को प्लास्टिक कूड़ा निस्तारण की ठोस व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं। इस दिशा निकायों के स्तर पर कई नवीन प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ जगह क्यूआर कोड के जरिए भी प्लास्टिक की वापसी की जा रही है। सरकार इस दिशा में बेहतर काम करने वाले निकायों का पुरस्कृत भी कर रही है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक कूड़ा प्रबंधन, हमारे शहरी जीवन के सामने एक चुनौती बनकर उभर रहा है। तीर्थनगरी के साथ ही राफ्टिंग-कैम्पिंग का प्रमुख केंद्र होने के कारण ऋषिकेश में वर्षभर श्रद्धालुओं और पयर्टकों की भीड़ भाड़ लगी रहती है। इस कारण यहां प्लास्टिक कूड़ा का प्रबंधन चुनौतीपूर्ण काम है। उल्लेखनीय है कि नगर आयुक्त शैलेंद्र सिंह नेगी की पहल पर ऋषिकेश नगर निगम ने सबसे पहले आईएसबीटी, त्रिवेणी घाट और वीरभद्र में प्लास्टिक बैंक की स्थापना की। प्लास्टिक बैंक के बॉक्स बनाने के लिए पुरानी प्लास्टिक बोतलों को ही इस्तेमाल किया गया, जिसमें लोग खुद खाली बोतलें या अन्य प्लास्टिक कचरा डालते हैं, इन प्लास्टिक बैंक से अब तक करीब 400 किलो तक प्लास्टिक रिसाइकिल हो चुका है। इस प्रयोग की सफलता को देखते हुए नगर निगम अब नटराज, ट्रांजिट कैम्प, रेलवे स्टेशन में भी प्लास्टिक बैंक स्थापित करने जा रहा है। ऋषिकेश नगर निगम ने परिसर में प्लास्टिक वेस्ट से 'वेस्ट टू वंडर' पार्क भी तैयार किया है, जिसमें पुराने टायर, खराब हो चुकी स्ट्रीट लाइट, साइकिल- स्कूटर जैसे सामान से बच्चों के झूले ओर सजावटी सामान तैयार किए गए हैं। साथ ही नगर निगम रीसाइकिल प्लास्टिक से बैंच, ट्री कार्ड, प्लास्टिक बैंक बॉक्स भी तैयार कर रहा है। ऋषिकेश नगर निगम में डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन, के बावजूद पहले यूजर चार्ज, महज तीन लाख महीने तक ही जमा हो पाता था, लेकिन अब नगर निगम ने यूजर चार्ज वसूलने का काम, महिला स्वयं सहायता समूहों (त्रिवेणी सेना) को दे दिया है, जिसके बाद नगर निगम का कलेक्शन 13 लाख के पार चला गया है। इसमें से निगम महिला समूहों को 25 प्रतिशत लाभांश देता है। इस तरह करीब 250 महिलाओं को प्रत्यक्ष तौर पर रोजगार मिला है।

यूट्यूबर सौरभ जोशी से लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने मांगी दो करोड़ की रंगदारी, केस दर्ज

हल्द्वानी। नगर के यूट्यूबर सौरभ जोशी को लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने पत्र भेजकर रंगदारी के नाम पर दो करोड़ रुपये मांगे हैं। पत्र में पांच दिन में पैसा देने और पुलिस के पास जाने पर घर के सदस्यों को जान से मारने की धमकी दी गई है। पुलिस नक सौरभ जोशी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया है। ओलिविया रामपुर रोड हल्द्वानी निवासी यूट्यूब सौरभ जोशी ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि उसे एक धमकी भरा पत्र प्राप्त हुआ है। इस पत्र में दो करोड़ की रंगदारी मांगी गई है। अन्यथा उसके परिजनों को जान से मारने की धमकी दी गई है। सौरभ ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि वह बहुत भयभीत है। उधर पुलिस ने सौरभ की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सौरभ को मिले पत्र में लिखा है, नमस्ते सौरव, जोशी मैं करन बिश्नोई लॉरेंस बिश्नोई गैंग से हूं। यह पत्र आपको एक महत्वपूर्ण सूचना देने के लिए भेजा जा रहा है। हमारे बॉस लॉरेंस बिश्नोई ने आपको हमारी गैंग को दो करोड़ रुपये नकद देने का आदेश दिया है। यदि आप नकद राशि नहीं देते है तो आपको या आपके परिवार के किसी भी सदस्य को मारने का आदेश दिया गया है।

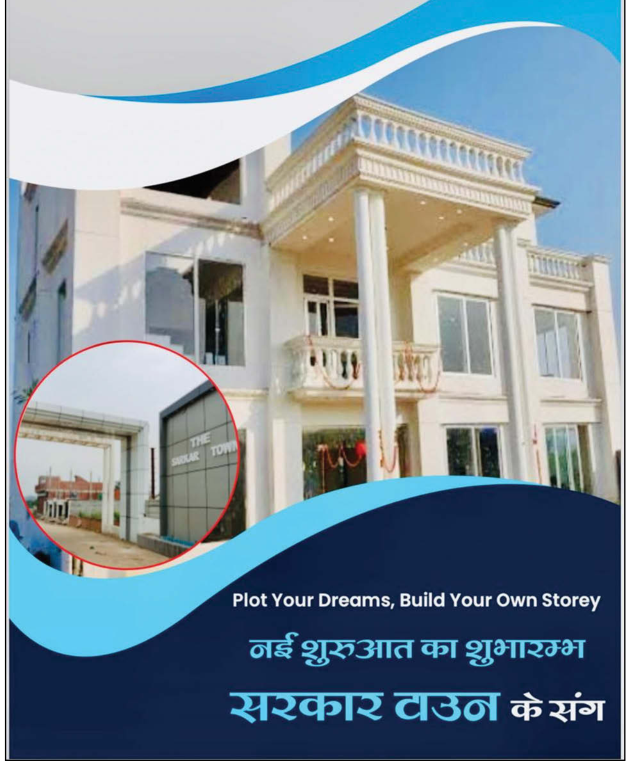

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063